▪ वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं-संकट से प्रभावितों को समर्थन देने के लिए वित्तीय गुंजाइश -12

▪ इंडियन ऑयल ने कहा- 4.88 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंच रही एलपीजी -12

▪ भारतीय उच्चायुक्त ने कहा-बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को फिर मजबूत करेगा भारत -13

▪ आईपीएल में राजस्थान की आक्रामकता से सतर्क रहना होगा मुंबई को -14

आज का मौसम
33.0° अधिकतम तापमान
17.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.55
सूर्यास्त 06.28

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
▪ लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर
▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष पंचमी 04:34 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 7 अप्रैल 2026, वर्ष 4, अंक 226, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 5 रुपये

यूसीसी, एक राष्ट्र-एक चुनाव अगला लक्ष्य

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी बोले- पार्टी के इन दो प्रमुख एजेंडों में सकारात्मक प्रगति हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

- कार्यक्रम को डिजिटल तरीके से मोदी ने किया संबोधित, कहा- हमने 1994 में उठाया था महिला आरक्षण का मुद्दा
- बोले- भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल जैसी कई कठिनाइयों को सहा और कांग्रेस शासन में उत्पीड़न को झेला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र, एक चुनाव को भाजपा के दो अधूरे एजेंडे बताते हुए कहा कि इन पर गंभीर विचार-विमर्श हो रहा है तथा सकारात्मक दिशा में प्रगति हुई है। भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा कि पहली बार भाजपा ने 1994 में महिला आरक्षण का मुद्दा उठाया था, जबकि मौजूदा भाजपा नीत केंद्र सरकार महिला आरक्षण अधिनियम को 2029 के आम चुनाव में लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण होगा।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपातकाल जैसी कई कठिनाइयों को सहा और कांग्रेस के शासन में उत्पीड़न का सामना किया है। उन्होंने कहा कि कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने तो अपनी जान भी कुर्बान कर दी, जैसा कि बंगाल और केरल जैसे राज्यों में देखा गया, जहां हिंसा को एक राजनीतिक संस्कृति बना दिया गया है। कहा कि हमारा मिशन अभी जारी है। समान नागरिक संहिता, एक राष्ट्र, एक चुनाव और अन्य मुद्दों पर देश में गंभीर चर्चाएं चल रही हैं और हम इन पर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाना चाहती है और इस दिशा में बढ़ती रहेगी। एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली में विधानसभा व लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने का प्रस्ताव है। यूसीसी का उद्देश्य पूरे देश में विवाह, गोद लेने आदि के संबंध में सभी के लिए एक समान कानून बनाना है। मोदी ने कहा कि देश जानता है कि भाजपा हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर रही है और ऐसा करती रहेगी, पहले भी सकारात्मक परिणाम मिले हैं, और भविष्य में भी मिलेंगे। ब्रिटिश काल के सैकड़ों काले कानूनों को खत्म करना, लोकतंत्र के लिए एक नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण, तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून, नागरिकता संशोधन अधिनियम, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण ऐसे अनगिनत काम हैं जो भाजपा के ईमानदार प्रयासों का परिणाम हैं।

भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी जिसे कार्यकर्ता मानते हैं अपनी मां : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जहां कार्यकर्ता पार्टी को अपनी मां मानते हैं। मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भाजपा का सतत रुख रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विशाल और पवित्र वटवृक्ष की छाया में भाजपा सद्भाव और ईमानदारी के साथ राजनीति करने के लिए प्रेरित हुई। उन्होंने कहा कि पार्टी 1984 को नहीं भूल सकती, जब कांग्रेस बड़ी संख्या में सीट जीती थीं, लेकिन देश ने यह भी देखा कि उन्होंने लोगों को कैसे धोखा दिया। भाजपा की स्थापना छह अप्रैल, 1980 को हुई थी।

देश-समाज के लिए जीता है भाजपा कार्यकर्ताः मुख्यमंत्री

गोरखपुर में पार्टी के झंडा और कार्यकर्ताओं के साथ सेल्फी लेते मुख्यमंत्री योगी।

- स्थापना दिवस पर गोरखपुर में गरजे सीएम, राष्ट्र प्रथम को बताया मूल मंत्र
- संस्थापकों के आदर्शों और कार्यकर्ताओं के समर्पण से बनी विश्व की बड़ी पार्टी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता अपने लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के लिए जीता है। जनसंघ काल से चली आ रही राष्ट्र प्रथम की भावना ही भाजपा की असली ताकत है, जिसने उसे आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनाया है।

मुख्यमंत्री गोरखपुर के मानसरोवर रामलीला मैदान में भाजपा के 47वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा की यात्रा सत्ता की नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और समर्पण की यात्रा है। यही कारण है कि पार्टी आज देश की विकास यात्रा का नेतृत्व कर रही है और हर राष्ट्रभक्त को इस अभियान से जुड़ना चाहिए। योगी ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना कर देश की एकता और अखंडता के लिए आवाज उठाई। वहीं दीनदयाल उपाध्याय ने 'अंत्योदय' का दर्शन देकर राजनीति को अंतिम पायदान तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया। अटल बिहारी वाजपेयी ने कठिन परिस्थितियों में भी पार्टी को स्थिरता दी और विकास की राजनीति को नई दिशा दी। सीएम ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने निर्णायक बदलाव देखा है। धारा 370 की समाप्ति, गरीब कल्याण योजनाओं का विस्तार और वैश्विक स्तर पर भारत की साख मजबूत होना इसी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो कहा, वह करके दिखाया है,यही उसकी विश्वसनीयता है। योगी ने राम मंदिर निर्माण को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह राष्ट्र की आस्था और संकल्प का प्रतीक है।

प. बंगाल के मुख्य सचिव को सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा

- कहा- हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कॉल न उठाने के लिए माफी मांगें
- न्यायालय ने मालदा घटना की जांच की जिम्मेदारी एनआईए को सौंपी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपनी पूर्ण एवं असीमित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए प. बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर कार्य में जुटे सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने का मामला एनआईए को स्थानांतरित कर दिया। वहीं, मुख्य सचिव दुश्यंत नरियाला को फटकार लगाई कि उन्होंने एक अप्रैल को कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कॉल उस वक्त नहीं उठाई, जब न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया गया था। पीठ ने कहा कि उन्हें मुख्य न्यायाधीश से कॉल न उठाने के लिए माफी मांगनी चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि बंगाल में नौकरशाही की विश्वसनीयता कम की जा रही है और सचिवालय एवं सरकारी कार्यालयों में राजनीति घुसाई जा रही है। पीठ ने आदेश दिया कि राज्य पुलिस द्वारा मालदा घटना से जुड़े 26 गिरफ्तार व्यक्तियों से एनआईए द्वारा पूछताछ की जाए, भले ही वे न्यायिक हिरासत में क्यों न हों। शीर्ष अदालत ने कहा कि मालदा में एसआईआर कार्य में जुटे न्यायिक अधिकारियों को घंटों तक घेर लिए जाने की घटना वास्तव में पूर्व-नियोजित और किसी विशेष उद्देश्य से प्रेरित थी।

एसआईआर मामले में हाईकोर्ट से 3 जजों का पैनल बनाने को कहा

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि चुनावी राज्य प. बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से बाहर किए गए करीब 60 लाख लोगों के दावों और आपत्तियों का सोमवार 6 अप्रैल को ही निस्तारण किया जाएगा। यह भी कहा कि राज्य में केंद्रीय बल तैनात रहेंगे। शीर्ष अदालत ने एक महिला न्यायिक अधिकारी का अपने परिजनों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करने वाला वीडियो देखने के बाद कहा कि हाल के दिनों में जिस तरह की घटनाएं हुई हैं, उन्हें देखते हुए केंद्रीय बलों को वापस नहीं बुलाया जाएगा। पीठ ने कहा, यदि सरकारी तंत्र विफल होता है, तो हम सोचेंगे कि क्या किया जा सकता है। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान द्वारा प्रतिनिधित्व की जा रही मुख्यमंत्री ममता की इस दलील पर गौर किया कि गलत तरीके से हटाए गए या जोड़े गए नामों के खिलाफ याचिकाओं की सुनवाई के लिए स्थापित 19 अपीलीय अधिकरण अभी क्रियान्वित नहीं हो सके हैं। सीजेआई ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से इन अधिकरणों के लिए समान प्रक्रियाएं तैयार करने के वास्ते पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय समिति गठित करने को कहा।

न्यूज ब्रीफ

आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) द्वारा समर्थित एक आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो हथगोले एवं एक 'ग्लॉक' पिस्तौल बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि हथगोलों पर पीओएफ (पाकिस्तान आयुध कारखाना) के चिह्न हैं जो सीमा पार संबंधों का संकेत देते हैं।

आरबीआई ने बैंक प्रतिनिधियों की श्रेणियां बनाने के दिए निर्देश

मुंबई। आरबीआई ने सोमवार को बैंक प्रतिनिधियों को उनके काम के आधार पर दो श्रेणियों में रखने और उनके वेतन में समानता लाने का सुझाव दिया। केंद्रीय बैंक ने सोमवार को जारी शाखा मंजूरी संबंधी मसौदा मानदंडों में तीन प्रकार के वितरण बिंदुओं को परिभाषित करने का प्रस्ताव दिया है जिसमें बैंक शाखाएं, बैंक प्रतिनिधि-बैंक आउटलेट्स (बैंक शाखा, एटीएम, एक्सटेंशन काउंटर) और बैंक प्रतिनिधि-बैंकिंग टचपॉइंट (बीसी-बीटी) शामिल हैं। बैंक प्रतिनिधि को दूर-दराज के इलाकों में बैंकिंग सेवाएं देने के लिए नियुक्त किया जाता है।

हमले में ईरानी सेना के खुफिया प्रमुख मारे गए, नया युद्धविराम प्रस्ताव भेजा

दुबई, एजेंसी

ईरान के मिसाइल हमले से इजराइल में क्षतिग्रस्त हुईं कारें और अपार्टमेंट।

- तेहरान में ताबड़तोड़ बमबारी में 25 से अधिक की गई जान
- ईरान ने इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों पर मिसाइलें दागीं

इजराइल और अमेरिका ने सोमवार को ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले किए, जिनमें 25 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों पर मिसाइलें दागीं। होर्मुज खोलने के लिए ईरान को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा दी गई समयसीमा नजदीक आने के बीच मध्यस्थों ने युद्धविराम का नया प्रस्ताव पेश किया है।

सोमवार सुबह हुए हवाई हमलों में तेहरान में स्थित शरीफ प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के अनुसार, इस हमले में विश्वविद्यालय की इमारतों के साथ-साथ परिसर के पास स्थित प्राकृतिक गैस वितरण केंद्र को भी नुकसान पहुंचा। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, तेहरान पर हुए एक हमले में अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया प्रमुख मेजर जनरल माजिद खादेमी की भी मौत हो गई। वहीं, ईरानी मिसाइलों ने उत्तरी इजराइल के शहर हाइफा को निशाना बनाया, जहां एक रिहायशी इमारत के मलबे से चार लोगों के शव बरामद किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, तेहरान के दक्षिण-पश्चिम में इस्लामशहर के पास हुए हमले में कम से कम 15 लोगों की मौत हुई। वहीं, कोम के एक रिहायशी इलाके पर हमले में पांच लोगों की जान गई, जबकि अन्य शहरों में हुए हमलों में छह और लोगों की मौत हुई। इसके अलावा, तेहरान में एक घर पर हुए हवाई हमले में तीन और लोगों की मौत हो गई।

तेहरान ने नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव खारिज किया, कहा- युद्ध का स्थायी अंत चाहिए

तेहरान। ईरान ने नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव को खारिज कर दिया है और कहा कि वह युद्ध का स्थायी अंत चाहता है। यह खबर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा तेहरान को होर्मुज खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा नजदीक आने से ठीक पहले आयी है। ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को अपना जवाब दे दिया है। काहिरा स्थित ईरानी राजनयिक मिशन के प्रमुख मोजतबा फरदौसी पोर ने सोमवार को बताया, हम केवल युद्धविराम स्वीकार नहीं करेंगे। हम युद्ध की समाप्ति तभी स्वीकार करेंगे जब हमें यह गारंटी दी जाए कि हम पर दोबारा हमला नहीं किया जाएगा।

मेट्रो स्टेशन पर महिला के बैग से मिले 63 कारतूस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन के सुरक्षाकर्मियों ने स्कैनिंग के दौरान रोका, महानगर थाने में एफआईआर
- बैग में मिला .303 बोर के 35 और 9एमएम के 18 कारतूस

अमृत विचार। बादशाहनगर मेट्रो स्टेशन पर रविवार को चेकिंग के दौरान महिला के बैग से भारी मात्रा में कारतूस बरामद हुआ। सूचना पर पहुंची महानगर थाने की पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ एसआई अनुराग कुमार सिंह की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक महिला के बैग में कुल 63 कारतूस मिले हैं। जिसमें .303 बोर के 35 ओर 9एमएम के 18 कारतूस शामिल है। वहीं 10 खोखे बरामद हुए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्रा के मुताबिक रविवार दोपहर करीब 12 बजे मेट्रो स्टेशन पर स्कैनिंग के दौरान सुरक्षाकर्मियों को एक बैग में संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। जांच करने में सामने आया कि बैग में 35 अदद .303 बोर के जिंदा कारतूस और 18 अदद 9 एमएम के जिंदा कारतूस रखे हुए हैं। इसके अलावा 9 एमएम के 9 खोखा कारतूस और .303 बोर का एक खोखा भी मिला। कुल मिलाकर 63 कारतूस मिले हैं। महिला कानपुर नगर के साढ़ थाना स्थित तिवारीपुर की रहने वाली प्रतिभा पाल है। उससे कारतूस रखने के का लाइसेंस मांगा गया तो कोई दस्तावेज नहीं दिखा सकी। इसके बाद मेट्रो प्रशासन ने महिला को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में प्रतिभा ने बताया कि उसके पति यशवंत हेड कांस्टेबल थे। वह अपने बेटे से मिलने लखनऊ आई थी। जांच में सामने आया कि महिला का मायका बांदा में है। उसका बेटा अयोध्या हाइवे स्थित निजी इंजीनियरिंग कालेज से बीटेक कर रहा है। चार दिन पहले वह बेटे से मिलने लखनऊ आई थी। बेटे से मिलकर वह कानपुर अपनी ससुराल जा रही थी। इंस्पेक्टर ने बताया कि मेट्रो सुरक्षा में तैनात टीम के अधिकारी से जांच करने वाली टीम के बारे में जानकारी और इस दौरान बनाये गये वीडियो की डिटेल मांगी गई है।

मुजफ्फरनगर : अधिवक्ता की हत्या मामले में 3 दोषियों को मौत की सजा

मुजफ्फरनगर, एजेंसी

- यहां की एक अदालत ने सुनाया फैसला, एक अन्य को सात वर्ष कारावास की सजा
- अधिवक्ता मोहम्मद समीर (28) का अपहरण कर की गई थी हत्या

यहां की एक अदालत ने अधिवक्ता का अपहरण कर उसकी हत्या के मामले में सोमवार को चार आरोपियों को दोषी करार दिया। एक शासकीय अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। अदालत ने चार में से तीन दोषियों को मौत की सजा जबकि एक को सात वर्ष कारावास की सजा सुनाई।

शासकीय अधिवक्ता कुलदीप कुमार ने बताया कि मुजफ्फरनगर की एक त्वरित अदालत ने अधिवक्ता मोहम्मद समीर (28) के अपहरण और हत्या मामले में सोमवार को रिजवान अहमद, सिंगोल अल्वी और शालू उर्फ अरबाज को मौत की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि अदालत ने तीनों दोषियों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कुमार ने बताया कि अदालत ने मामले में सह-आरोपी दिनेश को सात साल कारावास की सजा सुनाई है और उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है।

बिरला ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के नोटिस को अस्वीकार किया

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी विपक्ष के नोटिस को सोमवार को अस्वीकार कर दिया। विपक्षी दलों के सदस्यों ने 12 मार्च को यह नोटिस सौंपा था। लोकसभा सचिवालय ने कहा कि अनुच्छेद 324(5), मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत लोकसभा के 130 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित 12 मार्च, 2026 के एक प्रस्ताव संबंधी नोटिस लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा गया था जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने की मांग की गई थी।

दिल्ली विधानसभा का गेट तोड़ जबरन अंदर घुसी यूपी नंबर की कार, 3 पकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

- सोमवार दोपहर सुरक्षा में बड़ी सेंध, वाहन जब्त , कार्यालय के बाहर एक गुलदस्ता रखकर भागा

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में सोमवार दोपहर उस वक्त बड़ी सेंध लग गई, जब एक नकाबपोश व्यक्ति एसयूवी लेकर जबरन लोहे के गेट को तोड़कर परिसर को अंदर घुस गया और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय के बाहर एक गुलदस्ता रखकर उसी रास्ते से निकल भी गया। इसके बाद हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने बाद में उत्तर दिल्ली से कार चालक समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया और वाहन को जब्त कर लिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते समेत कई पुलिस दल मौके पर पहुंचे और किसी भी खतरे की आशंका को समाप्त करने के लिए इलाके की गहन छानबीन की। उन्होंने कहा कि राजधानी में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के नंबर वाला यह वाहन अपराह्न करीब दो बजे द्वार संख्या दो से विधानसभा परिसर में दाखिल हुआ। सूत्रों के अनुसार चूंकि यह मुख्य द्वार नहीं है, इसलिए विधानसभा सत्र नहीं होने की स्थिति में इसके आसपास सुरक्षा अपेक्षाकृत कम थी। दिल्ली सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया, कार चालक विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और वहां ड्योढ़ी (पोर्च) के पास गुलदस्ता रखकर वापस चला गया। कहा कि इस घटना से सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं और अधिकारी इसे सुरक्षा चूक मान रहे हैं।

उपलब्धि | लखनऊ के युवाओं का दिव्यास्त्र बना डिफेंस टेक्नोलॉजी की मिसाल

बदल रही यूपी की छवि ... अब बना रहे आधुनिक ड्रोन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश अब पुरानी छवि को पीछे छोड़ते हुए डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और स्टार्टअप इनोवेशन का नया केंद्र बनता जा रहा है। कभी अवैध हथियारों के लिए बदनाम रहा प्रदेश अब 'ड्रोन शक्ति' के रूप में नई पहचान गढ़ रहा है। राजधानी लखनऊ में तीन युवा उद्यमियों पवन, रविंद्र पाल सिंह और सौरभ सिंह द्वारा स्थापित स्टार्टअप कंपनी हॉवरिट ने 'दिव्यास्त्र एमके-1' नाम का एडवांस यूएवी तैयार किया है।

यह ड्रोन आधुनिक युद्ध की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है, जो निगरानी के साथ-साथ सटीक हमले करने में सक्षम है। इस ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी 500 किलोमीटर तक की रेंज, करीब पांच घंटे की उड़ान क्षमता और एआई आधारित टारगेटिंग सिस्टम है। यह 10 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है और लगभग 15 किलोग्राम पेलोड के साथ लक्ष्य को भेद सकता है। कम लागत में तैयार यह ड्रोन विदेशी विकल्पों के मुकाबले ज्यादा किफायती बताया जा रहा है।

स्टार्टअप के संस्थापकों के अनुसार, प्रदेश सरकार की डिफेंस कॉरिडोर o स्टार्टअप नीति ने उन्हें तेजी से आगे बढ़ने का अवसर दिया है। कंपनी भारतीय सेना के लिए ड्रोन सप्लाई की दिशा में काम कर रही है और शुरुआती ऑर्डर भी प्राप्त कर चुकी है। आने वाले समय में 'दिव्यास्त्र एमके-2' पर काम चल रहा है, जिसकी रेंज 2000 किलोमीटर और पेलोड क्षमता 80 किलोग्राम तक होने की संभावना है।

एक नहीं, पूरा ड्रोन इकोसिस्टम तैयार

कंपनी केवल एक ड्रोन तक सीमित नहीं है, बल्कि निगरानी, सप्लाई और स्ट्राइक के लिए अलग-अलग यूएवी विकसित कर रही है। इसमें ' 'आंख' ' सर्विलांस ड्रोन, ' 'बाज' ' पेलोड ड्रोन, बम गिराने वाले ड्रोन, विटीओएल यूएवी और डिकॉय ड्रोन शामिल हैं, जो दुश्मन को भ्रमित करने में सक्षम हैं।

- 500 किमी रेंज, एआई टारगेटिंग व कम लागत से सेना को मिलेगी बढ़त

रोजगार और टेक्नोलॉजी का नया केंद्र बन रहा यूपी

डिफेंस कॉरिडोर और स्टार्टअप नीति के चलते प्रदेश में युवाओं को हाई-टेक सेक्टर में अवसर मिल रहे हैं। नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा और यूपी देश के डिफेंस उत्पादन में अहम भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

परिवहन विभाग में छह एआरटीओ के तबादले

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने परिवहन विभाग में छह सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों (एआरटीओ) को विभिन्न जिलों में नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इस संबंध में सोमवार को विशेष सचिव खेमपाल सिंह द्वारा आदेश जारी किया गया है। परिवहन विभाग के अनुभाग-तीन से जारी आदेश के अनुसार, अजीत सिंह को जौनपुर में एआरटीओ (प्रशासन) बनाया गया है। वहीं अकांक्षा सिंह पटेल को गाजियाबाद में एआरटीओ प्रशासन तृतीय दल की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा संजय कुमार सिंह को सिद्धार्थनगर, सुशील कुमार को बहराइच और वीरेन्द्र प्रताप यादव को चित्रकूट में एआरटीओ नियुक्त किया गया है। मुख्यालय में तैनात प्रेम सिंह को फिरोजाबाद में अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

राजस्व संग्रह 10,228 करोड़ बढ़ा

वित्त मंत्री बोले- जीएसटी, स्टाम्प, परिवहन और खनन से प्रदेश की आय में आया बड़ा उछाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मार्च में 26,193 करोड़ की वसूली, पूरे वर्ष में 2.23 लाख रुपये करोड़ पार

अमृत विचारः प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूती की नई ऊंचाइयों को छू रही है, जिसका स्पष्ट असर प्रदेश के राजस्व आंकड़ों में दिखाई दे रहा है। वित्तीय अनुशासन, प्रभावी नीतियों और सुदृढ़ प्रशासनिक प्रबंधन के चलते न सिर्फ मार्च 2026 में राजस्व संग्रह में 1020 करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, बल्कि पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10,228 करोड़ का रिकॉर्ड इजाफा हुआ है।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर ताजा आंकड़े जारी करते हुए बताया कि कर एवं करेत्तर राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है, जो न केवल आर्थिक मजबूती का संकेत है बल्कि विकास कार्यों को गति देने के लिए भी सरकार को अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध करा रही है। ताजा आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि राज्य अब 35,000 करोड़ से अधिक के रेवेन्यू सरप्लस के साथ देश के अग्रणी वित्तीय रूप से सुदृढ़ राज्यों में शामिल हो चुका है।

वित्त मंत्री ने बताया कि मार्च 2025 के मुकाबले मार्च 2026 में प्रदेश के मुख्य कर एवं करेत्तर राजस्व में 1020.53 करोड़ की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के मार्च माह में कु 26,193.56 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि पिछले वर्ष मार्च 2025 में यह 25,173.03 करोड़ था। वहीं दूसरी तरफ, पूरे वित्तीय वर्ष 2025-26 की बात करें तो मार्च तक प्रदेश को कुल 2,23,060.18 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 2,12,832.08 करोड़ के मुकाबले 10,228.10 करोड़ अधिक है।

वित्त मंत्री ने बताया कि प्रदेश "रेवेन्यू सरप्लस स्टेट" की स्थिति में है और राज्य के पास 35,000 करोड़ से अधिक का अधिशेष उपलब्ध है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मूल बजट का लगभग 81% व्यय किया जा चुका है, जो बेहतर वित्तीय प्रबंधन का संकेत है। उन्होंने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे अपनी कार्य योजना को शीघ्र अंतिम रूप दें, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके और प्रदेश की आर्थिक प्रगति को और तेज किया जा सके।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुनूनी बनना जरूरी : किरण बेदी

शबाहत हुसैन विजेता, लखनऊ

अमृत विचारः देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी किरण बेदी की पहचान उनके कई रूपों से है। वो प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी। आम आदमी पार्टी के साथ उन्होंने राजनीतिक सफ़र शुरू किया। भाजपा ने उन्हें दिल्ली में मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश किया। वो पुडुचेरी की उप राज्यपाल रहीं। सोमवार को एक होटल में फिक्की फ्लो के कार्यक्रम में शामिल होने वह लखनऊ आईं तो 'अमृत विचार' से भी मुखातिब हुईं।

अपनी पढ़ाई के दौर से आज के दौर की तुलना करते हुए वो कहती हैं कि प्रगति ने बहुत लंबी दूरी तय कर ली है। अब अवसरों की कमी नहीं है, सुविधाएं बढ़ गई हैं। लड़कियों को चाहिए कि मां-बाप की परवरिश, शिक्षक से मिल रही शिक्षा और तकनीक का प्रयोग शिक्षा में करते हुए वह अगर अपने चरित्र निर्माण पर ध्यान दें तो वह अपने आप आगे बढ़ती चली जाएंगी। किरण बेदी से यह पूछने पर कि उन्हें अपना कौन सा रूप पसंद है, पुलिस अधिकारी वाला, भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करने वाला, विधानसभा चुनाव लड़ने वाला या फिर उप राज्यपाल वाला? सवाल सुनकर वो मुस्कुराईं। बोलीं हर रूप पर ईश्वर का धन्यवाद। मैंने कोई रूप नहीं बदला। जब जिस रूप में चुनौती महसूस हुई उसे अपनाया। मेरा लक्ष्य सेवा भाव रहा और कुर्बानी के स्तर तक जाकर अपने

फिक्की फ्लो के कार्यक्रम में महिलाओं के साथ पूर्व आईपीएस किरण बेदी। अमृत विचार

लक्ष्य को हासिल किया। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुनूनी बनना जरूरी। वह जुनून ही था जिसके कारण मैं समाज की बेहतर सेवा कुछ हद तक कर पाई।

बगैर मां-बाप के लड़कियों के घूमने का समय अब आ गया

- किरन बेदी से पूछा कि आपको डर लगता है? उन्होंने कहा कि अपराधियों से नहीं भगवान से डर लगता है। मैंने माहौल बदलते हुए देखा है। बगैर मां-बाप के लड़कियों के घूमने का समय आ गया है। काफी चीजें ठीक हुई हैं। अपराधियों को सजाएं मिलने लगी हैं। सजा समय से मिलने लग जाए तो सब कुछ ठीक हो जाए, फिर किसी को भी डर नहीं लगेगा। किरण बेदी की उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक, रेमन मैग्सेसे पुरस्कार और नेहरू फेलोशिप हासिल हुई।

फार्मर रजिस्ट्री के लिए 15 तक विशेष अभियान

अमृत विचार, लखनऊः प्रदेश में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने हेतु विशेष अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। यह अभियान 15 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में संचालित होगा, जिसके तहत प्रत्येक ग्राम सचिवालय में कैंप लगाकर किसानों का पंजीकरण कराया जाएगा। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि शिविरों के माध्यम से न केवल नए किसानों का पंजीकरण किया जाए, बल्कि नाम या अन्य विवरणों में त्रुटियों का भी मौके पर ही निस्तारण किया जाए। इस कार्य में ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव और लेखपालों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। लेखपालों को अपने क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत के कम से कम एक शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्रकारों को मान्यता के साथ कैशलेस इलाजः योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी पत्रकारों को एक समान व्यवस्था से जोड़ना सरकार का प्रयास

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके आश्रितों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ा जाएगा। इसके लिए उन्हें प्रमाणित मान्यता पत्र और पहचान पत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने साफ किया कि सरकार मूल्यों व आदर्शों पर आधारित पत्रकारिता के साथ है।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार पत्रकार अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए दूसरों की आवाज उठाते हैं, लेकिन जब वे स्वयं बीमार पड़ते हैं तो उनकी मदद के लिए कोई सामने नहीं आता। ऐसे में सरकार उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए ठोस व्यवस्था विकसित कर रही है। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके आश्रितों को एक व्यवस्थित तंत्र के तहत कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया जाएगा, जिससे उन्हें इलाज के दौरान आर्थिक बोझ का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बड़े मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों को अपेक्षाकृत कम दिक्कत होती है, लेकिन स्वतंत्र या छोटे समूहों से जुड़े पत्रकारों का एक बड़ा वर्ग है, जिन्हें ऐसी सुविधाओं की अधिक आवश्यकता है।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेष के दर्शन कर धन्य हो गए श्रद्धालु

बरेली के बाबा श्री त्रिवटीनाथ मंदिर में श्री सोमनाथ मूल ज्योतिर्लिंग दर्शन अवशेष सहस्त्रों का अभिषेक करते स्वामी भव्य तेज।

संवाददाता, बरेली

- आर्ट ऑफ लिविंग परिवार द्वारा त्रिवटी नाथ मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन

अमृत विचारः प्राचीन त्रिवटी नाथ मंदिर के श्री सत्संग भवन में सोमवार को आध्यात्मिक कार्यक्रम में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेषों के दर्शन कर शहरवासी आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति भाव से सराबोर हो गए। श्रद्धालुओं ने ज्योतिर्लिंग अवशेषों के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

आर्ट ऑफ लिविंग परिवार बरेली की ओर से त्रिवटी नाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम के स्वामी भव्य तेज सोमवार सुबह करीब 9.45 बजे सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेष लेकर पहुंचे। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव, सोमनाथ महादेव की जय-जय कार से गुंजायमान हो उठा। नाथ नगरी जलाभिषेक समिति, बाबा महाकाल समिति और बाबा गिरीराज सेवा समिति के पदाधिकारियों ने ढोल नगाड़ों से स्वामी भव्य तेज का स्वागत किया। इसके बाद आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के पार्थो कुनार, श्वेता कुनार, सौरभ मेहरोत्रा आदि स्वामी भव्य तेज को लेकर शिवालय पहुंचे और त्रिवटीनाथ मंदिर के दर्शन कराए। रामालय में सीताराम, राधा कृष्ण के दर्शन करने के बाद स्वामी भव्य तेज कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेषों को पूजा थाल में रखा। मंत्रोच्चारण कर पूजा अर्चना संपन्न की। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेष के दर्शन करने के यह ऐसे पल थे, जिसे देखने के लिए हर कोई लालायित नजर आया।

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर के मार्गदर्शन में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेषों को देशभर में दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है। वीडीएस कोआर्डिनेटर श्वेता कुनार ने बताया कि यह ऐतिहासिक आयोजन 1000 वर्षों की तपस्या, भक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। यह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है।

स्वामी भव्य तेज के स्वागत के दौरान लहरातीं धर्मध्वजाएं।

ट्रैक्टर की टक्कर से साइकिल सवार किशोरी की थमीं सांसें

बुखार से पीड़ित थी किशोरी, भाई के साथ डाक्टर के पास जा रही थी, दिवैर की मड़ैया का मामला

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः सट्टी थाना क्षेत्र के दिवैर की मड़ैया गांव में बुखार से पीड़ित एक किशोरी को सोमवार को उसका भाई साइकिल से इलाज हेतु डाक्टर के पास लिए जा रहा था। तभी रास्ते में एक ट्रैक्टर ने साइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में किशोरी की मौके पर मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम हेतु भेजा है।

क्षेत्र के दिवैर की मड़ैया गांव निवासी विजय शंकर की छह वर्ष की पुत्री भारती उर्फ मोना को कई दिन से बुखार से पीड़ित चल रही थी। सोमवार की शाम करीब चार बजे पिता साइकिल से इलाज के लिए ले जा रहा था। दिवैर गांव के समीप मोड़ पर एक कटर ट्रैक्टर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में किशोरी की मौके पर मौत हो गयी। गांव खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मां लीलावती का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है। सट्टी थानाध्यक्ष कालीचरन ने बताया कि ट्रैक्टर को कब्जे लिया गया है।

पुलिस कब्जे में खड़ा ट्रैक्टर।

खड्डे में पड़ा ट्रक व मौके पर मौजूद पुलिस व लोग। अमृत विचार

खड्डे में गिरा बेकाबू ट्रक, बाल-बाल बची चालक की जान

शिवली : कानपुर से सीमेंट लेकर रूरा जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर सोमवार की सुबह खड्डु में जा गिरा। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस व ग्रामीणों की मदद से ट्रक में फंसे चालक को सकुशल बाहर निकाल लिया। इससे चालक की जान बच गई। शिवली क्षेत्र के मलिकपुर गांव के सामने सोमवार की सुबह लगभग साढ़े आठ बजे घंटाघर कानपुर से सात सौ बोरी सीमेंट लेकर रूरा जा रहे धूलभूल थाना सचेंडी कानपुर नगर निवासी ट्रक चालक दिलीप अचानक अनियंत्रित हो गया। उसकी गाड़ी रोड़ के किनारे खड्डु में जा गिरी। इससे कुछ देर के लिए सनसनी फैल गई और काफी संख्या में भीड़ इकट्ठा हो गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे बाघपुर चौकी प्रभारी योगेश शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और ट्रक में फंसे चालक को ग्रामीणों की मदद से सकुशल बाहर निकाला। इससे ट्रक चालक ने राहत की सांस ली। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि सीमेंट से लदा ट्रक पलट गया था चालक को सकुशल बाहर निकाल लिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

स्वीकृत मात्रा से अधिक किया खनन हुआ जुर्माना

कानपुर देहात। खनन अधिकारी ने बताया कि खनिज अनुभाग कानपुर देहात के विभागीय पोर्टल पर साधारण मिट्टी खनन के लाइसेंस हेतु प्राप्त ऑनलाइन आवेदन के क्रम में तहसील भोगनीपुर के अंतर्गत ग्राम दिबैर में इस वर्ष 12 फरवरी से 12 अप्रैल तक स्वीकृत मात्रा 9000 घनमीटर प्रेमाकुमारी पत्नी वीरेन्द्र कुमार निवासी ग्राम वीरबल अकबरपुर कछार जनपद कानपुर नगर के पक्ष में साधारण मिट्टी खनन अनुज्ञा नियमानुसार स्वीकृत है। राजस्व व खनिज विभाग की संयुक्त जांच टीम ने 29मार्च को जांच में पाया गया कि स्वीकृत मात्रा 9000 घनमीटर के सापेक्ष कुल 14207 .73 घनमीटर का खनन कर परिवहन किया गया। इस प्रकार लाइसेंस द्वारा स्वीकृत मात्रा से 5208 घनमीटर अधिक साधारण मिट्टी का अवैध खनन और परिवहन किया गया। स्वीकृत मात्रा से अधिक मिट्टी निकासी एवं मानको के उल्लंघन करने पर कुल अर्थदंड की धनराशि 3,10,400 आरोपित किए जाने की कार्रवाई की गई है। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह मार्च 2026 तक खनन विभाग द्वारा 4261 लाख की राजस्व प्राप्त की गई है, जो विगत वित्तीय वर्ष 2024-25 में माह मार्च तक प्राप्त राजस्व 3639 लाख से रुपये 632 लाख अधिक है।

बिजली के तारों में स्पार्किंग के बाद लगी आग, झुलसी फसल

सिकंदरा : सिकंदरा तहसील क्षेत्र के करियापुर गांव के खेतों से निकले बिजली के तारों में स्पार्किंग से सोमवार की दोपहर खेतों में आग लग गई। करीब सात बीघा गेहूं की फसल राख हो गई। दूसरी तरफ, गजनेर के गांव बिल्टी में भी आग से करीब दो बीघे गेहूं की फसल खाक हो गई। करियापुर की सरोजनी देवी पत्नी जिराखन, उदय राज पुत्र धनीराम, राम सिंह पुत्र प्रयाग नारायण, जगराम सिंह पुत्र बालक राम, फूल सिंह पुत्र लालजी , नंदकिशोर पुत्र सोनेलाल, विनोद कुमार पुत्र सोनेलाल, राम जानकी पत्नी रामसेवक, महाराज सिंह पुत्र दर्शन, यदुनाथ सिंह पुत्र प्यारेलाल, निर्मल सिंह पुत्र चेतराम, अयोध्या प्रसाद पुत्र गणपत, अशोक कुमार पुत्र गणपत, देवेंद्र कुमार पुत्र राम अवतार, अवधेश कुमार पुत्र मुन्नीलाल, रामबाबू पुत्र गया प्रसाद सहित किसानों की गेहूं की 7 बीघा फसल जल गई है। अमराहट थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि मौके स्थानीय किसानो ने हरी झाडियों से खेतो मे लगी आग को बुझाने का भरसक प्रयास किया। इसी दौरान पहुची फायर बिग्रेड के कर्मचारियो ने आग को बुझा दिया। किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। तहसीलदार राकेश चंद्रा ने बताया कि राजस्व विभाग की टीम को मौके पर भेज दिया गया है उनकी रिपोर्ट के आधार पर पीडित किसानो को मुआवजा दिलाया जाएगा। उधर, बिल्टी गांव में लगी आग से हड़कंप मचा।

डीएम ने कलेक्ट्रेट में की जनसुनवाई जारी किए निर्देश

कानपुर देहात। सोमवार को जिलाधिकारी कपिल सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई की गई। इस दौरान उन्होंने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना तथा प्रत्येक प्रकरण के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए, जिससे जनसामान्य का प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पोर्टल की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि पोर्टल पर प्राप्त किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए। सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप प्रभावी समाधान हो सके।

हाफ एनकाउंटर के बाद पुलिस के हाथ लगा शातिर आरोपी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः भोगनीपुर कोतवाली पुलिस ने 25हजार के ईनामी बदमाश को हाफ एनकाउंटर के बाद धर दबोचा। पकड़ा गया बदमाश शातिर है। उस पर तीन जिलों के कई थानों में करीब डेढ़ दर्जन मुकदमे विचारधीन हैं। उसके कब्जे से तमंचा और कारतूस के अलावा करीब साढ़े 12 हजार रुपये की नकदी भी बरामद हुई है।

थाना भोगनीपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। पता चला कि मोटर साइकिल पर सवार संदिग्ध व्यक्ति गौराडाडा तिराहे से कुछ आगे किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में हैं। इस पर चेकिंग शुरू कराई गई। इस दौरान एक सफेद काली रंग की अपाचे मोटर साइकिल सवार दो व्यक्ति आते दिखे। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो वह भागने लगे। इसी कोशिश में उनकी मोटर साइकिल स्लिप हुई और सड़क पर गिर गई। फंसता देख बाइक सवार व्यक्तियों द्वारा पुलिस पर फायरिंग की गई। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोली चला दी। एक आरोपी के पैर में गोली जा धंसी। उसे पकड़ लिया गया। दूसरा साथी भौगोलिक स्थिति व रात के अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। पुलिस के मुताबिक पकडे गए व्यक्ति ने पूछतांछ में अपना नाम सुल्तान पुत्र पीर मोहम्मद बताया। वह सोलह बीघा नैथानी बिल्डिंग के पास गंगापार थाना गंगाघाट जनपद उन्नाव का रहने वाला है। भागे हुए व्यक्ति का नाम रिजवान अत्ता उर्फ पहलवान पुत्र मोहम्मद वकील बताया गया है। वह सीपीसी माल गोदाम के पास कलक्टरगंज थाना कलक्टरगंज जनपद कानपुर नगर का निवासी है। सुल्तान के एक तमंचा, 2 खोखा कारतूस व दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। मोबाइल फोन और कुछ धातु के टुकड़े भी मिले हैं। पुलिस ने बताया कि सुल्तान के खिलाफ कानपुर नगर,देहात और उन्नाव जिलों के अलग-अलग थानों में डेढ़ दर्जन के करीब मुकदमे लिखे जा चुके हैं।

पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया सुल्तान।

चार दर्जन से अधिक लोगों का परीक्षण

कानपुर देहातः सोमवार को अकबरपुर के बड़े चौराहे पर देवद्वार के पास निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर लगा। सामाजिक संस्था सोसाइटी फॉर इक्विटेबल वॉलेंट्री एक्टिविटी सेवा संस्था द्वारा आयोजित इस कैंप में चार दर्जन से अधिक नेत्र रोगी पहुंचे। उनकी आंखों की जांच की गई। उचित परामर्श दिया गया। संस्था की प्रमुख कंचन मिश्रा ने बताया कि शिविर में 50 से अधिक नेत्र मरीजों का परिक्षण हुआ। इसमें 10 लोगों का मोतियाबिंद चिन्हित हुआ। हालांकि शुरूआती परीक्षणों में उनमें से कुछ शुगर और बीपी के मरीज निकले। शिविर में वरिष्ठ नेत्र चिकित्सिक डॉ. अवध दुबे व डॉ. आशुतोष त्रिपाठी ने मरीजों का परीक्षण किया। उनके सहयोगी सचिन और अभिषेक ने मरीजों का विजन आदि किया।

कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किए गए लोकतंत्र सेनानी व वरिष्ठ कार्यकर्ता।

भाजपा ने राजनीति में मजबूत किया आम लोगों का भरोसा

कानपुर देहात। सोमवार को भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला और जिला प्रभारी अशोक राजपूत सहित बड़ी संख्या में नेताओं-कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभी ने महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र सेनानियों का अंग वस्त्र पहनकर स्वागत किया गया। संबोधन में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए कृतसंकल्प है। भारत को एक समर्थ राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ भाजपा का गठन 6 अप्रैल, 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया, जिसके प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी निर्वाचित हुए। राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का गठन 6 अप्रैल, 1980 को हुआ, लेकिन इसका इतिहास भारतीय जनसंघ से जुड़ा हुआ है। मुख्य अतिथि राजेश सचान ने कहा कि दो सांसदों की पार्टी 303 तक पहुंच कर अपने सिद्धांतों को प्रतिपादित कर दिया।

पीएम ने भेजी बधाई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' के लिए कानपुर देहात से संतोष प्रताप सिंह को अपने हस्ताक्षर के सहित बधाई भेजा गया। इस पर नेताओं ने अंग वस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। जिलाध्यक्ष रेणुका सचान, विधायक पूनम संखवार, राजेंद्र सिंह चौहान, महामंत्री व कार्यक्रम संयोजक सत्यम सिंह चौहान, बबलू शुक्ला रहे।

न्यूज ब्रीफ

फैक्ट्री कर्मी के साथ मारपीट, गंभीर

चौबेपुर। कानपुर देहात के ग्राम रामनरुआ, थाना रसूलाबाद निवासी सुनील ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि वह क्षेत्र स्थित एक डिटर्जेंट फैक्ट्री में कार्य करता है। बीती 20 मार्च की रात करीब 9:00 बजे नाइट ड्यूटी समाप्ति के बाद वह बाइक द्वारा घर लौट रहा था। तभी तमसहा गांव के सामने हाईवे की सर्विस लेन पर पहले से मौजूद कन्धई, गुलजारी, चांदनी व दो अन्य अज्ञात लोगों ने उस पर हमला बोल दिया, जिससे उसकी हालत गंभीर है।

ठेकेदार पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

चौबेपुर। थाना शिवली, कानपुर देहात निवासी पीड़ित महिला ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि वह क्षेत्र स्थित एक डिटर्जेंट फैक्ट्री में काम करती है। फैक्ट्री का ठेकेदार शेखर शुक्ला उसके साथ आए दिन छेड़छाड़ करता है। बताया कि फैक्ट्री प्रबंधतंत्र के लोग भी उसकी परेशानी न सुनकर ठेकेदार का ही साथ देते हैं। बीते दिन भी ठेकेदार की हरकत से तंग आकर जब उसने विरोध जताया, तो ठेकेदार ने उसे फैक्ट्री के कार्य से उसे बाहर निकाल दिया। महिला ने फैक्ट्री में ड्यूटी पर वापस लेने की मांग कर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

छोटे भाई ने बड़े को पीटा, रिपोर्ट दर्ज

शिवराजपुर। थाना क्षेत्र के गौरन नेवादा गांव निवासी राजन सिंह पुत्र झब्बू सिंह ने थाने में तहरीर देकर मारपीट के मामले में छोटे भाई के ऊपर मुकदमा दर्ज कराया है। राजन सिंह ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 3 अप्रैल की देर शाम छोटा भाई नारेंद्र नशे की हालत में मेरे घर आया और गाली गलौज करने लगा गाली गलौज का विरोध करने पर लाठी डंडों से मेरे ऊपर प्रहार कर दिया, जिससे मेरे शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। इस मामले में थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि मारपीट के मामले में तहरीर के बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

स्मार्ट मीटर का कमाल, दो दिन में आया हजारों का बिल

24 से 48 घंटों के भीतर ही मीटर दर्शा रहे हजारों रुपये का बिल, लोगों ने किया प्रदर्शन

अभय प्रताप सिंह बिल्हौर

प्रदर्शन करते ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। बिल्हौर क्षेत्र में बिजली विभाग द्वारा लगाए जा रहे नए स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए राहत के बजाय आफत बन गए हैं। वैष्णो नगर और लक्ष्मीबाई नगर समेत कई मोहल्लों में स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली को लेकर जनता में भारी उबाल है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि सामान्य बिजली खपत के बावजूद महज 24 से 48 घंटों के भीतर, मीटर हजारों रुपये का बिल दर्शा रहे हैं।

सोमवार को आक्रोशित दर्जनों महिलाओं और पुरुषों ने बिजलीघर का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रही लक्ष्मीबाई नगर की राधा देवी ने बताया कि मैंने 4 अप्रैल को ही 4,500 रुपये का बकाया बिल जमा किया था। इसके बावजूद अगले ही दिन खाते में 4,200 रुपये का अतिरिक्त बकाया दिखाकर बिजली काट दी गई। जब उन्होंने इस संबंध में कर्मचारियों से बात की तो उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं दिया।

वहीं शिकायत लेकर पहुंचे गोविंद प्रसाद, माधुरी दिवाकर और यूनुस अली समेत अन्य उपभोक्ताओं ने बताया कि सामान्य उपयोग के बाद भी बिल 4 से 5 हजार रुपये तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि मीटर रीचार्ज करते ही कुछ घंटों में बैलेंस शून्य या माइनस में चला जाता है। उपभोक्ता यह समझ नहीं पा रहे हैं कि बिजली की खपत यूनिट के आधार पर हो रही है या कोई तकनीकी गड़बड़ी है। शहर के साथ-साथ सुभानपुर गांव के ग्रामीण भी इस समस्या से त्रस्त हैं।

अब अनिवार्य नहीं होगा स्मार्ट मीटर: बिजली विभाग के सूत्रों की माने तो आने वाले समय में स्मार्ट मीटर के लिए ग्राहक को अनिवार्यता नहीं लागू होगी। सोमवार को ही प्रदेश सरकार के द्वारा जारी किए गए एक नोटिफिकेशन में बताया गया कि पहले सभी बिजली उपभोक्ताओं का सामान्य मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगाए जाने थे लेकिन इनमें आ रही दिक्कतों के बाद अब उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर लगाए जाने की अनिवार्यता नहीं रहेगी हालांकि इस प्रक्रिया को लागू होने में या घोषणा होने में कुछ समय लग सकता है लेकिन इससे एक बात स्पष्ट हो गई है की तमाम ग्राहकों को स्मार्ट मीटर की जो दिक्कत आ रही थी उससे छुटकारा मिल सकेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, कोहराम

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। बिहूपुर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देने के साथ फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के बिहूपुर गांव निवासी संजय सोनकर की 35 वर्षीय पत्नी सीता देवी की सोमवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जानकारी मिलने पर साढ थाना क्षेत्र के पासीखेड़ा से मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ससुरालीजनों पर महिला की हत्या किए जाने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा काटा। मायके पक्ष के मुताबिक महिला की 19 साल पहले शादी हुई थी। हंगामा की सूचना मिलते घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव मौके पर पहुंचे, उन्होंने परिजनो को दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की गई जान

घाटमपुर। रविवार देर रात हादसे में युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश उर्फ छोटू (22) पुत्र श्याम बाबू, निवासी गुजैनी, कानपुर के रूप में हुई है। वह बचपन से ही अपने मामा कलिका प्रसाद के साथ टेनापुर में रह रहा था। परिजनों के अनुसार राजेश रविवार देर रात से घर से लापता था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे गांव के कुछ लोग जब रेलवे ट्रैक के पास पहुंचे तो उन्होंने युवक का शव पड़ा देखा।

40 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र के कोरियां और डेबरी गांव के बीच सोमवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब खेतों के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्टेज लाइन से निकली चिंगारी ने गेहूं की खड़ी फसल को आग के हवाले कर दिया।

आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लगभग 40 बीघा गेहूं की फसल इसकी चपेट में आकर पूरी तरह जलकर राख हो गई। हालांकि, ग्रामीणों ने सूझबूझ और हिम्मत का परिचय देते हुए बिना समय गंवाए आग बुझाने का मोर्चा संभाल लिया। बाल्टियों, ट्रैक्टरों, पानी और मिट्टी की मदद से घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। यदि समय रहते प्रयास नहीं किया जाता, तो नुकसान और भी बड़ा हो सकता था। इस अग्निकांड में कोरियां निवासी श्याम जी शुक्ला की करीब 20 बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह जल गई, जबकि डेबरी गांव के डॉ. श्याम सुंदर वर्मा की 10 बीघा फसल भी आग की चपेट में आ गई।

ईपीएफ भुगतान को लेकर रोजगार सेवकों ने खोला मोर्चा

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। विकास खंड ककवन के मनरेगा में कार्यरत रोजगार सेवकों ने अपने भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को रोजगार सेवकों ने अपनी मांगों को लेकर कार्यक्रम अधिकारी/खंड विकास अधिकारी को एक मांग पत्र सौंपा।

रोजगार सेवकों का आरोप है कि मनरेगा के तहत कार्यरत कर्मचारियों का अब तक का ईपीएफ पैसा ब्लॉक के होल्डिंग अकाउंट में जमा है। उन्होंने मांग की है कि होल्डिंग अकाउंट में रुके हुए पैसे को तत्काल सभी रोजगार सेवकों के यूएएन खातों में स्थानांतरित किया जाए और लंबित पड़े पिछले ईपीएफ का भुगतान जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए। रोजगार सेवकों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान समय से नहीं होता है, तो वे 7 अप्रैल 2026 से कार्य का पूर्ण बहिष्कार करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक कोई भी रोजगार सेवक कार्य पर नहीं लौटेगा। इस मौके पर विपिन कुमार, रामप्रताप सिंह, संजय यादव, शीलू पाल, रजनी सिंह, जयवीर समेत अन्य कई रोजगार सेवक उपस्थित रहे और अपने हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन अधिकारी को सौंपा।

जारी रहेंगे विकास कार्य : अवस्थी

संवाददाता, बिठूर

इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण करतीं अनुराधा अवस्थी। अमृत विचार

अमृत विचार। कल्याणपुर ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत गढ़ी में डामर रोड से राम जीवन के घर तक लगभग 110 मीटर इंटरलॉकिंग रोड का उद्घाटन क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष अनुराधा अवस्थी के द्वारा किया गया। इस दौरान तमाम क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

इंटरलॉकिंग रोड के उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष अनुराधा अवस्थी ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्य होते रहेंगे। रोड के बनने से ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी नजर आई। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा नेता दिनेश अवस्थी, पूर्व प्रधान रामाश्रय पासवान, मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, योगेंद्र पांडे, सोनी गौतम, बृजेंद्र सिंह, जयकरण सिंह, पूजा पांडे, शीलू सिंह, सत्य प्रकाश कुरील कुसमा वर्मा, भोला सिंह तमाम लोग मौजूद रहे। वहीं इस कार्यक्रम में भाजपा का स्थापना दिवस भी मनाया गया। इस अवसर पर दिव्यांग जनों व बुजुर्गों का सम्मान क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष अनुराधा अवस्थी के द्वारा किया गया। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

- भाजपा स्थापना दिवस पर दिव्यांगों और वृद्धों को किया गया सम्मानित

फसलों के नुकसान पर प्रशासन ने शुरू किया सर्वे

संवाददाता, बिल्हौर

किसानों से बातचीत करते अधिकारी।

अमृत विचार। क्षेत्र में शनिवार और रविवार को हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। बारिश के कारण फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए सोमवार को तहसील प्रशासन की टीमें धरातल पर उतरीं।

उप जिलाधिकारी संजीव कुमार दीक्षित समेत राजस्व विभाग के अधिकारियों ने प्रभावित गांवों का दौरा कर फसलों की स्थिति देखी और किसानों से संवाद किया। सोमवार को एसडीएम संजीव कुमार दीक्षित ने ककवन ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा किया। उन्होंने खेतों में जाकर जलभराव और गिरी हुई फसलों का बारीकी से निरीक्षण किया। वहीं, चौबेपुर और शिवराजपुर क्षेत्र में तहसीलदार अनुभव चंद्र और नायब तहसीलदार दिव्या की अगुवाई में राजस्व कर्मियों ने सर्वे किया।

Largest Diagnostics Center in U.P.

विश्व स्वास्थ्य दिवस 7th APRIL

पालीवाल डायग्नोस्टिक्स (प्रा.) लि. | सहयोग डॉ. लाल पैथलैब्स

24 घंटे लैब सेवा

29 साल से अधिक आपका विश्वसनीय हेल्थ मित्र

29 स्वर्णिम वर्ष 1997-2026

पालीवाल
डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड

मुख्य लैब : 117/एच–1/02, पाण्डु नगर, जे.के. मन्दिर के सामने, कानपुर–05
फोन : 0512-2335500, 2235821, 2232962

विश्वस्तरीय क्वालिटी-आकर्षक दरों पर किफायती स्वास्थ्य परीक्षण

NABL & ISO CERTIFIED LAB

24 उत्कृष्ट लैब्स | 250+ कलेक्शन सेंटर्स | 270 + पिकअप पॉइंट्स | 10 लाख कुल पेशेंट प्रतिवर्ष (2024-25) में

A Healthy family is a happy family

COMPREHENSIVE TEST PACKAGES FOR DIABETES & HEART

Select from our Swasth Fit™ Preventive Healthcare Packages

Test Name	Swasth Fit SUPER 1	Swasth Fit SUPER 2	Swasth Fit SUPER 3	Swasth Fit SUPER 4	Swasth Fit COMPLETE
Sugar Choice NEW	✓	✓	✓	✓	✓
Thyroid Profile Free NEW	✓	✓	✓	✓	✓
Lipid Profile Basic NEW	✓	✓	✓	✓	✓
LFT & KFT	✓	✓	✓	✓	✓
HbA1C		✓		✓	✓
Vitamin-D			✓	✓	✓
Vitamin-B12			✓	✓	✓
Urine Routine					✓
Hemogram					✓
CBC		✓		✓	
Iron Studies					✓
Apo A1 & B					✓
Amylase					✓
HsCRP					✓
Price	₹1,250	₹1,550	₹2,250	₹2,550	₹5,200

हमारे विभिन्न किफायती हेल्थ पैकेजेस में से आज ही चुनें, अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाईन नं. पर संपर्क करें।

होम कलेक्शन / हेल्पलाईन नं.
9305028499, 7311130006, 9336843141
customercare.pdpl@lalpathlabs.com
www.paliwaldiagnostics.in

सुविधाएं — सभी जाँचें एक छत के नीचे
- सी.टी. स्कैन
- पैथोलॉजी
- ओ.पी.जी.
- एक्सरे (डिजिटल)
- कलर डॉप्लर
- इको कार्डियोग्राफी
- आई एण्ड ईयर
- अल्ट्रासाउण्ड
- ऑडियोमेट्री
- टी.एम.टी.
- ई.ई.जी.
- पी.एफ.टी.

मुख्य शाखा लैब परख डायग्नोस्टिक सेन्टर
सी.टी. स्कैन, एक्सरे, अल्ट्रासाउन्ड व सभी पैथोलॉजी जाँचें
37/17 वेस्टकॉट बिल्डिंग कैम्पस, द मॉल, कानपुर
फो.: 0512-2363605, 2304005, 9919406571

साउथ ब्रान्च
मातृ छाया बिल्डिंग
621/37, W-2 बर्रा
निकट सचान गेस्ट हाउस
फोन: 9335093357, 9838900770

ADVERTISEMENT

समाज के स्वास्थ्य हेतु समर्पित 29 साल

डॉ. उमेश पालीवाल
डायरेक्टर

जीवन की सबसे अनमोल चीज हैं 'खुशियां और सेहत'। इन दोनों ही चीजों को संभालकर रखना बेहद मुश्किल काम है। आज की भागमभाग जिंदगी में दिन–रात मशीन की तरह काम करके इंसान परिवार के लिए छोटी–छोटी खुशियां तो जुटा लेता है, लेकिन इस बीच अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पाता है। पिछले 29 वर्षों से 'पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्रा. लि.' को समाज की सेहत की जिम्मेदारी को काफी हद तक बखूबी से निभाने का सौभाग्य मिला है महंगी होती चिकित्सा सेवाओं के दौर में भी पालीवाल डायग्नोस्टिक्स स्वस्थ समाज के महत्व को ध्यान में रखते हुए आम आदमी के बजट में उच्च कोटि की डायग्नोस्टिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रतिदिन 24 घंटे उपलब्ध करा रही है।

29 वर्ष, 24 लैब, 250+ कलेक्शन सेंटर व 270+ पिकअप पॉइंट्स के साथ सभी प्रकार की जाँचें :

एक छत के नीचे अधिकतर जाँचों की उच्च श्रेणी की बेहतर सुविधा दी जा सके, इसलिए डॉ. मृदुला पालीवाल आरआईए लैब की स्थापना के पहले भाभा एटॉमिक सेंटर, मुंबई प्रशिक्षण लेने गयीं और ऐसी जाँचों के लिए शहर की पहली लैब की स्थापना की। इसके बाद प्रदेश में पहली बार पूर्णतः ऑटोमेटिक केमिल्यूमिनीसेंस तकनीक वाली मशीन लगायी गई। इसी प्रकार कई मशीनें तथा तकनीक शहर व प्रदेश में पहली बार पालीवाल डायग्नोस्टिक में उपयोग की गई। रक्त पैथोलॉजी, बायोप्सी, साइटोलॉजी, मल, मूत्र, वीर्य, बलगम आदि की अधिकांश जाँचों के साथ एक्स–रे, अल्ट्रासाउंड, डॉप्लर, सीटी स्कैन, हृदय के लिए ईसीजी, टीएमटी, इकोकार्डियोग्राफी, दिमाग के लिए ईईजी, कान के लिए ऑडियोमेट्री, बेरा आदि एवं फेफड़े के लिए पीएफटी, आँखों के लिए विजन जांच, ओ.सी.टी. आदि जाँचों को एक ही जगह पर सभी सुविधाएं देने के उद्देश्य से अपनी नयी लैब जे.के. मंदिर के सामने, पांडु नगर में स्थापित कर शुरू की। इस प्रकार दूर– दराज के लोगों को घर के निकट गुणवत्तापूर्ण जाँच सुविधाएं कम समय व कम कीमत में उपलब्ध कराने हेतु पालीवाल डायग्नोस्टिक द्वारा कानपुर एवं अन्य जिलों में अब तक 24 लैब व 250 से अधिक कलेक्शन सेंटर व 270 से अधिक पिकअप पॉइंट्स स्थापित किए जा चुके हैं।

सम्पूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा : पहला सुख निरोगी काया' एवं 'हेल्थ इज वेल्थ' की कहावत का महत्व सभी को विदित है। भारतवासी हमेशा से सेहत के लिए बेहद सजग थे, लेकिन चिंता का विषय है कि विकसित देशों की जीवनशैली वाली बीमारियों जैसे हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर आदि ने अब भारत में भी अपने पैर पसार लिए हैं और भारत इन बीमारियों का विश्व में केंद्र बनता जा रहा है। अधिक उम्र में होने वाली ये बीमारियां अब कम उम्र में होने लगी हैं। अधिकतर लैबें केवल रक्त द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण करती है जबकि पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड में सभी अंगों के लिए लगभग सभी तरह के स्वास्थ्य परीक्षण उपलब्ध हैं, एक ही छत के नीचे डिजिटल एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, ई.सी.जी., टीएमटी., कार्डियक डॉप्लर तथा फेफड़े, आँख, कान, दिमाग, हड्डी आदि की जांचें उपलब्ध है। इनके द्वारा पूरे शरीर जैसे हृदय, किडनी, लिवर, थायरॉइड, फेफड़े तथा विटामिन, डायबिटीज, कैंसर आदि बीमारियों के बारे में पहले से पता लगाया जा सकता है। यह सभी जाँच काफी छूट पर (लागत दाम पर भी) सर्वसुलभ हैं।

सर्वोच्च गुणवत्ता हमारी प्राथमिकता: चिकित्सा क्षेत्र में जरा सी चूक बहुत भारी पड़ सकती है। कुछ वर्ष पहले तक डॉक्टर नाड़ी, आला, शारीरिक परीक्षण तथा मरीज की तकलीफ पूछकर ही अधिकतर बीमारियों की पहचान कर इलाज करते थे, परंतु आधुनिक युग में अनेक नयी बीमारियों के आने से नयी जाँचों द्वारा ही बीमारी का इलाज संभव है। जांचों की सहायता से इलाज का समय भी कम हो गया है तथा गंभीर बीमारियों में त्वरित निर्णय लेना भी संभव हुआ है। इन दिनों इलाज के लिए चिकित्सक जाँचों पर काफी कुछ निर्भर है। ऐसे में जाचों की गुणवत्ता भी बहुत जरूरी हो गई है, क्योंकि इसमें कमी होने पर इलाज में कमी रह सकती है और इलाज गलत भी हो सकता है। अतः प्रारंभ से ही पालीवाल डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने गुणवत्ता को निरंतर बढ़ाने तथा उसे बनाये रखने का पूरा प्रयास किया है। इसके लिए सभी क्वालिटी कंट्रोल जैसे इंटरनल क्वालिटी कंट्रोल, इंटरलैब क्वालिटी कंट्रोल तथा एक्सटरनल क्वालिटी कंट्रोल का उपयोग भली प्रकार किया गया है। बायोरेड जैसे विश्व के सर्वश्रेष्ठ एक्सटर्नल क्वालिटी कंट्रोल प्रोग्राम में भागीदारी भी प्रदेश में पहली बार पालीवाल डायग्नोस्टिक द्वारा की गई है, जिससे रिपोर्ट को लगातार क्वालिटी में विश्व की सर्वश्रेष्ठ लैबों के समकक्ष रखने में सहायता मिली। लैब ने अपनी गुणवत्ता के प्रमाणन व स्थायित्व के लिए काफी वर्ष पहले ही आईएसओ (ISO) तथा एनएबीएल (NABL) भी करा लिया था।

आजकल देखने में आया है कि कई ऐसी लैब भी खुल गई हैं, जो बिना मानक पूरे किये, पेशेवर रवैया न अपनाते हुए केवल व्यवसाय ही कर रही हैं। अतः जाँच कराने से पहले हमें यह परख लेना चाहिए कि लैब प्रमाणित हो, जैसे एनएबीएल (NABL) तथा पैथोलॉजिस्ट द्वारा ही चलायी जा रही हो अथवा पैथोलॉजिस्ट की पर्याप्त उपलब्धता हो।

डॉ. लाल पैथ लैब लिमिटेड से सहयोग: कम खर्च में अच्छी गुणवत्ता तथा शहर में ही अधिकांश जाँचों को करने के उद्देश्य से पालीवाल डायग्नोस्टिक प्रा.लि. ने देश की सबसे प्रतिष्ठित एवं सबसे बड़ी लाल पैथ लैब से साझा उपक्रम किया है, जिससे पालीवाल डायग्नोस्टिक तथा मरीजों को भी इसका लाभ मिला है। एवं इससे किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता का उद्देश्य पूरा करना आसान हुआ है। इसके अलावा आईटी के क्षेत्र में **आधुनिकीकरण से लैब को विस्तारित करने तथा मरीजों को घर पर ही कम समय में रिपोर्ट मिलना आसान हो गया।**

24 घंटे सेवा उपलब्ध : पालीवाल डायग्नोस्टिक्स निरंतर प्रतिदिन 24 घंटे समाज की सेवा के लिए उपलब्ध रहती है। हर समय उपलब्धता के कारण मरीजों को इससे बहुत फायदा मिला है, खासकर गंभीर मरीजों को इसका बहुत अधिक लाभ मिल रहा है, क्योंकि अधिकतर बीमारियों की गंभीरता की पहचान जांचों द्वारा समय पर ही हो जाती है। सामाजिक जिम्मेदारी के तहत रात्रि में या अर्जेंट रिपोर्ट में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त आपात स्थिति में भी शुल्क नहीं लिया जाता है।

सबके विश्वास से प्राप्त कर रहे हैं लक्ष्य: डॉ. उमेश व डॉ. मृदुला पालीवाल हमेशा यह मान कर जाँचें करते हैं कि उनकी अपनी या अपने प्रिय लोगों की जाँचें हो रही हैं अथवा उन्हें खुद इन्ही जाँचों के आधार पर मरीजों का इलाज करना है। इस प्रकार इलाज करने वाले चिकित्सकों को रिपोर्ट का पैटर्न व गुणवत्ता पसंद आयी तथा उनका एवं मरीजों का विश्वास बढ़ता गया। आप लोगों के शुभाशीष से 29 वर्षों से हर वर्ष कम्पनी ने प्रगति की व अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। विगत 8 वर्षों से कम्पनी भारत सरकार द्वारा सीएसआर कम्पनी के रूप में चिन्हित है और अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है और आगे भी करती रहेगी। ■■■

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
पालीवाल
डायग्नोस्टिक्स प्रा. लि.
पाण्डु नगर, जे.के. मन्दिर, कानपुर

जब तक हम स्वयं निरपराध न हों तब तक दूसरों पर कोई आक्षेप सफलतापूर्वक नहीं कर सकते।

-सरदार वल्लभ भाई पटेल

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर के प्रमुख समाचार

- 50 घंटे बिजली को तरसे नवीन नगर के लोग-II
- प्रीपेड मीटर से परेशानी पर चर्चा-III
- किडनी कांड का इन्फेक्शन मेडिकल कालेज तक-IV

कानपुर, मंगलवार,7 अप्रैल 2026

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

फूलबाग फल मंडी में लगी आग। अमृत विचार

आग बुझाते दमकल कर्मी।

केस्को-नगर निगम की गलती से गरीबों का आशियाना राख

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। फूलबाग फल मंडी में आग लगने के बाद घटनास्थल पर पहुंचे आर्य नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमिताभ वाजपेयी ने आरोप लगाया कि केस्को और नगर निगम की गलती से गरीबों का आशियाना राख हुआ है।

विधायक ने कहा कि नगर निगम ने फल और सब्जी मंडी को माल रोड से शिफ्ट करके हाईटेंशन लाइन के नीचे लगवा दिया था जबकि केस्को को कई बार लिखा गया कि यहां के पेड़ों की छंटाई कर दें लेकिन केस्को ने पेड़ की छंटाई नहीं कराई और हाईटेंशन लाइन के आपस में टकराने से इतनी बड़ी घटना हो गयी। विधायक ने प्रशासन से मांग की है कि नुकसान का आकलन करवाकर पीड़ित लोगों को तत्काल मुआवजा दिया जाए।

सिटी ब्रीफ

सीएसजेएमयू ने पूरी की जांच

कानपुर। सीएसजेएमयू में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के प्रयास के मामले में विश्वविद्यालय की आंतरिक कमेटी ने अपनी जांच पूरी कर ली है। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट कुलसचिव को सौंप दी है। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि आंतरिक कमेटी की रिपोर्ट पूरी हो चुकी है। अब किसी भी निर्णय से पहले पुलिस टीम की ओर से की जा रही जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जाएगा। विश्वविद्यालय की ओर से इस मामले में लिए गए जाने वाले निर्णय के लिए दोनों ही कमेटी की जांच रिपोर्ट को आधार बनाया जाएगा।

पूर्व छात्रों को जोड़ा जाएगा

कानपुर। सीएसजेएमयू व उससे संबंध सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों की सोमवार को राजभवन में बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। इस दौरान महाविद्यालयों को इस बार अधिक प्रवेश कराए जाने का आदेश कुलाधिपति की ओर से दिया गया। महाविद्यालयों में शिक्षकों की लगभग 30 फीसदी कमी का भी मुद्दा भी उठा। महाविद्यालयों में एआई और अन्य तकनीकी सुविधाओं को छात्रों तक पहुंचाने की भी योजना पर जोर दिया गया। तय किया गया कि इसके लिए सरकारी सहायता के साथ ही महाविद्यालय अपने संसाधन और खासतौर पूर्व छात्रों को जोड़कर उनसे आर्थिक सहायता ले सकेंगे।

फूलबाग की फल व सब्जी मंडी राख, सिलेंडर फटने से धमाके

आग से 20 से अधिक दुकानें और 30 से ज्यादा घरों की गृहस्थी जलकर खाक हो गई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। फूलबाग स्थित ओईएफ किला के पास लगने वाली फल-सब्जी मंडी में भीषण आग लग गई जिससे 20 से अधिक फल और सब्जी दुकानों के अतिरिक्त 30 से अधिक घरों की गृहस्थी जलकर खाक हो गयी। पीड़ित लोग बिलखते रहे।

सोमवार को ओईएफ के पास शाम 5.45 बजे फल मंडी में तीन दुकानों में भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई। 15 फिट ऊंची आग की लपटें देख माल रोड तक हड़कंप मच गया। देखते ही देखते वहां लगभग 30 घर भी आग की चपेट में आ गये क्योंकि ज्यादातर सब्जी और फल दुकानदारों ने मंडी के पास ही टट्टर लगाकर घर बना रखे थे। आग ने फल, सब्जी की दुकानों को राख कर दिया। कुछ ही पल में आग घरों तक पहुंच गयी।

घरों में कई गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से अफरातफरी मच गयी। घटना की जानकारी मिलते ही लाटूश रोड समेत कई फायर स्टेशनों की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया लेकिन तब तक पूरी मंडी जलकर राख हो गयी। आग कैसे लगी, ये जानकारी नही हो सकी है लेकिन प्रथम दृष्टया हाईटेंशन में शार्ट सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है।

रोते बिलखते पीड़ित। अमृत विचार

- ओईएफ किला के पास हाईटेंशन लाइन टकराने का शक

दुकानदार झुलसा सामान जला

- फूलबाग में आग बुझाने के चक्कर में एक सब्जी दुकानदार का हाथ झुलस गया जबकि एक परिवार बिलखता रहा क्योंकि उनके बेटी की शादी का पूरा दहेज का सामान जलकर राख हो गया।

घर और दुकान में लगी भीषण आग से लाखों का नुकसान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दुकान के कपड़े और गृहस्थी का सारा सामान हुआ खाक
- दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

अमृत विचार। किदवई नगर थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के सिलाई कारीगर की दुकान में शार्ट सर्किट आग लग गई। कपड़े लगी आग देखते ही देखते घर के गृहस्थी को चपेट मे ले लिया। जिससे लाखों का नुकसान हो गया। हादसे के वक्त परिवार वाले गांव गए थे। घर पर पास ही रहने वाला ममेरा भाई व उसके बहनोई सोए थे। गर्माहट व धुएं की घुटन से आंख खुलने पर आग उठती देख उसने यूपी 112 पर सूचना देने के बाद दोनों दूसरी मंजिल से छलांग लगा दी। इससे उसके ममेरे भाई की दाहिने पैर की हड्डी टूट गई। जबकि दूसरे को कुत्ते ने काट लिया। मौके पर पहुंची दमकल की तीन गाड़ियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जूही लाल कालोनी निवासी इमाम रजा उर्फ रिंकू की घर पर ही रायल मेन्स के नाम से सिलाई की दुकान हैं।

रिंकू ने बताया कि रविवार रात वह और उनके भाई सिकंदर का परिवार व मां शाबरा बेगम आंबेडकर नगर स्थित गांव गए थे। रात में पास ही रहने वाला ममेरा भाई और अब्बास हुसैन घर पर सोए थे। तड़के करीब 3:30 बजे एकाएक उसे सांस लेने में दिक्कत होने पर उकी आंख खुली तो पूरे घर में धुआं भरा था। इस पर उठकर देख तो कमरे के अंदर रखा सामान जल रहा था। लपटें उठती और आग मे घिरता देख जान बचाने के लिए दोनों छत से कूद गए। जिससे अब्बास की पैर की हड्डी टूट गई। जबकि उसके बहनोई सबाब हैदर को कुत्ते ने काट लिया। आग लगने से करीब 10 लाख का नुकसान हो गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि तीन दमकल गाड़ियों की मदद से आग को काबू कर लिया गया है। आग लगने के कारण की जांच की जा रही है।

जूही में उठतीं लपटें।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

NABH & NABL
Accredited Hospital

CHANDNI HOSPITAL PVT. LTD.
Address : 9/60, Arya Nagar, Kanpur

WORLD Health Day
07th April

A healthy life begins with small daily habits.
Take a step today for a better tomorrow.

Dr. C.K. Singh | M.S. (Sr. Surgeon)
Mrs. Sarla Singh | Co-Founder

Dr. Pallavi Singh — MBBS, MS (Obs & Gynae), Infertility Specialist
Dr. Chandni Singh — MBBS, MD (Intensivst), Critical Care Specialist
Dr. Anchala Singh — MBBS, MD (Medicine), Diabetologist & General Physician
Dr. Anand Pratap Singh — MBBS, MS (General Surgeon)

तूफान के तीन दिन बाद भी शास्त्रीनगर में गिरा पेड़ नहीं हटाया जा सका है। अमृत विचार

जेके मंदिर के पास धर्मशाला के सामने गिरे पोल अभी तक सही नहीं किए गए। अमृत विचार

50 घंटे बिजली को तरसे नवीन नगर, दर्शनपुरवा के लोग

तूफान के ढाई दिन बाद आ सकी बिजली, नवाबगंज, आजादनगर में हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में शनिवार को आए तूफान की वजह से तीन क्षेत्रों की बिजली करीब 50 घंटे बाद आ सकी। जिसकी वजह से यहां पर रहने वाले हजारों लोगों को न सिर्फ बिजली संकट झेलना पड़ा, बल्कि पानी को भी तरस गए। मजबूरी में कुछ लोग रिश्तेदारों के घर चले गए। बिजली न आने से गुस्साए लोगों ने आजादनगर और नवाबगंज में देर रात हंगामा किया।

दर्शनपुरवा, आरटीओ व नवीन नगर फीडर से जुड़े आवासों व दुकानों में बिजली सोमवार दोपहर आ सकी। बिजली आने के बाद कुछ समय बाद फिर से चली गई और कुछ देर बाद आई। 50 घंटों तक बिजली नहीं आने की वजह से तीनों क्षेत्रों के लोग बिलख गए और बच्चों का तो रो-रोकर बुरा हाल हो रहा था। घरों में पीने की टंकी व बाल्टियां खाली होने से पीने के पानी तक को लोग तरस गए। घर में पानी नहीं होने से कुछ लोगों को बाहर से खाना मंगवाना पड़ा। जबकि कई लोगों ने जनरेटर चलाकर पानी की व्यवस्था। जनरेटर वाले ने लोगों से मुंह मांगे दाम वसूल किए। हालांकि, इस दौरान केस्को कर्मी बिजली मरम्मत को लगे रहे। लेकिन उन्हें भी पूर्ण रूप से सफलता नहीं मिल रही थी। क्योंकि रविवार को नगर निगम व वन विभाग के कर्मियों की संख्या कम थी और सोमवार को कर्मियों की संख्या बढ़ी तो काम में तेजी आई। वहीं, राजापुरवा में पानी के लिए लोगों की लाइन लगी और एक-एक बाल्टी के लिए रुपये चुकाने पड़े। इधर, महापौर प्रमिला पांडेय ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। सपा नेता सम्राट विकास ने टैंकर से निशुल्क पानी उपलब्ध कराया।

राजापुरवा में पानी के लिए लगी लाइन। अमृत विचार

आसमान से आई आफत और व्यवस्था पर पड़ गए पत्थर

कानपुर। शहर में शनिवार शाम आए आंधी-तूफान से हुई तबाही के निशान 55 घंटे बाद भी नहीं मिटाए जा सके हैं। हजारों घरों में अभी भी बिजली नहीं पहुंच पाई है, बड़ी संख्या में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। पेड़ और पोल गिरने से बाधित तमाम मार्गों पर आवागमन बहाल नहीं हो सका है। जगह-जगह सड़कों पर टूटे पेड़ और टहनियां किनारे कर दिए जाने से यातायात की रफ्तार धीमी पड़ गई है। वाहन सवारों को बचकर निकलना पड़ रहा है। इन हालात में परेशान लोग व्यवस्था की नाकामी के साथ जनप्रतिनिधियों को भी कोस रहे हैं, जिनके सड़क पर नहीं उतरने से तीसरे दिन भी जनजीवन पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है। केस्को और नगर निगम की लापरवाही तथा जनप्रतिनिधियों के रवैये को लेकर लोगों में सर्वाधिक गुस्सा है। आरोप है कि समस्या बताने के लिए विधायकों को बार-बार फोन किए गए पर उठे नहीं। किसी भी जनप्रतिनिधि ने राहत और सुधार कार्य के लिए पहल नहीं की। लाजपत नगर, पांडु नगर और फजलगंज निवासियों ने कहा कि जर्जर खंभों, तारों और पुराने ट्रांसफार्मरों को अगर समय पर बदल दिया जाता, तो हालात इतने बदतर नहीं होते। दो दिन तक 20 लाख से ज्यादा आबादी को बिजली न होने के कारण पानी के लिए तरसना पड़ गया। तूफान में 150 से ज्यादा बिजली के पोल और 130 से अधिक पेड़ उखड़ गए थे। सड़कों पर गिरे पेड़ों, बिजली के तारों, पोल आदि के कारण कई मार्ग अभी भी बंद हैं।

तूफान से मची तबाही से इंडस्ट्री को सौ करोड़ का नुकसान

कानपुर। शहर में शनिवार को तूफान से मची तबाही से सोमवार तक औद्योगिक क्षेत्र उबर नहीं पाए हैं। खासतौर पर फजलगंज औद्योगिक क्षेत्र में गिरे खंबे और टूटे तार से इकाइयों का उत्पाद प्रभावित हुआ है। उद्यमियों की माने तो सोमवार को भी लगभग 4 सौ इकाइयों में काम ठप रहा। इससे तीन दिनों में लगभग सौ करोड़ रुपये का नुकसान उद्यमियों को हो चुका है। शनिवार शाम आए तूफान के बाद औद्योगिक इलाकों में सोमवार को उद्यमी पहुंचे ।सबसे अधिक नुकसान दीवारों के गिरने, टीन के उखड़ने से माना जा रहा है। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव की वजह से गोदामों में रखे स्टॉक के भी खराब होने की सूचना उद्यमियों ने दी है। टूटे खंभे व तारों को अभी तक बिजली विभाग की ओर से दुरुस्त नहीं किया जा सका है। जिसकी वजह से फजलगंज सहित शहर के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 4 सौ इकाइयों में काम नहीं हो सका है। फीटा के महासचिव उमंग अग्रवाल ने बताया कि विद्युत व्यवस्था सोमवार को भी सुचारु रूप से शुरू नहीं हो सकी। **श्रमिकों का बुरा हाल :**औद्योगिक क्षेत्रों में प्रोडक्शन प्रभावित होने के अलावा यहां पर रहे श्रमिकों का भी बुरा हाल है। उद्यमियों ने बताया कि हजारों श्रमिक खाना-पानी तक को तरस रहे हैं। युनिटों में रह रहे श्रमिकों का हाल और भी बुरा है।

विकास भवन में बिजली नहीं आने से आवेदक परेशान

कानपुर। बिजली संकट से सरकारी कार्यालयों में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी परेशान दिखे। कार्यालय के बाबू और अधिकारी आवेदकों को सिर्फ बिजली नहीं आने की समस्या बताते रहे। इनमें वृद्धा पेंशन, ओबीसी छात्रवृत्ति, फसल क्षतिपूर्ति के लिए पहुंचे किसान परेशान दिखे। विभागों के इनवर्टर भी काम नहीं कर रहे थे। जिससे अधिकारी व लिपिक कंप्यूटर पर योजनाओं का डाटा चेक नहीं कर पा रहे थे। वृद्धा पेंशन के आवेदन लेकर पहुंची रूखसाना और कपिल ने बताया कि वे हंसपुरम से आए हैं। लेकिन बिजली नहीं होने के कारण कार्यालय के बाबुओं ने दो दिन बाद संपर्क करने को कहा है। पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के कार्यालय में भी बिजली नहीं होने से काम नहीं हो पा रहा था। छात्रों को बाद में आने को कहा गया है। कुछ किसान भी विकास भवन पहुंचे और निराश होकर लौट गए।

कांग्रेस ने की राहत पैकेज की मांग

कानपुर। महानगर कांग्रेस ने सरकार पर सवाल उठाए हैं। तिलक हाल में सोमवार को बैठक में पार्टी नेताओं ने राहत एवं मुआवजा पैकेज की मांग की। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि प्रभावित परिवारों के सामने जीविका का संकट है। सरकार से मांग की गई कि मृतकों के परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए, क्षतिग्रस्त घरों और दुकानों के पुनर्निर्माण में सहयोग किया जाए तथा औद्योगिक इकाइयों के लिए राहत पैकेज दिया जाए। बैठक में हरप्रकाश अग्निहोत्री, शंकर दत्त मिश्रा, ग्रीन बाबू सोनकर, निजामुद्दीन खान, इकबाल अहमद, अजय श्रीवास्तव शीलू, राजेश गौतम, जितेंद्र ब्रह्म, विपिन तिवारी, जीतेंद्र गिरी, राजेंद्र थे।

जांच के बहाने आए टप्पेबाज, दो सिलेंडर पार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गोविंदनगर में दिनदहाड़े वारदात, सीसीटीवी में कैद हुए आरोपी

अमृत विचार। शहर में गैस की किल्लत के बीच टप्पेबाज गिरोह ने नया तरीका अपनाया। जिसमे टप्पेबाज खुद को पेट्रोलियम कंपनी का अधिकारी बताकर घर में घुसे और दो गैस सिलिंडर पार कर दिए।

गोविंदनगर थाना क्षेत्र की चरन सिंह कॉलोनी निवासी पीड़िता कीर्ति वर्मा एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। उनके मुताबिक सोमवार दोपहर वह स्कूल में थीं और उनके भाई विजय नौकरी पर गए थे। घर पर उनकी भाभी सरोजनी और 10 साल की भतीजी बिट्टी मौजूद थी। तभी बाइक सवार दो युवक घर पहुंचे और खुद को इंडियन ऑयल कारपोरेशन का अधिकारी बताते हुए गैस सिलिंडर की जांच की बात कहकर अंदर घुस गए। एक युवक ने रसोई में जाकर रेगुलेटर खोलकर सिलिंडर बाहर निकाल लिया। जबकि दूसरे ने वहीं रखा खाली सिलिंडर भी उठा लिया। इसके बाद एक आरोपी सिलिंडर तौलने का नाटक करने लगा और दूसरे ने गैस एजेंसी की रसीद लाने को कहा। जैसे ही सरोजनी रसीद लेने कमरे में गईं, दोनों आरोपी मौका पाकर सिलिंडर लेकर बाहर निकल आए और भाग गए।

नशे में धुत युवक ने पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला

संवाददाता, कानपुर, महाराजपुर

अमृत विचार। महाराजपुर थाना क्षेत्र के भेवली गांव में सोमवार की शाम एक शराब के नशे में धुत युवक ने पत्नी को डंडे से पीटकर मार डाला। हत्या कर आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। 42 वर्षीय हरिपाल पासवान ने सोमवार शाम पत्नी 40 वर्षीय रामदेवी की डंडे से सिर पर वार कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना उस समय हुई जब रामदेवी बच्चों के साथ खेत में काम कर रही थी। बताया जाता है कि हरिपाल शराब के नशे में धुत था। किसी बात से वह नाराज हो गया और डंडे से रामदेवी के सिर पर वार कर दिया। सिर पर गंभीर चोट के कारण रामदेवी वहीं पर गिर गई। उसे सीएचसी सरसौल ले जाया गया जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। बेटे विनीत ने बताया पिता हरिपाल शराब पीने के लिए मां से अक्सर पैसे मांगते थे। पैसे न देने पर झगड़ा व मारपीट करते थे। सोमवार सुबह भी पिता ने मां के साथ मारपीट की थी। शाम को जानकारी मिली कि पिता ने मां की हत्या कर दी। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया आरोपी शराब के नशे में धुत था। उसने विवाद के बाद हत्या कर दी। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

विश्व स्वास्थ्य दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

फेको विधि द्वारा मोतियाबिन्द ऑपरेशन
लेंस लगाकर बिना टांका
30000 से अधिक लेंस प्रत्यारोपण के अनुभवी
डा. अमित गुप्ता
M.B.B.S., M.S. नेत्र सर्जन
स्पैक्ट्रम हेल्थ केयर
गीतानगर, निकट छपेड़ा पुलिया, कानपुर
पंजीकरण हेतु मो. 9451984816
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए मुफ्त इलाज की सुविधा

स्पेक्ट्रम हेल्थ केयर, की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्पेक्ट्रम हेल्थ केयर, गीतानगर, निकट छपेड़ा पुलिया में वरिष्ठ नेत्र सर्जन अमित गुप्ता द्वारा आंखों से सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज किया जाता है डा. अमित गुप्ता ने बताया कि आंखों की बीमारी को लोग लम्बे समय तक नजर अंदाज करते हैं जिससे आंखों में पानी आना और मोतियाबिंद की बीमारी पनपने लगती है आंखों की समय समय पर जांच करवाते रहना चाहिये। यहां पर मोतियाबिन्द का आपरेशन अत्याधुनिक फेको विधि से किया जाता है हमारे यहां अब नेत्र परीक्षण हेतु नवीनतम ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी यानी ओसीटी मशीन द्वारा आंखों के रेटिना, कार्निया और ऑप्टिक नर्व्स की समस्याओं की जांच व इलाज किया जाता है इसके अलावा आईओएल मास्टर 700 विद टू के, मोतियाबिंद के आपरेशन में उच्च कोटि के लेंस का बिल्कुल सटीक नम्बर निकालने के लिये उपयोग में लाई जाने वाली जेईस कम्पनी की कानपुर की सर्वप्रथम टू के मशीन है उच्च कोटि के लेंस के प्रत्यारोपण में बिल्कुल सही नम्बर निकालना अति आवश्यक है आईओएल मास्टर 700 विद टू के, ये काम सहजता से कर देती है टोरिक एवं इडाफ लेंस के प्रत्यारोपण में ये मशीन एक वरदान के समान है। डा. अमित गुप्ता को लगभग 30000 से भी ज्यादा आपरेशन का अनुभव है यहां आयुष्मान कार्ड धारकों का नि:शुल्क इलाज किया जाता है।
-डॉ अमित गुप्ता, नेत्र सर्जन

डायलिसिस गुर्दा रोग
डा. समीर गोविल
एम.डी.(मेडिसिन), डी.एन.बी.(गुर्दारोग)
गुर्दा रोग परामर्शदाता
भूतपूर्व गुर्दा रोग विशेषज्ञ,
संजय गांधी पी.जी.आई. लखनऊ
क्लीनिक
• कनिष्क हॉस्पिटल
10/503A खलासी लाइन, तिलकनगर
आभा नर्सिंग होम के बगल में, कानपुर
सोम से शनि दोपहर 1 से 3 बजे
• 372 विकास नगर, सेलटैक्स ऑफिस डबल रोड, कानपुर
सोम से शनि सायं 7:00 से 8:00
M: 9839923723, 8948558429

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं
Rama Devi Medical Centre Pvt. Ltd.
RAMA DEVI, G.T. ROAD, KANPUR
Email: ramadevi@rediffmail.com
हमारे यहाँ निम्न सुविधाएं उपलब्ध हैं
विशाल नि:शुल्क मोतियाबिन्द, ऑपरेशन शिविर
(लेन्स प्रत्यारोपण विधि द्वारा)
निम्न कार्ड धारकों के लिए नि:शुल्क सुविधायें उपलब्ध
C.G.H.S. | E.C.H.S.
E.S.I.C. | T.P.A.
C.A.P.F. | AYUSHMAN
PANDIT DEENDAYAL UPADHYAY
PAPA IVF नि:शुल्क नि:संतानता जाँच शिविर कानपुर में
PAPA IVF
Mob.: 9140718743, 7080902028

घबराहट बेचैनी
बुरे सपने आना
सिर में दर्द
बार बार हाथ धोना OCD
पारिवारिक कलह
मानसिक तनाव
अत्याधिक उदासी
नशे की लत
अनिन्द्रा
अनावश्यक डर लगना
मासपेशियो में दर्द
एंजायटी Anxiety
डिप्रैशन Depression
याददाश्त में कमी
एवं अन्य सभी मानसिक समस्याओं के निदान हेतु सम्पर्क करें
ईरा मनोरोग निदान केन्द्र एवं काउन्सलिंग सेन्टर
डॉ. ईरा त्रिपाठी (Ph.d.)
कन्सल्टेन्ट क्लीनिकल साइकोलोजिस्ट
स्वरूप नगर कानपुर
8840546994
7355704438

World Health Day
SIS HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
(Multi Speciality Hospital)
• आई.सी.यू. • एन.आई.सी.यू.
• पी.आई.सी.यू. • मॉड्यूलर ओ.टी.
• डाइलेसिस • लैपरोस्कोपिक सर्जरी
CGHS, TPA Mediclaim धारकों को कैशलेस सुविधा
HDFC Mediclaim Available
NABH QCI
ऑक्सीजन जनरेशन प्लान्ट की सुविधा
सभी विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित विश्वसनीय 100 बेडेड हॉस्पिटल
आयुष्मान/दीनदयाल उपाध्याय कार्ड धारकों हेतु इलाज सुविधा
• ई.सी.जी. • ईको • पी.एफ.टी. • स्लीप स्टडी • ई.ई.जी.
• डिजिटल एक्स-रे • पैथोलॉजी • फार्मेसी
अम्बेडकर पुरम, आवास विकास नं. 3, कल्यानपुर, कानपुर
फोन: 0512-2982488, मो.: 9336119188, 7380515151

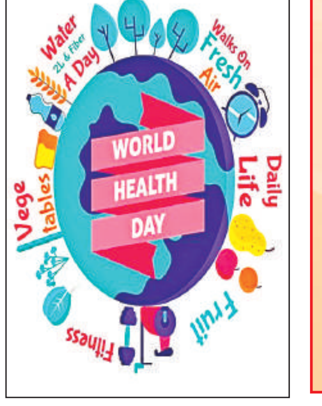

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं
Chandrabhal Hospital
Multi Speciality Hospital
आयुष्मान भारत PMJAY एवं दीनदयाल उपाध्याय कैशलेश योजना द्वारा अनुबंधित
24 घंटे सुविधा उपलब्ध
डा. राजेश बाजपेयी
(MBBS, D.Ortho, Mch.)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण विशेषज्ञ
NABH PRE ACCREDITED
Quality Council of India Membership
ICU, NICU, EMERGENCY, MEDICAL STORE
Y-1280, Kidwai Nagar, Near R.B.I. Colony, Kanpur Mob.: 7571810604

सिटी ब्रीफ

किसानों का नुकसान आंक रहे लेखपाल

कानपुर। तूफान से रबी फसलों को पहुंचे नुकसान को देखने के लिए जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने सोमवार को तहसील सदर के सचेंडी और सोना गांव का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम ने अधिकारियों को कहा कि फसल क्षति की रिपोर्ट प्रत्येक खेत की अलग-अलग बने। डीएम ने दोनों पंचायतों के किसानों से भी बात कर समस्या जानी। डीएम ने कहा कि एसडीएम व राजस्व विभाग सभी लेखपाल अपने आवंटित क्षेत्रों में गाटा-वार सर्वे करें। लेखपालों को सर्वे की जिम्मेदारी मिली है। डीएम ने बताया कि सर्वे रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।

अफवाह फैलाकर सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश

कानपुर। गुप्ता दूध वाले से मशहूर दूधिया पिछले कई वर्षों से तलाक महल, बेकनगंज, चमनगंज समेत कई क्षेत्रों में दूध की आपूर्ति देता था लेकिन रविवार की रात में कुछ लोगों ने दूधिये को पकड़ लिया और उसके स्कूटी की डिग्गी में रखे गौमूत्र अर्क की बोतल दिखाते हुए वीडियो बनाया कि दूधिया दूध में गौमूत्र मिलाकर आपूर्ति देता था। फोर्स मौके पर पहुंची। कई लोगों ने दूधिये का वीडियो वायरल करते हुए ये संदेश दे दिया कि आप लोग ऐसे दूधिये से दूध नहीं लें। बाद में पुलिस ने जांच पड़ताल की तो पता चला कि दूधिये की किडनी में कुछ दिक्कत है, इसलिए वह गौमूत्र अर्क का सेवन करता है।

दो अस्पताल सील, नौ को नोटिस

कानपुर। सीएमओ डॉ.हरिदत्त नेमी ने बताया कि एसीएमओ डॉ.रमित रस्तोगी व पुलिस ने कल्याणपुर के गोल्ड हॉस्पिटल और मैग्नस नर्सिंग होम में निरीक्षण किया, जो बिना पंजीकरण के संचालित मिलने पर सीलिंग की कार्यवाही की। इसके अलावा एमजे हॉस्पिटल, एहसास हॉस्पिटल, एमपी मेडिकल सेंटर, वेदा हॉस्पिटल, श्री रोधे मेडिकल सेंटर, न्यू नीलम सरोज हॉस्पिटल, बालाजी हॉस्पिटल एंड सर्जिकल सेंटर, ओम शक्ति हॉस्पिटल व मां चाइल्ड केयर हॉस्पिटल कल्यानपुर कई प्रकार की कमियां मिली। इन अस्पतालों को नोटिस जारी किया गया है।

उप्र विद्युत नियामक आयोग की बैठक में केस्को की गिनाईं समस्याएं, बिजली दरें बढ़ने पर अभी फैसला नहीं

एआरआर पर कम, प्रीपेड मीटर से परेशानी पर अधिक चर्चा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने सोमवार को कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी लिमिटेड (केस्को) के वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) पर जनसुनवाई की। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक परफार्मेंस रिव्यू और वित्तीय वर्ष 2024-25 के टू-अप पिटिशन पर भी जनसुनवाई की। जनसुनवाई में अधिकांश लोगों ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगने से हो रही परेशानी, अचानक बिजली कटने, रिचार्ज पर अपडेट न होने, भ्रष्टाचारी व दलाली आदि समस्याएं बताईं।

उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन अरविंद कुमार ने सोमवार को द स्पोर्टस हब में जनसुनवाई की, इनके साथ आयोग के सदस्य संजय कुमार सिंह, सचिव सुमित कुमार अग्रवाल, निदेशक सरबजीत सिंह ढींगरा व केस्को प्रबंध निदेशक सैमुअल पॉल एन शामिल हुए। जनसुनवाई में पनकी साइट-3 के सुनील तिवारी ने कहा कि छह माह पहले स्मार्ट लगा, लेकिन तब से अब तक बिल ठीक नहीं हो पाया। लाइन बदलने के नाम पर रुपये लिये जा रहे हैं। उद्यमी अरुण कुमार जैन ने कहा कि युद्ध से वैसे ही उद्योग प्रभावित हो रहा है, ऐसे में बिजली रेट न बढ़ाया जाए। मृत्युंजेश ने कहा कि सोलर मीटर के दाम भी बढ़ हुए आ रहे हैं। चेयरमैन ने इसपर केस्को एमडी से जानकारी ली। संदेश मिश्रा ने कहा कि मीटर को रिचार्ज करने पर वह अपडेट नहीं हुआ, इसपर चेयरमैन के निर्देश पर केस्को एमडी ने उपभोक्ता की शिकायत दूर करने के लिए अकाउंटेट को बुलाया और मौके पर समस्या का समाधान कराया। सुनील गुप्ता बोले कि अब पॉवर फैक्टर बिल में नहीं आता है, जबकि पॉवर फैक्टर आने के आदेश है। अवधेश शर्मा ने कहा कि 33000 करोड़ का सरप्लस है, रेट कम करना शुरू करें, स्मार्ट मीटर, ईईएसएल व पब्लिक का पैसा न डाला जाए। वर्टिकल व्यवस्था पूरी तरह से फेल है और केस्को पर पब्लिक विश्वास कम कर रही है। अबोध जॉन ने कहा कि ईएमई व ब्याज पर उद्यमी को छूट दी जाए। उमंग अग्रवाल ने कहा कि किराएदारों को भी नए मीटर की सुविधा दी जाए।

जनसुनवाई में शामिल चेयरमैन अरविंद कुमार, सदस्य संजय कुमार सिंह, केस्को एमडी सैमुअल पॉल। अमृत विचार

रिचार्ज कराने पर कट जाती बिजली

- वार्ड 102 बेगमपुरवा की पार्षद निशा के पति अकील शानू ने कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर में रिचार्ज करवाने के बाद भी बिजली कट जा रही है। 24 से 36 घंटे होने के बाद भी बिजली नहीं आती। प्रीपेड मीटर को हटवाकर पहले की तरह पोस्टपेड मीटर दोबारा चालू करवाए जाए। शबाना ने कहा कि स्मार्ट मीटर को अपडेट कराने के लिए वह एक साल से केस्को अधिकारियों के चक्कर काट रही है, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है।

केस्को में बंद हो भ्रष्टाचारी व दलाली

- जनसुनवाई में एपी सिंह ने कहा कि बिजली दर बढ़ने के संबंध में लगातार बात होती है, लेकिन बिजली कर्मियों के भ्रष्टाचार व दलाली पर कभी चर्चा नहीं की जाती है। नियामक आयोग भी कोर्ट के आदेश की अवहेलना करते हैं। मुआवजा नहीं देते। केस्को द्वारा भूमिगत केबिल डालने के बाद सड़क को ऐसे ही खोदकर छोड़ दिया गया है। बीच फुटपाथ पर बिजली के पैनल लगा दिए गए है। लोड बढ़ने पर चरित्र हनन न किया जाए और बार-बार दौड़ाया न जाए।

आईजीआरएस में फीडबैक का हो ऑप्शन

- प्रियंका यादव ने शिकायत की है कि बिजली कनेक्शन संबंधित दिक्कत होने पर आईजीआरएस में शिकायत की, 10 दिन का समय दिया गया है, लेकिन छह माह बीत गए। मांग है कि आईजीआरएस में फीडबैक का ऑप्शन दिया जाए। लघु उद्योग भारती के संदीप अवस्थी ने कहा कि सोलर पॉवर में उद्यमी को नेटमीटरिंग दी जाए। दिनेश कुमार बोले कि बिना पूछे स्मार्ट मीटर न लगाए जाए। रेशमा परवीन बोली कि केस्को में 18 बार शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होता है।

बिजली चोरी कम

- चेयरमैन अविंद कुमार ने केस्को के कार्यों की समीक्षा की, कहा कि बीते वर्षों की तुलना में इस वर्ष बिजली चोरी व ट्रांसफार्मर कम खराब हुए हैं। 90 फीसदी केसों का समाधान किया जाएगा। 54 फीसदी कॉरपोरेशन का खर्चा फिक्स होता है, इसलिए फिक्स चार्ज लगता है। 17 फीसदी ही लिया जाता है। वहीं, किरायेदार से रेंट एग्रीमेंट लें और बोलें कि प्रीपेड मीटर ही लगेगा। स्मार्ट मीटर भारत सरकार की गाइडलाइन में है, इसलिए एक अप्रैल से बिना सिक्योरिटी लिए प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जनसुनवाई में बिजली की दर बढ़ने पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई।

मिठाई बांटते प्रकाश पाल, अनूप अवस्थी आदि। अमृत विचार

कार्यालयों व बूथों पर झंडा फहराया गया भाजपा का

कार्यालय संवादाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज नौबस्ता स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय में ध्वजारोहण किया गया। क्षेत्रीय कार्यालय को गुब्बारों व फूलों से सजाया गया था। दिन ढलते ही कार्यालय दुधिया रोशनी से चमक उठा। सभी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को बधाई देते हुए मुंह मीठा कराया। कानपुर उत्तर कार्यालय को भी सजाया गया था। केसरिया रंग से कार्यालयों को सराबोर किया गया। सभी बूथों के कार्यकर्ताओं ने अपने व परिचितों के घरों में पार्टी का झंडा लगाया। ध्वजारोहण के समय कार्यकर्ताओं ने पीएम, सीएम सहित वरिष्ठ नेताओं और भारत माता की जय, वंदे मातरम् का नारा लगाया। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि 46 वर्ष का सफर पूर्ण कर हम निरंतर अंत्योदय के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता, क्षेत्रीय मंत्री पवन प्रताप सिंह, राधेश्याम पांडेय, विनोद शुक्ला, स्वप्निल वरुण, उपेंद्र पासवान, शिवराम सिंह, अनूप अवस्थी, पिछड़ा जय प्रकाश कुशवाहा, रघुनंदन भदौरिया, केके सचान, विकास दुबे, मोहित सोनकर, आलोक शुक्ला, पवन पांडे और ऋषभ शुक्ला आदि रहे।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर कानपुर उत्तर जिला इकाई ने भव्य कार्यक्रम आयोजित किया। जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने सत्यदेव पचौरी, प्रकाश पाल, सुरेंद्र मैथानी व अन्य नेताओं को केसरिया पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। वक्ताओं ने भाजपा को राष्ट्र सेवा व अंत्योदय के लिए समर्पित संगठन बताया।

इस युद्ध की वजह से निर्यात कारोबार में मंदी है। बाजार में अब विदेशी खरीदार बात करने से भी बच रहे हैं। वे स्थितियां दुरेस्त होने के बाद ही दोबारा संपर्क करने की बात कर रहे हैं। यह स्थिति यदि ऐसी ही कुछ दिन और चलती रही तो खरीदार छिनना शुरू हो जाएंगे।
– असजद नफीस, निर्यातक

टैरिफ लगाए जाने के बाद से ही निर्यात कारोबार संकट में है। अमेरिका की बाजार खुली तो युद्ध शुरू हो गया। ऐसे में विदेशी खरीदार भी दूर होते जा रहे हैं। नए ऑर्डर के लिए बातचीत बहुत कम हो गई है। इसका सीधा असर युनिट पर पड़ रहा है। प्रोडक्शन दिन पर दिन कम होता जा रहा है।
– मोहम्मद हसीमुद्दीन, निर्यातक

निर्यात कारोबार प्रभावित होने से अब युनिट में काम करने वाले श्रमिकों पर भी असर पड़ने लगा है। प्रोडक्शन कम है, विदेशी निर्यातकों की ओर से बेहतर प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। इस स्थिति में समझ नहीं आ रहा है कि कारोबार भविष्य में किस करवट बैठेगा।
– मोहम्मद अली, निर्यातक

निर्यातकों में विदेशी ग्राहक छिनने का डर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- टैरिफ व युद्ध के चलते ऑर्डर पर बातचीत हुई बंद

अमृत विचार। शहर के निर्यातकों को अब खरीदार छिनने का डर सताने लगा हैं। इसकी वजह ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल हरे युद्ध के बीच कारोबार प्रभावित होना है। हालात यह है कि विदेशी खरीदार अब नए सिरे की बातचीत के लिए निर्यातकों को दो से तीन महीने का समय दे रहे हैं।

शहर का निर्यात बाजार युद्ध से बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। पहले अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ से कारोबार में निर्यातकों का काफी नुकसान हुआ है। अब इसके बाद खाड़ी देशों में युद्ध की वजह से विदेशी कारोबार का प्रभावित होना है। लंबे समय से निर्यात बाजार में बन रहे इन हालातों से विदेशी खरीदारों ने शहर के निर्यातकों से बातचीत करना बंद कर दिया है। इनमें विभिन्न उत्पादों का निर्यातक करने वाले निर्यातक अधिक हैं।

माना जा रहा है कि यूरोपियन देशों के लगभग 20फीसदी खरीदार ऐसे हैं जिन्होंने निर्यातकों से ऑडर पर बातचीत करने के लिए लगभग दो से तीन महीनों का समय मांगा है। अब इस स्थिति के बनने के बाद निर्यातक मान रहे हैं कि यदि युद्ध लंबा चलता हैतो यूरोप के खरीदार दूसरे निर्यातकों के संपर्क में आ सकते हैं।

यह दूसरे निर्यातक भारत के अलावा अन्य देशों के निर्यातक भी हो सकते हैं। इस स्थिति में ऐसे निर्यातक जो अमेरिका के बाजार से दूसरी बाजारों का रुख कर रहे थे उन्हें सबसे अधिक झटका लगा है।

किडनी कांड का इन्फेक्शन मेडिकल कॉलेज तक पहुंचा

9 फोर्थ क्लॉस कर्मचारियों के नाम सामने आए, एक को पुलिस ने उठाया, आयुष एमबीए स्टूडेंट नहीं, साइबर ठग है, हवाला कारोबार का भी शक

खुलासा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। किडनी कांड की जांच कर रही पुलिस को रविवार को एक वीडियो मिला था, जिसमें अमृतसर के मनजिंदर सिंह ने मोहाली के रहने वाले जसप्रीत, विक्रांत, हसन और नवनीत सिंह पर 43 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया था। इस वीडियो को पुलिस ने अपनी जांच में शामिल कर महाराष्ट्र पुलिस से संपर्क किया है। वहीं किडनी कांड की जांच की आंच मेडिकल कॉलेज तक भी पहुंच गई है।

पुलिस जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के एक वार्ड ब्वॉय अजय को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अब तक की पूछताछ में जीएसवीएम के 9 फोर्थ क्लॉस कर्मचारियों के नाम सामने आए हैं, जिनको नोटिस जारी करके पूछताछ की जाएगी। पुलिस के हाथ अजय तक पहुंचते ही अन्य आरोपी अंडरग्राउंड हो गए हैं। डीसीपी वेस्ट ने बताया कि लखनऊ, गाजियाबाद के सीएमओ के पत्र लिखकर गंभीरता से जांच कर कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

किडनी कांड की जड़ में है आहूजा अस्पताल। अमृत विचार

मेड लाइफ अस्पताल का भी स्टाफ शामिल है। अमृत विचार

डॉक्टर नोटों पर लेटता था, दलाल से 3 वीडियो मिले

- किडनी ट्रांसप्लांट केस में 3 नए वीडियो मिले हैं. ये सभी वीडियो दलाल शिवम अग्रवाल के मोबाइल से मिले हैं। कुछ ऐसी चैट भी मिली हैं, जो इस काले कारोबार का खुलासा करती हैं। पहले वीडियो में किडनी निकालने वाला डॉक्टर अफजल दिख रहा है. वह नोटों की गड्डियों पर लेटा है। इस वीडियो को बनाने वाला परवेज शैफी है। डॉ. अफजल मेरठ में अल्फा हॉस्पिटल चलाता है। वह भी किडनी के काले धंधे में शामिल है, लेकिन फरार है। उसका काम आहूजा हॉस्पिटल के डॉक्टरों को एक जगह से दूसरी जगह लेकर जाना था। दूसरे वीडियो में साउथ अफ्रीका की मरीज अरेबिका रोते हुए नजर आ रही है। एंबुलेंस का ड्राइवर शिवम अग्रवाल आला (स्टेथेस्कोप) लगाकर उसका चेकअप कर रहा है। कह रहा है कि तुम्हें इंजेक्शन देना पड़ेगा। अरेबिका आहूजा हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट करा चुकी है। तीसरे वीडियो में पंजाब का एक मरीज आहूजा हॉस्पिटल के सामने अपना दुख बता रहा। वो कहता है कि मुझसे किडनी ट्रांसप्लांट के लिए 43 लाख रुपये ले लिए। अब मैं सुसाइड ही कर सकता हूं। शिवम अग्रवाल उर्फ शिवम काड़ा किडनी ट्रांसप्लांट मामले में दलाल की भूमिका में है। इसका मुख्य काम कस्टमर तलाशना और सिंडिकेट को रन करने का था. लेकिन, वह आहूजा हॉस्पिटल में इतना आगे बढ़ गया था कि ऑपरेशन थिएटर में किडनी के मरीजों तक पहुंच जाता था। उन्हें आला लगाकर जांच करने लगता था। अरेबिका की किडनी ट्रांसप्लांट का सौदा 2 से ढाई करोड़ रुपये का बताया जा रहा है।

नामचीन डॉक्टर्स और स्टॉफ पर शिकंजा

- दलाल शिवम अग्रवाल के मोबाइल खंगालने के बाद पुलिस का शिकंजा शहर के नामचीन डॉक्टर्स और पैथोलॉजी के स्टॉफ पर कसने लगा है। पुलिस सूत्रों की माने तो शहर के बड़े किडनी रोग विशेषज्ञों के स्टॉफ और पैथोलॉजी के स्टाफ से शिवम का गहरा याराना था। बड़े डॉक्टर्स के स्टॉफ को महंगे गिफ्ट देना और उनसे किडनी रिसीवर्स की जानकारी लेना शिवम को बखूबी आता था। इसके लिए वह महंगी शराब और रुपये पानी की तरह बहाता था। पुलिस ने इन लोगों की जानकारी भी कर ली है। शहर के एक नामचीन होटल में पार्टी का वीडियो भी सामने आया है।

नेपाल तक फैला है रैकेट, किडनी खरीदी और बेची जाती थी

- पुलिस को जांच के दौरान नेपाल के युवक का भी वीडियो मिला। इस युवक की किडनी ट्रांसप्लांट की गई है। नेपाल के एक युवक की किडनी 10 लाख रुपए में खरीदने के भी सबूत मिले हैं। पुलिस की एक टीम दोनों युवकों की तलाश में नेपाल गई है। दोनों युवकों की पहचान होते ही साफ हो जाएगा कि आखिर नेपाल से किसके जरिए युवक ने किडनी बेची। दूसरे नेपाली ने किसके जरिये अपनी किडनी का ट्रांसप्लांट कराया है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि इस नेपाली युवक को भी टेलीग्राम के जरिये ही फंसाया गया. इससे भी महज 9 लाख रुपए में किडनी का सौदा हुआ था। युवक का नाम प्राथमिक जांच में राज शुंभा के रूप में सामने आया है।

वो तो फ्रॉड है...

- आयुष वो तो फ्रॉड है. न तो एमबीए का स्टूडेंट है, न गरीबी की वजह से उसने जमीन गिरवी रखी है। खबरों में जो कुछ आयुष के हवाले से कहा जा रहा है, वो बिल्कुल झूठ है। आयुष साइबर फ्रॉड है, उसके बैंक अकाउंट से बड़े पैमाने पर हवाला कारोबार हुआ है। गुजरात पुलिस ने उसे नोटिस जारी किया है। बिहार में बेगूसराय के भगवानपुर के औगान गांव के रहने वाले आयुष के चचेरे चाचा और उसके पड़ोसी रमेश चौधरी ने ये बातें बताईं। दरअसल, खबर आई थी कि कानपुर में पैसों के लालच में आयुष ने अपनी किडनी बेच दी है। जब कमिश्नरेट पुलिस ने उसके गांव में आयुष के बारे में बातचीत की तो कहानी कुछ और निकली।

बेटे की हरकतों से परेशान पिता ने कर ली थी आत्महत्या

- रमेश चौधरी ने कहते हैं कि आयुष की गलत संगत और नशे की लत से परेशान होकर साल 2017 में उसके पिता राजेश चौधरी ने आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद आयुष को रोकने-टोकने वाला कोई नहीं था. आयुष की मां रीता देवी उसे समझाती थी, लेकिन वो अपनी मां की बातों को इगनोर कर देता था। पिता की मौत के दो-तीन महीने बाद उसने जमीन बेचनी शुरू कर दी. जमीन बेचकर उसने दोस्तों पर खर्च किया। आयुष ने अपने दोस्तों के चक्कर में न केवल गांव की 18 बीघा जमीन बेच दी, बल्कि घर वाली जमीन भी बेच डाली। 2021 से वह गांव नहीं आया है। गांव में उसकी विधवा मां रीता देवी कैसे रह रही है, क्या खा रही है? इससे उसको कोई मतलब नहीं है।

मेडलाइफ हॉस्पिटल से जुड़े 6 लोग गिरफ्तार

- पुलिस को अब तक की जांच में किडनी ट्रांसप्लांट के इनपुट और इससे जुड़े 15 लोग मिल चुके हैं। 9 को जेल भेजा जा चुका है। पुलिस अभी 6 और संदिग्धों को उठाकर पूछताछ कर रही है। ये सभी कल्याणपुर के मेडिलाइफ अस्पताल से जुड़े हैं। इनके नाम पुलिस ने अभी नहीं खोले हैं. लेकिन, किडनी केस से जुड़े अहम फैक्ट इन लोगों ने पुलिस के सामने रखे हैं। अब इन 6 आरोपियों को भी पुलिस जेल भेजेगी।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

पढ़ने गए थे डॉक्टरी, पड़ गए गर्लफ्रेंड के चक्कर में

- आयुष चौधरी औगान गांव के रहने वाले राजेश चौधरी का बड़ा बेटा है। 2015 में आयुष ने फर्स्ट डिवीजन से इंटर पास की तो राजेश चौधरी ने कहा कि बेटा तुम्हें आगे पढ़ाई-लिखाई करके डॉक्टर बनना है। फिर आयुष का एडमिशन विशाखापट्टनम के चैतन्य इंस्टीट्यूट में करा दिया. राजेश चौधरी को उस समय लगा था कि बेटा विशाखापट्टनम में नीट की परीक्षा पास कर लेगा. लेकिन, वहां आयुष को मटिहानी क्षेत्र की रहने वाली एक लड़की से प्यार हो गया। लड़की आयुष के साथ ही पढ़ाई करती थी। आयुष के पड़ोसी रमेश चौधरी ने पुलिस को बताया कि प्यार के चक्कर में आयुष का ध्यान भटक गया। वो पढ़ाई के बजाय कुछ और ही करने लगा. हर महीने गांव आ जाता था। गांव में लड़कों के साथ इधर-उधर घूमता था. जो लड़के आयुष के साथ घूमते थे, वो नशा करते थे। इनके साथ रहने के कारण आयुष को नशे की भी लत लग गई. ये बात लड़की को पता चली तो उसने आयुष का साथ छोड़ दिया।

आयुष के खिलाफ गुजरात साइबर पुलिस का नोटिस

- भगवानपुर थाने के प्रभारी नीरज कुमार ठाकुर ने बताया कि गुजरात के सुरेंद्रनगर जिला के साइबर सेल पुलिस की ओर से शुक्रवार को हम लोगों को नोटिस मिला था। नोटिस की तामील कराने के लिए पुलिस की टीम शनिवार को आयुष के घर पहुंची थी. लेकिन, आयुष के घर पर ताला लगा था, जिसके बाद नोटिस को वापस किया जा रहा है। साइबर सेल की ओर से जो नोटिस मिला है, उसमें कहा गया है कि आयुष ने अपने यूको बैंक अकाउंट के जरिये बड़े पैमाने पर साइबर ठगी और हवाला का कारोबार किया है।

> जिन जिलों से किडनी कांड जुड़ा हुआ है, उन जिलों के सीएमओ को पत्र लिखकर गंभीरता से जांच के लिए कहा गया है। जेल गए आरोपियों से पूछताछ के लिए कोर्ट से परमिशन मिल गई है, जरूरत पड़ने पर पुलिस कस्टडी रिमांड लेकर पूछताछ की जाएगी।
>
> -एमएस कासिम आब्दी, डीसीपी वेस्ट कानपुर कमिश्नरेट

सिटी ब्रीफ

मेधावियों को दिए पुरस्कार

कानपुर। स्वरूप नगर स्थित कानपुर विद्यामंदिर महिला महाविद्यालय में सोमवार को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा अनुसंधान पद्धति विषय पर संगोष्ठी एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपप्राचार्या प्रो. निशा पाठक ने मुख्य अतिथि डॉ. प्रभा कुमारी के स्वागत एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। संगोष्ठी में छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर दिया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को मेडल व प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही ओजस्विनी पूर्व छात्रा संगठन व एमएसएमई कार्यशाला से जुड़ी छात्राओं को भी प्रमाणपत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रितु नारंग व टीम द्वारा किया गया।

नि:शुल्क ऑटोमोटिव प्रशिक्षण, 25 सीटों पर आवेदन शुरू

कानपुर। युवाओं को रोजगारपरक कौशल से जोड़ने के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), पाण्डुनगर द्वारा ऑटोमोटिव सेक्टर में नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत संचालित होगा, जिसमें 25 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्थान ने आवेदन के लिए अभ्यर्थी का हाईस्कूल उत्तीर्ण होना और न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना आवश्यक बताया है। इच्छुक अभ्यर्थी आवश्यक दस्तावेजों के साथ संस्थान के कौशल विकास मिशन कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध है। प्रशिक्षण में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं और 2 प्रतिशत सीटें दिव्यांगों के लिए आरक्षित हैं। चयन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। संस्थान ने युवाओं से समय रहते आवेदन कर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

मुआवजे को लेकर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना

बिठूर। न्यू कानपुर सिटी आवासीय योजना के तहत भूमि अधिग्रहण के विरोध में बिठूर के सिंहपुर में किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) द्वारा पांच गांवों की जमीन पर आवासीय योजना लाई जा रही है, जिसके लिए अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। मुआवजे को लेकर असंतुष्ट किसान भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठ गए हैं। किसानों की मांग है कि उन्हें वर्ष 2006 के सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा दिया जाए, साथ ही प्रत्येक प्रभावित परिवार को एक आवासीय भूखंड भी उपलब्ध कराया जाए।

धरने में बड़ी संख्या में किसान और महिलाएं शामिल हैं, जिन्होंने अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया है। मौके पर स्थिति को देखते हुए कानपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद रहे, वहीं सुरक्षा व्यवस्था के तहत भारी पुलिस बल और पीएसी के जवान भी तैनात किए गए हैं।

खातीपुरा-गोविंदपुरी हावड़ा विशेष ट्रेन

कानपुर। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों की भीड़ को देखते हुए खातीपुरा-गोविंदपुरी-हावड़ा के मध्य विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। गाड़ी संख्या 09710 प्रत्येक मंगलवार को 8 अप्रैल से 1 जुलाई तक चलेगी। खातीपुरा से प्रातः 9.30 बजे रवाना होगी। भरतपुर प्रातः 11.50 बजे, गोविंदपुरी सायं 7.15 बजे, हावड़ा बुधवार दोपहर 3.40 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09709 प्रत्येक मंगलवार को 7 अप्रैल से 30 जून के मध्य चलेगी। रात 11.55 बजे रवाना होगी। गोविंदपुरी रात 10.25 बजे, खातीपुरा प्रातः 9 बजे पहुंचेगी।

भगत की कोठी -दानापुर विशेष ट्रेन। गाड़ी संख्या 04813 भगत की कोठी से बुधवार 8 अप्रैल से 15 जुलाई तक चलेगी। गाड़ी संख्या 04814 दानापुर से गुरुवार 9 अप्रैल से 16 जुलाई तक चलेगी। इस गाड़ी में एसी तृतीय -02, स्लीपर -05, सामान्य -12 डिब्बे होंगे।

गाड़ी संख्या 04813 भगत की कोठी सायं 5.20 बजे चलेगी। गोविंदपुरी प्रातः 7.10 बजे आएगी, दानापुर सायं 5.45 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04814 दानापुर से सायं 7 बजे रवाना होगी। गोविंदपुरी प्रातः 5.30 बजे, भगत की कोठी रात 1 बजे पहुंचेगी।

अप्रेंटिस में अडानी व टाटा समूह अधिक मौके देंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। निजी कंपनियां पिछले वर्ष से अधिक आईटीआई पास युवाओं को अप्रेंटिस का मौका देंगी। इनमें अडानी समूह और टाटा समूह की कंपनियां भी शामिल हैं। एक यूएस की कंपनी भी युवाओं को अप्रेंटिस का मौका देंगी। निजी कंपनियों में 2.5 फीसदी से 15 फीसदी तक अप्रेंटिस सीटों की बढ़ोतरी हैं।

आईटीआई की ओर से हर साल युवाओं को निजी कंपनियों में अप्रेंटिस का मौका दिया जाता है। 2160 युवाओं का प्रवेश विभिन्न ट्रेड में होता है। निजी कंपनियों की ओर से इन युवाओं को अप्रेंटिस का ऑफर दिए जाने वाली निजी कंपनियों की बात की जाए तो इनकी संख्या संस्थान में 1016 है। उधर कई सरकारी व अर्धसरकारी संस्थानों का पंजीयन भी युवाओं को अप्रेंटिस के लिएऑफर दिए जाने के लिए हैं। इन कंपनियों की ओर से जिले के 6 सरकारी व 71 निजी आईटीआई के अलावा अन्य जिलों से आईटीआई पास हुए योग्य युवाओं को भी ऑफर दिया जाता है। इस तरह से इस बार लगभग 27 सौ युवा ऐसे हैं जो विभिन्न निजी कंपनियों में अप्रेंटिस कर रहे हैं। आईटीआई पाण्डु नगर के अप्रेंटिस प्रभारी अजय द्विवेदी ने बताया कि निजी कंपनियों को कम से कम 2.5 फीसदी से लेकर 15 फीसदी तक पिछली बार की तुलना में अधिक युवाओं को अप्रेंटिस कराना है। संस्थान में पंजीकृत कंपनियों को खुद की आवश्यकता के अनुसार पिछली से अधिक युवाओं को अप्रेंटिस के लिए चयन करना होगा।

बड़ी कंपनियां दे रहीं युवाओं को मौका

- युवाओं को मौका देने वाली यदि बड़ी कंपनियों की बात की जाए तो उनमें लोहिया एयरोस्पेस 21 युवा, टाटा मोटर्स में 10 युवा, नवेली पॉवर प्लांट में 15 युवा शामिल हैं। इसी तरह डीएमएसआरडीई में 25 युवा, यूके की कंपनी जॉनसन मैथी केमिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में चार युवा, लोहिया कॉर्प लिमिटेड में 15 युवा व पनकी यूनिट में 9 युवा अप्रेटिस कर रहे हैं। अडानी समूह की बात की जाए तो यह समूह पीएलआर सिस्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के जरिए इस बार 77 युवाओं को अप्रेटिस करा रहा है।

सिटी डायरी

स्काउट्स गाइड्स बेसिक कोर्स

केंद्रीय विद्यालय अर्मापुर में समारोह हुआ। अमृत विचार

कानपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, केंद्रीय विद्यालय संगठन राज्य के स्काउट मास्टर, कब मास्टर, गाइड कैप्टन एवं फ्लॉक लीडर्स के बेसिक कोर्स का शुभारंभ पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक -1 अर्मापुर में हुआ। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आलोक कुमार, कार्यकारी निदेशक, आयुध निर्माणी अर्मापुर, एवं नामित अध्यक्ष रामकेश मीना, उप- महाप्रबंधक (वित्त एवं प्रशासन), का स्वागत शिविर निदेशक एवं स्थल प्राचार्य नीरज दुबे ने किया। एस के एल वर्णवाल, प्राचार्य पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 अर्मापुर एवं मनोज पाण्डेय, थाना इंचार्ज अर्मापुर उपस्थित रहे। यह यूनिट लीडर हेतु प्रथम कोर्स होता है।

जरूरतमंदों को वितरित किए वस्त्र

कानपुर। गरीब जन कल्याण फाउंडेशन द्वारा नौबस्ता स्थित आत्माराम हॉस्पिटल क्षेत्र की बस्तियों में वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. राजनाथ पाण्डेय ने महिलाओं, बच्चों व पुरुषों को हजारों कपड़े वितरित किए। फाउंडेशन की सरिता चंदेल ने समाज से ऐसे आयोजनों में सहयोग की अपील की। इस मौके पर सचिव वरुण शुक्ला, पद्मिनी तिवारी, प्रियंका पांडेय, शशिकांत सचान, रचना देवी, प्रियंका पांडेय, कृष्णाकांत गुप्ता सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

संस्था ने कपड़े बांटे।

पूर्व छात्र समागम हुआ

पूर्व छात्रों ने यादें ताजा कीं।

कानपुर। एसजीएम इण्टरनेशनल स्कूल इन्दिरा नगर, कल्यानपुर में 1999-2001 बैच का 25 वर्ष पूर्ण होने पर पूर्व छात्र समागम आयोजित हुआ। इस दौरान विद्यालय के प्रबन्धक अजित अग्रवाल ने कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय की शिक्षिका करूणा पाण्डेय द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम कृष्ण वन्दना प्रस्तुत की गई। विद्याल के निदेशक चन्द्र प्रकाश गुप्त ने कहा कि बिना लक्ष्य के सफलता को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। प्रधानाचार्य संदीप कुमार पाठक ने कहा कि छात्र ही देश का भविश्य है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य संदीप पाठक, उप-प्रधानाचार्या उमा निगम, बृजेन्द्र सिंह, गौरीशंकर तिवारी, रामअभिलाख, सुरेन्द्र दुबे, पूर्व अध्यापक राजकुमार मौर्य, सुधीर मिश्रा, रेखा एवं पूर्व छात्र उपस्थित थे।

ब्लड डोनेशन कैंप लगाएगा सिविल डिफेंस

कानपुर। सिविल डिफेंस मुख्यालय में बैठक हुई जिसमे थैलीसीमिया रोग से ग्रसित बच्चों के लिए ब्लड की व्यवस्था करने को अलग अलग प्रखंडों में ब्लड डोनेशन कैंप लगाने पर चर्चा हुई। बैठक में डिप्टी कंट्रोलर शिवराज सिंह, चीफ वार्डन राजीव सिंह, डिप्टी चीफ आशीष बाजपेयी, डिविजनल वार्डन धनंजय सिंह, इमरान, स्टाफ ऑफिसर मनोज कुमार, वार्डन अभय मिश्रा, अब्दुल सलाम जाफरी, हरि ओम आदि उपस्थित रहे।

सिविल डिफेंस मुख्यालय में बैठक हुई। अमृत विचार

प्रयोगशाला का उद्घाटन करते डीसीपी साउथ। अमृत विचार

एआई प्रयोगशाला की शुरुआत

कानपुर। दुर्गाप्रसाद विद्यानिकेतन की प्रधान शाखा, गुजैनी में आर्टीफीशियल इंटेलीजेन्स एण्ड रोबोटिक प्रयोगशाला की सोमवार को शुरुआत हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्या ज्योत्स्ना मिश्रा ने मुख्य अतिथि दीपेन्द्रनाथ चौधरी, डीसीपी कानपुर साउथ को सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष पंडित केए दुबे पदमेश भी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने संबोधन में छात्रों को प्रयोगशाला से संबंधित प्राप्त होने वाले तकनीकी क्रांति, छात्रों के भविष्य को नई दिशा, आधुनिक शिक्षा की ओर कदम आदि विषयों पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में सचिव सिद्धार्थ दुबे, प्रधानाचार्या ज्योत्स्ना मिश्रा, निदेशिका एकता दुबे, अपर्णा दुबे मौजूद रहे।

कार्यालय आदर्श नगर पंचायत इकदिल (इटावा)

पत्रांक:- 08 / न0पं0 इकदिल / ई-निविदा सूचना/2026-27 दिनांक: 04-04-2026

संशोधित ई-अल्पकालीन प्रणाली के अन्तर्गत निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्र सं0-1382/न0पं0 इकदिल/ई-निविदा सूचना/2025-26 दिनांक 25-03-2026 को प्रकाशित की गई थी जिसमें ई-टेण्डर अपलोड की अन्तिम तिथि 16-04-2026 थी जो अपरिहार्य कारण से टेण्डर अपलोड करने की दिनांक संशोधित की जाती है अब उसके स्थान पर ई-टेण्डर अपलोड की अन्तिम तिथि 27-04-2026 को अपरान्हः 11: 00 बजे तक ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा ई-टेण्डरिंग की बेवसाइट E-tender.up.nic.in के माध्यम से सेडयूल के अनुसार आमंत्रित की जाती है एवं दिनांक 27-04-2026 को पूर्वाहन 2रू00 बजे खोली जायेगी। शेष शर्ते यथावत रहेगी। निविदा सम्बन्धी उक्त बेवसाइट etender .up.nic.in पर डाउनलोड/ देखा जा सकता है।

लिपिक नगर पंचायत इकदिल इटावा | अवर अभियन्ता नगर पंचायत इकदिल इटावा | अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत इकदिल इटावा | अध्यक्ष नगर पंचायत इकदिल इटावा

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं संजय कुमार गुप्ता ने अपना नाम बदल कर संजय कुमार कर लिया है, भविष्य में मुझे संजय कुमार के नाम से जाना जाय।

सूचना

अनीता सिंह पत्नी बाल कृष्ण सिंह निवासी 7/344 EWS आवास एवं विकास योजना संख्या 03 हंसपुरम कानपुर नगर उपरोक्त प्रापर्टी का मूल किराया किश्त क्रय किरायेदारी अनुबंध पत्र कही खो गया है जिसका प्रयोग किसी अन्य के द्वारा अवैध माना जाएगा। मो0: 8299538210

सूचना

ऊषा तिवारी पत्नी बाल चंद्र तिवारी निवासी 598 EWS ब्लॉक 1850 योजना अर्रा बिनगवां कानपुर नगर उपरोक्त प्रापर्टी का मूल POA 05.07.2014 क्रमांक 1254 कही खो गया है जिसका प्रयोग किसी अन्य के द्वारा अवैध माना जाएगा। मो0: 9889865050

सूचना

मैं मुन्नी देवी व मीनू देवी दोनों नाम एक ही महिला यानी मेरे ही हैं, भविष्य में मुझे मीनू देवी पत्नी हंसराज यादव नि0 117/K/168 सर्वोदय नगर कानपुर नगर नाम से जाना/पहचाना/अभिलेखों में दर्ज किया जाय।

सूचना

मैंने अपने पुत्र शैलेन्द्र कुमार तिवारी व पुत्रवधू रिचा तिवारी से उनके गलत, अव्यवहारिक व असामाजिक आचरण के चलते हर तरह के संबंध विच्छेदित कर लिए हैं। उनसे कोई वास्ता नही है। उनके किसी कार्य, विवाद या लेन-देन के जिम्मेदार वह स्वयं होगे। पुत्र व पुत्रवधु को चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। **शशिकांत निवासी संगसियापुर पोस्ट सरियापुर कानपुर देहात।**

कार्यालय नगर पंचायत अकबरपुर जनपद कानपुर देहात

पत्र संख्या-21/एन0पी0ए0/2026-27 दिनांक- 06.04.2026

ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत अकबरपुर में राज्य वित्त/निकाय निधि के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यो हेतु दिनांक-29-04-2026 को अपरान्ह 3:30 बजे तक निविदायें ई-टेण्डरिंग वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर आमंत्रित करती है। जो उसी दिन अपरान्ह 4:30 बजे खोली जायेंगी। निविदाओं का निर्धारित शुल्क कार्यालय नगर पंचायत अकबरपुर में जमा कराकर जमा रसीद संलग्नकों सहित अपलोड की जानी आवश्यक है। 2 प्रतिशत अर्नेष्ट मनी नकद एन0एस0सी0 अथवा एफ0डी0आर0 जो अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत अकबरपुर के नाम बन्धक हो अपलोड करना अनिवार्य है। किसी भी निविदा को बिना कोई कारण बताये निरस्त/स्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। प्रस्तावित कार्यो का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र0	कार्य का नाम	अगणन/अनुमानित धनराशि	अर्नेस्ट मनी 2 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1	नगर पंचायत अकबरपुर के अन्तर्गत वार्ड नं0 4 नयागंज में स्टेट बैंक के बगल में 12 नग दुकान 1 सीढ़ी केस सहित निर्माण कार्य।	6747000.00	135000.00	7000.00	6 माह
2	नगर पंचायत अकबरपुर के अन्तर्गत वार्ड नं0 4 नयागंज में स्टेट बैंक के बगल में 12 नग दुकान निर्माण कार्य।	5659000.00	114000.00	6000.00	6 माह

(आशीष कुमार) अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत अकबरपुर कानपुर देहात

(दीपाली सिंह) अध्यक्ष नगर पंचायत अकबरपुर कानपुर देहात

न्यूज ब्रीफ

चयनित हुए छात्र। ● अमृत विचार

प्रतिभा सम्मान से नवाजे गए चयनित छात्र

उन्नाव, अमृत विचार : छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने में अग्रणी प्रदीप एकेडमी ने प्रतिभाओं का सम्मान कर चयनित हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसमें मुख्य अतिथि जिला सेवायोजन अधिकारी प्रीति चन्द्रा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पूजन कर कार्यक्रम की शुरुवात की। उन्होंने चयनित 8 अभ्यर्थियों को शील्ड व प्रशस्तिपत्र भी दिये। इस दौरान निदेशक प्रदीप गौड़ व अधिवक्ता अनुपम सिंह रहे।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

उन्नाव, अमृत विचार : बारा सगवर थाना क्षेत्र के नानमऊ निवासी अजय (22) पुत्र हरिशंकर सोमवार देर शाम घर से जगतपुर बाजार जाने निकला था। तभी रास्ते में सामने से आए तेज रफ्ता डंपर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। सिर के बल सड़क पर गिरने के दौरान डंपर उसे रौंदता हुआ भाग निकला। इससे युवक की मौके पर मौत हो गई। इसकी खबर से मां कनक सहित अन्य परिजन बेहाल हो गए। आक्रोशित लोगों ने सड़क शव रखकर जाम लगा दिया। सीओ मधुपनाथ मिश्रा व थाना प्रभारी लोगो को समझाने में जुटे रहे।

सड़क हादसों में बाइक सवार दो की मौत व दो घायल

सूचना पर पहुंची अजगैन व असोहा थानों की पुलिस ने शवों का कराया पोस्टमार्टम

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

मोर्चरी में मौजूद सोहित के परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिले के अलग-अलग थानाक्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। वहीं दो को गंभीर चोटें आई है। इसकी खबर मिलते ही परिजनों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची संबंधित क्षेत्रों की पुलिस ने जांच के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा। वहीं घायलों का कानपुर व लखनऊ में इलाज जारी है।

लखनऊ जिले के मोहनलाल थानाक्षेत्र के सुल्सामऊ हिलगी गांव निवासी सोहित यादव (25) पुत्र गुरबख्श की जेसीबी व बुलेरो अमौसी एयरपोर्ट के निर्माण कार्य में ठेकेदार के अधीन अटैच है। सोहित रविवार को एयरपोर्ट से काम निपटाकर असोहा थानाक्षेत्र के हसनापुर निवासी रिश्तेदार से मिलने आया था। जहां से देररात लौटते समय असोहा- सोहरामऊ मार्ग पर रानीपुर चौराहा के पास सामने से आ रहे बाइक सवार निखिल निवासी रानीपुर की बाइक उसकी बाइक से टकरा गई। इसमें दोनो गंभीर घायल हो गए। पुलिस दोनों को सीएचसी लाई। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद सोहित को जिला अस्पताल भेजा। वहां पहुंचने तक उसकी मौत हो गई। वहीं प्राथमिक इलाज के बाद परिजन निखिल को ट्रामा सेंटर लखनऊ ले गए। सोहित की मौत से पत्नी आरती व मां रानी देवी बेहाल रहीं। भाई रोहित ने बताया कि उसके दो बच्चों में बेटी श्रृष्टि व बेटा सुप्रीत है। भाई की सूचना पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। एसओ फूल सिंह ने बताया कि परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित बुलेट खंती में गिरी, युवक की मौत और साथी गंभीर रूप से घायल

नवाबगंज, उन्नाव : अजगैन कोतवाली क्षेत्र के खड़ेहरा गांव निवासी मनोज (28) पुत्र बुधई गांव के छोटू (22) पुत्र उदयराज के साथ अपनी बीमार मां की दवा लेने भटपुरा गांव गया था। लौटते समय कोतवाली क्षेत्र के जैतीपुर मोड़ स्थित टीकाबावमऊ मार्ग पर एक इंटर कालेज के पास उसकी बुलेट अनियंत्रित होकर खंती में चली गई। इससे दोनों गंभीर घायल हो गये। एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी नवाबगंज लाया गया। जहां डॉक्टर ने मनोज को मृत बता दिया। वहीं छोटू को परिजन कानपुर के एक निजी अस्पताल ले गए। बेटे की मौत से मां ज्ञानवती रो-रोकर बेहाल है। वह दो भाइयों में श्यामलाल से छोटा था। श्यामलाल दुबई में मजदूरी करता है। परिजनों के मुताबिक मनोज मजदूरी करता था। उसकी शादी हुई थी लेकिन पत्नी से मनमुटाव के बाद दोनों में स्वैच्छिक समझौते के आधार पर अलगाव हो गया था। घायल छोटू के भाई अनूप ने बताया कि मनोज उसके भाई को साथ ले गया था। बुलेट छोटू की है। वापसी में छोटू की बाइक मनोज चला रहा था। तभी हादसा हो गया। बाद में परिजनों की आशंका पर डॉ. फैजल जुबेर व डॉ. मनीष चौरसिया ने शव का पोस्टमार्टम किया। कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है।

जर्जर छत गिरने से मलबे में दबकर युवक की मौत

उन्नाव, अमृत विचार : पुरवा कोतवाली के क्षेत्र के सुम्हारी खुर्द गांव निवासी आलोक (23) पुत्र संतराम खेती करता था। सोमवार शाम वह खेत से लौट कर अपने घर के कमरे में आराम कर रहा था। तभी अचानक कमरे की जर्जर हो चुकी पुरानी छत ढह गई। इससे अलोक मलबे के नीचे दब गया। आलोक के ऊपर गिर गई। जिससे वह ईंटों के मलबे में दब गया। शोर सुनकर परिजन व पड़ोसियों ने उसे मलबा हटाकर बाहर निकाला। लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दिलीप सिंह ने इसकी सूचना तहसील प्रशासन व पुलिस को दी। इस मौके पर लेखपाल वैकांत ने जांच पड़ताल की है। आलोक की मौत से पिता संतराम, भाई सतीश, अनूप बहन शुभी बेहाल रही। वहीं कोतवाली प्रभारी भुवन सिंह मौर्य ने मामले की जानकारी से इंकार किया है।

सेवा व समर्पण संग मनाया स्थापना दिवस

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

पार्टी कार्यालय पर भाजपा का ध्वज फहराते पार्टी पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालय व हर बूथ स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में राष्ट्र प्रथम व सेवा ही संकल्प की भावना मुखर रही। जिला स्तर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जनसंघ काल से लेकर वर्तमान भाजपा तक संगठन को सींचने वाले वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया।

पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि स्थापना दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि उन तपस्वियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है जिनके संघर्ष से भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है। जिले के हर बूथ पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इनमें विधायक पंकज गुप्ता, बृजेश रावत, बंबालाल दिवाकर, आशुतोष शुक्ला व अनिल सिंह शामिल रहे। उन्होंने अपने आवंटित क्षेत्रों में प्रवास किया। जिला कार्यालय में हुए मुख्य समारोह में प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी अर्चना मिश्रा व जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने नवीन पदाधिकारियों का अभिनंदन किया। शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ व वंदे मातरम से हुआ।

● **भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को किया गया सम्मानित**

मिश्रा कॉलोनी में कटान रोकने का कार्य शुरू

शुक्लागंज उन्नाव

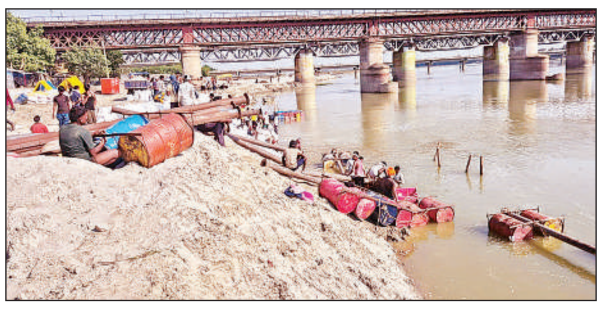

मिश्रा कॉलोनी के पास कटान रोकने के लिये होता कार्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गंगा का जलस्तर घटने के बाद मिश्रा कॉलोनी क्षेत्र में तेज कटान से परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। सिंचाई विभाग ने कटान रोकने के लिए कार्य शुरू करा दिया है। बीते वर्ष कटान के चलते कॉलोनी के कई मकानों के आसपास जमीन खिसकने लगी थी। जिससे स्थानीय निवासियों में अपने घरों के उजड़ने का भय बना हुआ था।

सिंचाई विभाग द्वारा पुराने यातायात पुल से मिश्रा कॉलोनी के आगे टॉवर तक करीब 350 मीटर क्षेत्र में कटान रोकने का काम किया जा रहा है। सोमवार को नवीन पुल के पास से पोकलैंड मशीन से बालू निकालकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से प्रभावित क्षेत्र में पहुंचाई जा रही है। मजदूरों की टीम तेजी से कार्य में जुटी है। एक्सईएन गगन शुक्ला ने बताया कि विभाग युद्ध स्तर पर कार्य करा रहा है। योजना के तहत पुराने पुल से 100 मीटर आगे छोड़कर मिश्रा कॉलोनी घाट की ओर 350 मीटर तक तट को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए करीब साढ़े 7 मीटर पानी में कार्य होगा। इसके बाद साढ़े 10 मीटर का ढलान (स्लोप) तैयार होगा। बताया कि नीचे एसी रेशम बैग व ऊपर जियो बैग लगाकर कटान रोकी जाएगी। करीब 150 मजदूरों को लगाकर कार्य शुरू कराया गया है और इसे दो से ढाई माह में पूरा करने का लक्ष्य है। कार्य पूर्ण होने पर तटवर्ती लोगों को कटान से राहत मिलेगी।

एक्सईएन और जेई ने कार्य का लिया जायजा

कटान रोकने को चल रहे कार्य की प्रगति जानने सोमवार शाम एक्सईएन सिंचाई गगन कुमार, जेई रविन्द्र सिंह के साथ पहुंचे। उन्होंने स्थल का निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान एक्सईएन ने कार्यदायी संस्था को जरूरी निर्देश देते हुए काम में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि संभावित बाढ़ से पहले कटान रोधी कार्य समय पर पूरा किया जा सके। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा होना चाहिए।

इमरजेंसी वार्ड के शौचालय में मिला विकसित भ्रूण

उन्नाव, अमृत विचार: जिला अस्पताल के पुरुष चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड के शौचालय में भ्रूण पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। अस्पताल चौकी की पुलिस ने जांच के बाद भ्रूण को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं मामला लोगों में चर्चा का विषय बना है।

जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई जब सुबह 9 बजे महिला सफाई कर्मी कलावती शौचालय साफ करने पहुंची तो वहां एक भ्रूण कपड़े में लिपटा पड़ा मिला। सूचना पर चिकित्साधीक्षक व अन्य डॉक्टर पहुंचे। पुलिस को इसकी सुचना दी गई। दरोगा अंजनी सिंह ने जांच की। इसकी खबर फैलते वहां स्वास्थ्य कर्मियों व भर्ती मरीजों के तीमारदारों की भीड़ एकत्र हो गई। चिकित्साधीक्षक डा. संजीव कुमार ने बताया कि भ्रूण 6-7 माह का लग रहा है। क्योंकि यह विकसित है। उसके पुरुष होने के कयास लगाए गए हैं। माना जा रहा कि गर्भपात कराने के बाद लोक लाज के भय से भ्रूण को यहां डाला गया है। इमरजेंसी व वार्डों के प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। पुलिस फुटेज चेक कर भ्रूण लेकर आने वाले की पहचान में जुटी है। अस्पताल में सुरक्षा गार्डों की 24 घंटे तैनाती के बाद भ्रूण को शौचालय में डाला जाना लोगों में चर्चा का विषय बना है।

अतिक्रमण की भेंट चढ़ी शहर की यातायात व्यवस्था

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

शहर के मुख्य मार्ग पर सड़क के बीच तक खड़े वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार: शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के प्रशासनिक दावे खोखले साबित हो रहे हैं। जमीनी हकीकत यह है कि मुख्य मार्गों पर बेतरतीब ढंग से हो रहे अतिक्रमण व अवैध पार्किंग ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा रखा है। रोजाना घंटों लगने वाले जाम से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि शहर के सबसे व्यस्ततम मार्ग बड़ा चौराहा से छोटा चौराहा व गांधी नगर तिराहा की स्थिति सबसे अधिक खराब है। प्रशासनिक आंकड़ों में यह सड़क करीब 50 फुट चौड़ी है, लेकिन बाजार खुलते ही दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर लेने से यह सिमटकर 25 से 30 फुट ही रह जाती है। सड़क के दोनों ओर फैला सामान व खड़े वाहन यातायात के लिए बड़ी बाधा बन रहे हैं। सब्जी मंडी व सदर बाजार में जाम का मुख्य कारण दुकानदारों की मनमानी है। दुकानदार पहले तो फुटपाथ तक दुकानें फैला लेते हैं, इसके बाद दुकान के सामने सड़क पर ठेलिया लगवाने के 200 से 300 रुपये भी वसूलते हैं। इन ठेलियों के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा घिर जाता है। इसके बाद खरीदारी करने आए ग्राहक मजबूरन अपने वाहन बीच सड़क पर खड़े कर देते हैं। अवैध पार्किंग व अतिक्रमण के इस मकड़जाल ने शहर के प्रमुख चौराहों को बंधक बना लिया है। लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा समय-समय पर अभियान चलाने की बात तो की जाती है लेकिन धरातल पर कोई स्थाई समाधान नहीं दिखता। बाजार में पसरे इस अवैध कारोबार और अतिक्रमण ने पैदल यात्रियों तक का रास्ता छीन लिया है।

● **सोमवार को शहर के मुख्य मार्ग पर लगी रही वाहनों की कतार**

बोले जिम्मेदार

यातायात प्रभारी सुनील सिंह ने बताया कि जल्द ही नगर पालिका से बातकर एक टीम बनाकर अतिक्रमण व अवैध पार्किंग के विरुद्ध अभियान चलाया जाएगा। जो दुकानदार पैसे लेकर दुकानें लगवाते हैं उन पर जुर्माना लगाने की भी कार्यवाही की जाएगी।

मार्बल मिस्त्री की बेटी बनी समीक्षा अधिकारी

शालिनी को सम्मानित करते अमित मिश्रा व अन्य।

उन्नाव, अमृत विचार : प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। इसे सच कर दिखाया है शहर के शेखपुर नहर निवासी शालिनी रावत ने। उप्र लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित परिणामों में शालिनी का चयन समीक्षा अधिकारी पद पर हुआ है। शालिनी ने ऑल ओवर यूपी में 267वीं रैंक हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। शालिनी अत्यंत साधारण पृष्ठभूमि से आती हैं। उनके पिता रमेश रावत पेशे से मार्बल मिस्त्री हैं और मां कांति रावत गृहिणी हैं। रिजल्ट की सूचना पर शालिनी के पिता ने भावुक होते हुए कहा कि मेरी बेटी ने दिन-रात पढ़ाई की थी। शालिनी की सफलता पर उप्र उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष अमित मिश्रा ने उनके घर पहुंचकर शालिनी को मिठाई खिलाई और 'राम दरबार' की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। इसमें शिवम रावत, लक्ष्य निगम, शुभम यादव, प्रांजुल गुप्ता, आशुतोष बाजपेई आदि रहे।

डायट प्रशिक्षु आकांक्षा बनीं नायब तहसीलदार

आकांक्षा तिवारी को सम्मानित करतीं डायट प्राचार्या।

उन्नाव, अमृत विचार : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के वर्ष-2021 बैच की मेधावी प्रशिक्षु आकांक्षा तिवारी ने कड़ी मेहनत व दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की। आकांक्षा का चयन यूपीपीसीएस-2024 में 101वीं रैंक के साथ नायब तहसीलदार के पद पर हुआ है। विशेष बात यह है कि इसी वर्ष उनका चयन समीक्षा अधिकारी के पद पर भी हुआ है। इस उपलब्धि पर सोमवार को डायट प्राचार्या अमिता सिंह ने आकांक्षा को सम्मानित करते हुए कहा कि यह सफलता सभी प्रशिक्षुओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इसमें डॉ. उमा प्रसाद पटेल, डॉ. विशाल यादव, अमित राय, धर्मवीर तिवारी, संध्या देवी, अंजू यादव आदि ने बधाई दी।

आग से छह बीघा गेहूं की फसल जली

नवाबगंज उन्नाव

धू-धू कर जलती गेहूं की फसल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: विकासखंड क्षेत्र के मलांव गांव में सोमवार दोपहर अज्ञात कारणों से गेहूं के खेतों में लगी भीषण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। इसमें करीब आधा दर्जन किसानों की तैयार फसल जलकर खाक हो गई। ग्रामीणों ने दमकल विभाग पर लापरवाही का आरोप लगा रोष जताया है।

दोपहर में जब ग्रामीण दैनिक कार्यों में व्यस्त थे तभी मलांव गांव के खेतों से धुआं उठता देख अफरा-तफरी मच गई। तेज हवाओं ने लपटों को और भड़का दिया। देखते ही देखते आग ने धर्मराज सिंह, अमर बहादुर व अनुज सिंह आदि किसानों के खेतों को चपेट में ले लिया। कटाई के मुहाने पर खड़ी करीब 6 बीघा गेहूं की फसल देखते ही देखते खाक हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ आक्रोश है। उनका आरोप है कि आग लगते ही तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई थी लेकिन घंटों तक कोई नहीं पहुंचा। हैरानी की बात यह है कि एक दमकल वाहन पास में ही अजगैन कोतवाली में खड़ी थी। लेकिन उसे भी समय पर नहीं भेजा गया। यदि प्रशासन मुस्तैद होता तो कम नुकसान होता। गांव के लोगों ने एकजुट होकर अपने निजी बोरिंग चलाकर पानी का छिड़काव कर कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। जिससे आसपास के अन्य खेतों को जलने से बचाया जा सका।

● **ग्रामीणों ने दमकल विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप**

डाउन लाइन पर तेजी से चला कार्य

शुक्लागंज उन्नाव

रेलवे पुल पर एचबीम स्लीपर लगाने का होता कार्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रेलवे पुल के डाउन लाइन पर चल रहे मरम्मत कार्य में सोमवार को तेजी देखने को मिली। 2 अप्रैल से शुरू हुए एचबीम स्लीपर डालने के कार्य के पांचवें दिन 8 घंटे के मेगा ब्लॉक के दौरान रेल कर्मियों ने आधा सैकड़ा से अधिक स्लीपर लगाकर कार्य को गति दी।

सोमवार सुबह 9:30 से शाम 5:30 बजे तक ब्लॉक लेकर कार्य हुआ। इस दौरान सीनियर डीईएन प्रवीन्द्र कुमार, एडीएन प्रथम उन्नाव राकेश प्रसाद, एडीएन द्वितीय आदि अफसरों की निगरानी में करीब 200 रेलकर्मी मौके पर डटे रहे। कर्मियों ने लगातार कार्य कर जर्जर ट्रफ की लोहे की चादरों को गैस कटर से काटकर हटाया और नई प्लेटें लगाईं। इसके बाद एचबीम स्लीपर बिछाने का कार्य हुआ। अफसरों की देखरेख में पूरे दिन कर्मचारियों ने काम किया। इस दौरान डाउन लाइन पर कार्य चलते रहने के बावजूद अप लाइन से ट्रेनों का संचालन सुचारु रूप से जारी रखा गया। जिससे यात्रियों को असुविधा न हो। ब्लॉक समाप्त होने पर डाउन लाइन पर ट्रेनों को 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से संचालित किया गया।

● **8 घंटे के मेगा ब्लॉक के दौरान 55 एचबीम स्लीपर लगाए गए**

संस्कृति बोध परियोजना की हुई समीक्षा बैठक

बैठक में जानकारी देते मुख्य अतिथि।

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार। गोपीनाथ पुरम स्थित सरोज सरस्वती शिशु मंदिर में सोमवार को संस्कृति बोध परियोजना विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के अंतर्गत समीक्षा बैठक हुई। इसका शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। वरिष्ठ आचार्य नागेंद्र बहादुर सिंह ने मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अभियान प्रमुख राजेंद्र देव त्रिपाठी का परिचय कराया। राजेंद्र देव त्रिपाठी ने भारत की सांस्कृतिक महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत एक गौरवशाली राष्ट्र है। जहां भूमि को माता का दर्जा दिया गया है। उन्होंने वेदों व पुराणों में वर्णित भारत की महान परंपराओं का उल्लेख कर युवाओं को भारतीय संस्कृति से जुड़ने का आह्वान किया। साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर समाज में सांस्कृतिक साहित्य प्रसार की अपील की। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य दुर्गेश सिंह सहित सभी आचार्य व आचार्या उपस्थित रहीं। अंत में अवधेश मिश्र ने आभार व्यक्त किया और शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मौसम का बदला मिजाज

33 केवी लाइन में फाल्ट होने से रात में साढ़े 6 घंटे बंद रही तीन दर्जन मोहल्लों व 29 गांवों की विद्युत आपूर्ति

आंधी-पानी से चरमराई बिजली व्यवस्था, 40 गांव अंधेरे में

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: आंधी-पानी के चलते नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। ऐरा भदियार सब स्टेशन क्षेत्र में शनिवार को आए तेज आंधी-तूफान के बाद से हालात बिगड़े हैं। तीसरे दिन सोमवार को भी करीब 40 गावों में आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। जिससे हजारों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं।

विभाग के अनुसार शनिवार को आई आंधी से ऐरा भदियार सब स्टेशन को आने वाली 33 केवी लाइन के दो एचटी पोल टूट गए। जबकि 11 हजार वोल्ट लाइन के पास 40 पोल क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पूरे क्षेत्र की आपूर्ति बाधित हो गई। विभाग ने रविवार को दिनभर मरम्मत कराई। इसके बाद करीब 10 गावों में आपूर्ति बहाल की गई। सोमवार को बेहटा फीडर व सिकंदरपुर गढ़ी क्षेत्र की आपूर्ति चालू की गई। लेकिन मुस्तफापुर, निहाल खेड़ा, पृथ्वी खेड़ा, पिपरी, शंकरपुर, पंचमपुरवा, गरेरेपुरवा, सन्नी, हाजीपुर, बसधना, अगेहरा, मिर्जापुर, फतेहपुर, रौतापुर, लंगड़ापुरवा, भटपुरवा, लालूपुर, कनिकामऊ, गंगौली, बैराज समेत 40 गावों की आपूर्ति सोमवार को भी चालू नहीं हो सकी। बिजली न होने से ग्रामीणों को पेयजल संकट, मोबाइल चार्जिंग व दैनिक कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 3 दिनों से बिजली न मिलने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। विभाग का कहना है कि शेष क्षेत्रों में भी तेजी से कार्य कर आपूर्ति जल्द बहाल करने का प्रयास चल रहा है।

36 मोहल्ले व 29 गावों की साढ़े 6 घंटे गुल रही बिजली

रविवार शाम व रात में आंधी-पानी के कारण त्रिभुवन खेड़ा फीडर की 33 केवी लाइन में फाल्ट हो गया। इससे शुक्लागंज के 36 मोहल्लों व 29 गावों की आपूर्ति ठप हो गई। देर रात तक आपूर्ति बहाल न से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कर्मियों ने रात में पेट्रोलिंग कर त्रिभुवन खेड़ा में 3 स्थानों पर जंपर टूटे पाए। जिन्हें ठीक किया। वहीं कुंदन रोड पर भी फाल्ट दुरुस्त किया। करीब साढ़े 3 बजे आपूर्ति बहाल होने पर लोगों को राहत मिली।

33 केवी लाइन में गिरी पेड़ की डाल को क्रेन से हटवाते बिजली कर्मी।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से फसलें जलमग्न

शुक्लागंज-उन्नाव, अमृत विचार : तेज बारिश व ओलावृष्टि के बाद पश्चिमी बांधों से पानी छोड़े जाने का असर अब गंगा किनारे दिखने लगा है। गंगा का जलस्तर बढ़ने से कटरी क्षेत्र में खड़ी जायद की फसलें जलमग्न हो गई हैं। जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। बैराज, गंगा कटरी से लेकर जाजमऊ पुल के आगे तक किसान लौकी, कद्दू, तरोई, ककड़ी, खीरा, तरबूज व करेला जैसी फसलें उगाते हैं। लेकिन हालिया दिनों में पानी बढ़ने से ये फसलें डूब गईं। सोमवार को बैराज से 12,500 क्यूसेक, नरौरा से 4,674 क्यूसेक व हरिद्वार से 5,840 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जिससे जलस्तर में बढ़ोतरी हुई। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार रविवार शाम 108.760 मीटर दर्ज जलस्तर सोमवार को बढ़कर 108.770 मीटर हो गया। अचानक बढ़े पानी से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है और उन्हें लाखों का नुकसान हुआ है।

गरीब छात्राओं को बांटी अध्ययन सामग्री

छात्रा को अध्ययन सामग्री देते एसपीजेडी के प्रबंधक भरत त्रिवेदी।

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : राजमार्ग स्थित श्री प्रकाश ज्वाला देवी बालिका इंटर कॉलेज में सोमवार को आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को अध्ययन सामग्री बांटी गई। विद्यालय प्रबंधन की ओर से 5 छात्राओं को कॉपी, किताबें व अन्य जरूरी शैक्षणिक सामग्री दी गई। जिससे उन्हें पढ़ाई में सहयोग मिल सके। इसमें स्कूल प्रबंधक भरत त्रिवेदी, प्रधानाचार्य नेहा मिश्रा व स्टाफ मौजूद रहा। प्रबंधक ने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और आर्थिक अभाव किसी भी छात्रा की पढ़ाई में बाधा नहीं बनना चाहिए। विद्यालय समय-समय पर ऐसे प्रयास करता रहेगा। जिससे जरूरतमंद छात्राओं को प्रोत्साहन मिले। प्रधानाचार्य नेहा मिश्रा ने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दीं। छात्राओं ने विद्यालय प्रबंधन का आभार जताया।

अमृत विचार
मंगलवार, 7 अप्रैल 2026

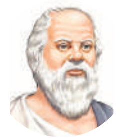

शारीरिक प्रशिक्षण के मामले में किसी को भी नौसिखिया होने का अधिकार नहीं है। किसी व्यक्ति के लिए यह शर्म की बात है कि वह अपने शरीर की सुंदरता और शक्ति को देखे बिना बूढ़ा हो जाए।
- सुकरात, दार्शनिक

विकास के दावों की परीक्षा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या भारत के उच्च विकास दर के दावे वास्तविकता की कसौटी पर टिक पाएंगे? हाल के अंतर्राष्ट्रीय आकलनों ने संकेत दिया है कि बाहरी झटकों के प्रति भारत की संवेदनशीलता अभी भी काफी अधिक है। मूडीज द्वारा वित्त वर्ष 2027 के लिए विकास दर को घटाकर लगभग 6 से अधिकतम 6.4 प्रतिशत करने का अनुमान, ओईसीडी के 6.1 प्रतिशत के आकलन और आईसीआरए के 6.5 प्रतिशत के अनुमान, ये तीनों इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत की वृद्धि दर पर इस जंग का दबाव बढ़ रहा है। भले ही यह दर वैश्विक मानकों में अभी भी मजबूत मानी जाए, लेकिन 1 से 1.5 प्रतिशत अंक की संभावित गिरावट को नजरअंदाज कतई नहीं किया जा सकता। इस दबाव का सबसे बड़ा कारण भारत की ऊर्जा निर्भरता है।

कच्चे तेल और एलपीजी का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा उत्पन्न होती है, तो ऊर्जा आपूर्ति और कीमतें दोनों प्रभावित होंगी। इसका सीधा असर परिवहन लागत, औद्योगिक उत्पादन और अंततः उपभोक्ता महंगाई पर पड़ेगा। बेशक उपभोक्ताओं लिए यह संकट का समय होगा तथा परोक्ष रूप से विकास बाधित होगा। मूडीज का 4.8 प्रतिशत मुद्रास्फीति का अनुमान एक संतुलित परिदृश्य पर आधारित है, लेकिन वास्तविकता इससे अधिक जटिल हो सकती है। एलपीजी और उर्वरकों की आपूर्ति में बाधा खाद्य मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती है, जबकि ईवाई घरेलू एजेंसी का आकलन इसे 6 प्रतिशत के करीब पहुंचने की आशंका जताते हैं। ऐसे में निश्चय ही मौद्रिक नीति पर भी दबाव बढ़ेगा और ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं बहुत सीमित हो जाएंगी। ऐसी स्थिति में राजकोषीय स्थिति भी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि से सब्सिडी का बोझ बढ़ेगा, वहीं पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती और कॉर्पोरेट लाभ में कमी से कर संग्रह प्रभावित हो सकता है। इसका परिणाम यह होगा कि राजकोषीय घाटा नियंत्रित रखना बहुत कठिन हो जाएगा। चालू खाता घाटे के मोर्चे पर भी स्थिति फिलहाल संतोषजनक नहीं कही जा सकती। वर्तमान में यह लगभग 0.4 प्रतिशत से बढ़कर 1-1.5 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। यह बहुत अधिक है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है और आयात बिल बढ़ता है, तो यह और इससे भी ज्यादा बढ़ सकता है। साथ ही, पश्चिम एशिया भारत के कृषि निर्यात का एक प्रमुख बाजार है, वहां व्यापारिक बाधाएं बढ़ने से निर्यात पर भी दबाव आएगा। इन चुनौतियों के बावजूद भारत के पास कुछ मजबूत आधार भी हैं, जैसे बुनियादी ढांचे पर सरकार का निरंतर निवेश, सेवा क्षेत्र की मजबूती और घरेलू मांग। ये कारक विकास को सहारा दे सकते हैं, परंतु बाहरी झटकों के प्रभाव को पूरी तरह संतुलित नहीं कर सकते।

कुल मिलाकर भारत की अर्थव्यवस्था अभी भी मजबूत है, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि यह मजबूती अब वैश्विक अनिश्चितताओं की परीक्षा से गुजर रही है। यह समय आत्मसंतोष का नहीं, बल्कि सतर्क और यथार्थवादी नीति-निर्माण का है। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, निर्यात बाजारों का विस्तार और राजकोषीय अनुशासन ये तीनों कदम भारत को इस संकट से सुरक्षित निकालने में निर्णायक सिद्ध होंगे।

प्रसंगवश

स्वास्थ्य: अधिकार या महंगी सुविधा

स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी होता है। यह केवल बीमारी के अभाव का नाम नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक संतुलन की स्थिति है। हर वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवन केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास का परिणाम होता है, लेकिन यदि हम अपने आसपास की स्थिति को देखें, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या स्वास्थ्य आज भी एक अधिकार है या धीरे-धीरे एक महंगी सुविधा बनता जा रहा है?

भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर एक जैसी नहीं है। शहरों में आधुनिक अस्पताल, नई तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में

संध्या अग्रवाल
साहित्यकार

आज भी प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी महसूस होती है। कई स्थानों पर लोगों को इलाज के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे समय पर उपचार मिल पाना कठिन हो जाता है। सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना जैसी पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके अंतर्गत पात्र परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। यह योजना स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने का प्रयास करती है, हालांकि इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचना भी उतना ही आवश्यक है। इसके साथ ही नए अस्पतालों का निर्माण, स्वास्थ्य योजनाओं का विस्तार और जागरूकता अभियानों के माध्यम से भी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कार्य हो रहा है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या और संसाधनों के दबाव के बीच इन सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करना अभी भी एक चुनौती बना हुआ है।

दूसरी ओर, निजी स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तेजी से हुआ है। आधुनिक सुविधाएं और त्वरित उपचार निश्चित रूप से सकारात्मक हैं, लेकिन इसके साथ बढ़ती लागत एक बड़ी चिंता बनकर सामने आती है। मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए महंगा इलाज कई बार आर्थिक दबाव का कारण बन जाता है। स्वास्थ्य का एक महत्वपूर्ण पहलू मानसिक स्वास्थ्य भी है, जिस पर अभी भी अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जाता। तेजी से बदलती जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा और सामाजिक दबाव के कारण मानसिक तनाव बढ़ रहा है, लेकिन इसके प्रति जागरूकता और स्वीकार्यता अभी सीमित है। इसके साथ ही एक और चुनौती है, सूचना और भ्रम के बीच संतुलन। आज के डिजिटल युग में स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक जानकारियां उपलब्ध हैं, लेकिन हर जानकारी सही हो, यह जरूरी नहीं। कई बार लोग अपुष्ट जानकारी या अफवाहों के आधार पर निर्णय ले लेते हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो जाती है।

स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाइयों तक सीमित नहीं है। स्वच्छता, पोषण, सुरक्षित पेयजल और जागरूकता ये सभी मिलकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं। यदि इन बुनियादी पहलुओं पर ध्यान दिया जाए, तो कई बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य को केवल उपचार के रूप में नहीं, बल्कि एक समग्र दृष्टिकोण से देखा जाए। नीतिगत प्रयास, सेवाओं की पहुंच और सामाजिक जागरूकता इन तीनों का संतुलन ही एक मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव रखता है। अंततः यह समझना जरूरी है कि स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है, क्योंकि जब स्वास्थ्य अधिकार और सुविधा के बीच झूलने लगे, तो यह केवल व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की चिंता बन जाती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

तेल के खेल में फेल होती वैश्विक अर्थव्यवस्था

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू युद्ध अब भयावह हो चला है। दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता वाला देश ईरान इस युद्ध को अपने अस्तित्व से जोड़ते हुए "जैसे को तैसा" वाले तर्ज पर विरोधियों को मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। 28 फरवरी से जारी युद्ध को अमेरिका जहां दो-चार दिनों में समाप्त कर देने का दावा कर रहा था, वह महासंग्राम अब छठे सप्ताह में पहुंच गया है। अब अमेरिका उसे नेस्तनाबूद करने और पाषाण युग में पहुंचा देने की धमकी दे रहा है। वहीं, इस युद्ध को ईरान ने शहीद हुए सर्वोच्च नेता अली खामनेई के विचारों से जोड़ लिया है। ईरानियों का भी स्पष्ट मानना है कि "व्यक्ति मर सकता है, उसके विचार कभी नहीं।" ऐसे में शहीद खामनेई के विचार को जिस देश की अति शिक्षित जनता ने आत्मसात कर लिया हो, उससे पार पा लेना अमेरिका-इजराइल के लिए आसान तो नहीं दिख रहा।

दुनिया के 17 वें सर्वाधिक आबादी वाले देश ईरान की करीब नौ करोड़ आबादी ने युद्ध को अपने अस्तित्व से जोड़ लिया है। ऐसे में खाड़ी के छोटे-बड़े देशों में अपना सैन्य अड्डा बनाकर सीमित सैनिकों से युद्ध जीत पाना अमेरिका के लिए सरल नहीं जान पड़ता। प्रश्न यह कि इजराइल के उकसाने पर अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों किया? कई नामचीन लोगों को अपनी गिरफ्त में लेने वाली एपस्टिन फाइल में अपना नाम बार-बार आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध थोपकर "मुल्तानी दांव" क्यों मारा? बार-बार "अमेरिका प्रथम" की बात कर ट्रंप अमेरिकियों की सहानुभूति क्यों लेना चाहते हैं? दुनिया के संपूर्ण तेल भंडारों को अपनी मुट्ठी में क्यों करना चाहते हैं?

इसका जवाब फिलहाल भविष्य की गर्भ में ही। युद्ध का उनका मंतव्य चाहें जो हो, लेकिन यह सच है कि ट्रंप की "तुगलकी सोच" ने आज दुनिया के अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। युद्ध ने कई देशों में कच्चे तेल, एलपीजी व एलएनजी की आपूर्ति असामान्य तो कर ही दी है। आधुनिकता की आड़ में ऊर्जा को ही जीवन का अहम अंग मान लेने वालों के लिए यह युद्ध किसी त्रासदी से कम नहीं। कच्चे तेल के सर्वाधिक भंडार वाले देश वेनेजुएला के बाद क्रमशः सऊदी अरब, ईरान, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, रूस, कनाडा तथा अमेरिका का स्थान आता है।

विश्व के कुल कच्चे तेल का करीब 15 प्रतिशत भाग अकेले सऊदी अरब निर्यात करता है। ऊर्जा शक्ति संपन्न ईरान के पास भी कच्चे तेल के विशाल भंडार हैं, जो फारस की खाड़ी क्षेत्र में जमीन व समुद्र के अंदर मौजूद है। यदि उस पर से अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध पूरी तरह हटा दिए जाएं तो वैश्विक तेल व्यापार में वह एक बड़ा बदलाव लाने की शक्ति रखता है। अमेरिका ने वेनेजुएला पर प्रत्यक्ष कब्जा कर उसका तेल भंडार हथिया लिया है। सऊदी अरब की तेल संबंधी व्यापारिक गतिविधियों को अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित किए हुए है।

यही हाल संयुक्त अरब अमीरात तथा कुवैत का भी है। तेल निर्यात करते हुए अमेरिका की रजामंदी खाड़ी के उक्त देशों के लिए अपरिहार्य है। ईरान उसके "अश्वमेध यज्ञ के घोड़े" को पकड़ने का माद्दा रखता है। इसीलिए वह अमेरिका की आंख का किरकिरी बना है। "कहीं पे निगाहें... कहीं पे निशाना" की तर्ज पर अमेरिका की गिद्ध दृष्टि अब ईरान के विशाल तेल भंडार पर है न कि निर्माणाधीन न्यूक्लियर प्लांट पर। यह बताना भी समीचीन है कि विश्व में प्राकृतिक गैस का करीब 24 प्रतिशत भंडार केवल रूस में है। इसके बाद ईरान व कतर का स्थान आता है। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के शीर्ष निर्यातक देशों में रूस, कतर व अमेरिका का स्थान है।

भारत की बात करें तो मार्च 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार इसके पास करीब 53 लाख टन कच्चे तेल का भंडार है। यह भंडार देश की 30-35 दिनों की तेल जरूरतों को ही पूरा कर पाएगा। भारत अपनी आवश्यकता का करीब 85 प्रतिशत कच्चा तेल 40 से अधिक देशों से आयात करता है, जिसमें रूस, इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका व नाइजीरिया प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसी प्रकार करीब 60 प्रतिशत द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का आयात कतर, यूएई, सऊदी अरब व कुवैत से करता है। द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का एक बड़ा भाग कतर से आयात करता है। यूएई, ओमान, नाइजीरिया अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया व अंगोला भी हमारे बड़े आपूर्तिकर्ता देश हैं।

विश्व के समुद्री तेल व्यापार का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा ईरान के कब्जे वाले होर्मुज जलडमरूमध्य से होता है। भारत में करीब 80 प्रतिशत कच्चा तेल व ईंधन गैस इसी रास्ते से आता है। ईरान ने इस अतिमहत्वपूर्ण जल गलियारे को लगभग बंद ही कर दिया है। इससे उबरने को भारत रूस के अलावा करीब 40 देशों से महंगे दर पर कच्चा तेल, एलपीजी व एलएनजी खरीद रहा है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर व आस्ट्रेलिया तो होर्मुज संकट से दो-चार हो ही रहे, अफ्रीका, यूरोप व दक्षिण अमेरिकी महाद्वीपों के देशों के अलावा यूएसए और कनाडा की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर दिखने लगा है। खाड़ी देशों में जारी युद्ध कच्चे तेल व ईंधन निर्यात करने वाले देशों की अर्थव्यवस्था को भी झुलसाने पर आमादा दिख रही है। इस युद्ध में जहां अमेरिका की "साख" दांव पर लगी दिख रही, वहीं ईरान अपने "अस्तित्व" के लिए लड़ता दिख रहा है। कौन पीछे हटेगा व किसकी जीत होगी? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

भारत की बात करें तो मार्च 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार इसके पास करीब 53 लाख टन कच्चे तेल का भंडार है। यह भंडार देश की 30-35 दिनों की तेल जरूरतों को ही पूरा कर पाएगा।

आमने सामने

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा कि वे कोलकाता को निशाना बनाएंगे। नरेंद्र मोदी ने यह क्यों नहीं कहा कि हम कड़ी कार्रवाई करेंगे? इसका क्या कारण है? क्या ब्लूप्रिंट तैयार है? चुनाव से पहले एक और पहलगाम?
-ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री पंश्चिम बंगाल

ममता पहलगाम आतंकी हमले को एक स्क्रिप्ट, एक ब्लूप्रिंट बता रही हैं। टीएमसी ने अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए पहलगाम हमले को स्क्रिप्ट तक कह डाला, जिसमें पाकिस्तानी आतंकवादियों ने बेकसूर हिंदुओं की हत्या की थी। हिंदू विरोधी टीएमसी।
-प्रदीप भंडारी
प्रवक्ता, भाजपा

युद्ध का खामियाजा भुगतता एनर्जी सेक्टर

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के बहाने एक बार फिर दुनियाभर के एनर्जी सेक्टर को निशाना बनाया जा रहा है। हाल ही में ईरान और इजरायल ने पहली बार जीवाश्म ईंधन ऊर्जा उत्पादन से जुड़े संयंत्रों पर हमले किए, जिससे वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट की आशंका बढ़ गई है। असल में ऊर्जा को अब युद्ध का हथियार बनाया जा रहा है। इजराइल ने कतर के साथ साझा किए जाने वाले दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया। इसके बाद ईरान ने सऊदी अरब में तेल कंपनी अरामको की समरेफ रिफाइनरी के साथ-साथ कतर और यूएई में गैस सुविधाओं पर ड्रोन और मिसाइलों से हमलाकर जवाबी कार्रवाई की, जो युद्ध में खतरनाक मोड़ साबित हुई है।

दुनिया का सबसे बड़ा साउथ पार्स गैस क्षेत्र भारत सहित वैश्विक एलएनजी आपूर्ति की रीढ़ है। इजरायली हमले के बाद तेल और गैस की कीमतों में आई वृद्धि दुनिया के तमाम देशों के साथ आम आदमी की कमर तोड़ने वाली साबित हो रही है। वहीं इतिहास पर नजर डालने से पता चलता है कि साल 2003 में अमेरिका द्वारा इराक पर आक्रमण के बाद क्षतिग्रस्त ऊर्जा सुविधाओं की मरम्मत में महीनों लग गए थे। करीब दो साल बाद ही उत्पादन युद्ध के पूर्व स्तर पर वापस आ पाया था। इस दौरान दुनिया को भारी ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा था। विशेषज्ञों का कहना है कि क्षतिग्रस्त ऊर्जा उत्पादन बुनियादी ढांचे की मरम्मत में वर्षों लग जाते हैं। खासकर एलएनजी संयंत्र को नुकसान पहुंचना सबसे बुरा होता है। इसकी मरम्मत में कई साल लग सकते हैं। गैस संयंत्रों पर जवाबी हमलों के वैश्विक प्रभाव हैं।

यह सर्वविदित है कि ऊर्जा व्यवधान ईंधन की कीमतों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करते हैं, जिसका असर अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। खाड़ी क्षेत्र यूरोप, एशिया और भारत के लिए एक प्रमुख ऊर्जा गलियारा बना हुआ है। वहीं युद्ध के बीच ईरान ने कहा है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर दोबारा हमला हुआ, तो वह खाड़ी देशों के तेल और गैस सेक्टर को पूरी तरह तबाह कर देगा।

ईरान की सैन्य यूनिट आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमला कर बड़ी गलती की है। अगर ऐसा दोबारा हुआ, तो जवाब और भी ज्यादा खतरनाक होगा। इससे पहले ईरान के सबसे बड़े गैस क्षेत्र साउथ पार्स गल्फ फील्ड पर हमला हुआ था। यह दुनिया का सबसे बड़ा गैस फील्ड है, जो बुशहर के पास समुद्र में स्थित है। इसके तुरंत बाद ईरान ने कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी कि उनके तेल और गैस ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। एनर्जी सेक्टर पर लगातार हमले यह दिखाते हैं कि अब यह जंग सिर्फ सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि दुनिया की एनर्जी सप्लाई भी सीधे खतरे में आ गई है। अगर हालात ऐसे ही बिगड़ते रहे, तो तेल और गैस की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है और इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। इधर, ईरान में जारी जंग की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में स्थिति बेहद खराब बनी हुई है। सैकड़ों की संख्या में जहाज फंसे हुए हैं, जिस वजह से ग्लोबल लेवल पर ऊर्जा संकट बना हुआ है। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से दुनिया के 20 फीसदी तेल का एक्सपोर्ट किया जाता है। इसको लेकर अमेरिका ने हाल ही में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमला किया था, जिसके बाद स्थिति और भी ज्यादा खतरनाक बन गई है।

असल में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच शुरू हुआ यह टकराव अब तेल युद्ध में तब्दील हो चुका है, जो लगातार खतरनाक मोड़ लेता जा रहा है। आगे हालात और भी भयावह होने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने के कारण दुनिया पहले से ही कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान से जूझ रही है। ऐसे में उत्पादन सुविधाओं को होने वाली किसी भी क्षति का प्रभाव वर्षों तक बना रह सकता है।

एक अनुमान के अनुसार, साउथ पार्स गैस क्षेत्र में 1800 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस का भंडार है, जो दुनिया की कई वर्षों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। तेहरान के लिए साउथ पार्स उसकी ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। ईरान की लगभग 80 फीसदी बिजली इसी गैस क्षेत्र से उत्पन्न होती है। यह गैस क्षेत्र केवल ईरान का नहीं है। ईरान इसे कतर के साथ साझा करता है, जो अमेरिका का सहयोगी और दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी उत्पादक है। कतर के हिस्से को नॉर्थ फील्ड के नाम से जाना जाता है, जहां से बड़ी मात्रा में एलएनजी वैश्विक बाजारों में निर्यात की जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने पिछले साल बताया था कि दुनिया में करीब 730 मिलियन लोग ऐसे हैं, जो बिजली के बिना रहते हैं। उन्हें बिजली से जोड़ने की दिशा में प्रगति 2020 से रुकी हुई है। वहीं भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में ऊर्जा संकट का प्रमुख कारण यह है कि बिजली की मांग उसकी आपूर्ति से कहीं अधिक है, जो कि लगातार बढ़ रही है। अब सबसे बड़ी चुनौती जीवाश्म ईंधनों का विकल्प तलाशते हुए स्वच्छ ऊर्जा से इस बढ़ती मांग को पूरा करना है। स्वच्छ, प्रचुर, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा का भविष्य संभव है, बशर्ते कि दुनिया वित्त, नीति और बुनियादी ढांचे में मौजूद कमियों को दूर कर सके। साल 2030 तक सभी के लिए सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नीतियों को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। हमें इसके लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। वहीं युद्ध और संघर्षों से एनर्जी सेक्टर को हर हाल में बचाना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो दुनिया अंधेरे में डूब जाएगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

साल 2030 तक सभी के लिए सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा को प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और मजबूत नीतियों की आवश्यकता है। इसके लिए सामूहिक प्रयासों की दरकार है।

सोशल फोरम

पिंग शुन जहाज

3 अप्रैल 2026 को ईरान से भारत आ रहा एक तेल का टैंकर बीच रास्ते से ही चीन की ओर मुड़ गया है। इस जहाज का नाम 'पिंग शुन' है। ब्रिटेन की अगुवाई में होर्मुज खाली कराने के लिए जो साठ देशों की बैठक हुई है, उसमें भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि विक्रम मिस्री ने बयान दे दिया कि होर्मुज में सबसे अधिक भारत को भुगतना पड़ा है,

आरएन शाही
लेखक

हमारे कई नाविक विभिन्न देशों के जहाजों पर ईरानी हमलों में मारे गए हैं, लेकिन भारत आ रहे तेल टैंकर पिंग शुन के भारत के रास्ते से एकाएक चीन की तरफ मुड़ने वाली घटना की जब विस्तृत छानबीन की गई, तो कुछ और तथ्य सामने आए हैं।

पिंग शुन एक 'अफ्रैमैक्स' श्रेणी का टैंकर है। पहले यह गुजरात के वाड़िनार पोर्ट की ओर आ रहा था और 4 अप्रैल तक इस पोर्ट पर पहुंचने वाला था, लेकिन 3 अप्रैल को इसने अपना रास्ता बदलकर चीन के डोंगयिंग पोर्ट की ओर कर लिया। अगर यह भारत आता, तो पिछले 7 सालों में ईरान से भारत आने वाली यह पहली तेल की खेप होती। शिप-ट्रैकिंग फर्म केप्लर और अन्य विशेषज्ञों के अनुसार, इसके पीछे कई तकनीकी और व्यापारिक कारण माने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेल बेचने वाली कंपनियों ने भुगतान की शर्तों को सख्त कर दिया है। पहले जहां 30 से 60 दिनों का समय भुगतान क्रेडिट के लिए मिलता था, अब वे तुरंत या बहुत कम समय में भुगतान की मांग कर रही हैं। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम के जरिए भुगतान करना अभी भी बहुत जटिल है। भारत किसी अमेरिकी भय के कारण नहीं, बल्कि इन ट्रांजैक्शनल पचड़ों के कारण ईरान से तेल खरीदने से बचता रहा है। भय होता तो रूस से भी इतनी बड़ी मात्रा में क्रूड ऑयल भारत ने नहीं खरीदा होता, क्योंकि रूस पर तो और बड़े और कड़े प्रतिबंध थे।

'पिंग शुन' पर अमेरिका ने पहले से ही प्रतिबंध लगा रखे हैं। ऐसे जहाजों के लिए इंश्योरेंस और सुरक्षित पेमेंट का इंतजाम करना भारतीय कंपनियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, जबकि चीन के खरीदार ऐसे सौदों में अधिक सहज रहते हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, इस जहाज का प्रबंधन चीन की एक कंपनी के पास है, जो इसके वापस मुड़ने का एक स्वाभाविक कारण भी हो सकता है। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि तेल खरीदना पूरी तरह से तेल कंपनियों का व्यावसायिक निर्णय होता है, सरकार डायरेक्ट हस्तक्षेप नहीं करती। इसी समय, भारत का एक अन्य एलपीजी टैंकर 'ग्रीन सांवी' सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर भारत की ओर बढ़ रहा है।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कोयले से ऊर्जा उत्पादन की ओर लौटती दुनिया

जलवायु परिवर्तन के घातक संकेतों के बीच दुनिया तेजी से गैस आधारित ऊर्जा उत्पादन की ओर बढ़ी थी। किंतु रूस-यूक्रेन, इजरायल-फिलीस्तीन और अब अमेरिका-ईरान के बीच छिड़े युद्धों ने ऐसे विकट हालात पैदा कर दिए हैं कि विश्व गहरे ऊर्जा संकट से घिर गया है। जिन देशों ने कोयले को त्यागकर गैस आधारित बुनियादी ढांचा तैयार किया था, वे अब अपने बंद पड़े कोयला संयंत्रों को फिर से चालू करने की विवशता झेल रहे हैं। इस महायुद्ध में तेल भंडारों के साथ-साथ बिजली संयंत्रों को भी निशाना बनाया गया है। ईरान द्वारा पश्चिमी एशियाई देशों के ऊर्जा केंद्रों को क्षति पहुंचाने और जवाब में अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु एवं गैस संयंत्रों को ध्वस्त करने से वैश्विक बाजार में गैस की भारी किल्लत पैदा हो गई है। नतीजतन, जापान, जर्मनी, नीदरलैंड, पोलैंड और चेक गणराज्य जैसे विकसित राष्ट्रों ने पुनः जीवाश्म ईंधन यानी कोयले का रुख कर लिया है। यह तब हो रहा है, जब ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, 2015 से यूरोप में कोयला बिजली क्षमता में 45 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी थी।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ लेखक

उभरती अर्थव्यवस्थाओं को गैस आधारित ऊर्जा को एक 'ब्रिज फ्यूल' के रूप में बेचा गया था- एक ऐसा स्वच्छ विकल्प जो सस्ता, भरोसेमंद और शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला माना जाता था। किंतु वर्तमान युद्धों ने इस भरोसे को तोड़ दिया है। इंटरनेशनल ऊर्जा एजेंसी और गोल्डमेन सैक्स ग्रुप का मानना है कि ऊर्जा आपूर्ति में आया यह दूसरा सबसे बड़ा झटका है, जिससे दुनिया को लंबे समय तक कोयले पर निर्भर रहना पड़ सकता है। ऐतिहासिक रूप से देखें, तो वैश्विक बिजली का लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा आज भी थर्मल पावर से आता है। 1500 ईसवी के बाद औद्योगिक क्रांति की नींव कोयले पर ही रखी गई थी। चाहे कारखाने हों, रेलें हों या भोजन, कोयला और लकड़ी सदियों तक आधार रहे, लेकिन इसके दुष्प्रभावों और बढ़ते तापमान को देखते हुए 1992 में 'रियो पृथ्वी सम्मेलन' और 2005 में 'क्योटो प्रोटोकॉल' अस्तित्व में आए। 192 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों, विशेषकर कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने की प्रतिबद्धता जताई। वर्ष 2018 में भारत और चीन में कोयला खपत में कमी देखी गई थी, जिसके चलते भारत पहली बार 'जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक' में शीर्ष दस देशों में शामिल हुआ। स्पेन के 'कॉप 25' सम्मेलन की रिपोर्ट ने भी दर्शाया था कि दुनिया के 90 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार 57 देशों में से 31 में उत्सर्जन कम होने के रुझान थे। उस समय अमेरिका का प्रदर्शन सबसे खराब रहा था, क्योंकि उसने जलवायु समझौते से बाहर होने का निर्णय लिया था।

हालांकि वर्तमान युद्धों ने समीकरण बदल दिए हैं। नवंबर 2021 के ग्लासगो सम्मेलन में तय हुआ था कि विकसित देश 2030 और विकासशील देश 2040 तक कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। ऑस्ट्रेलिया की 'रियो टिंटो' जैसी बड़ी कंपनियों ने भविष्य को भांपते हुए अपनी खदानें बेच दी थीं। इसी अवसर को भुनाते हुए भारतीय उद्यमी गौतम अडानी ने 'ऑस्ट्रेलिया कोल कंपनी' के माध्यम से क्वींसलैंड में खनन शुरू किया, जिससे हजारों लोगों को रोजगार भी मिला। 2022 में भारत में आए कोयला संकट के दौरान एनटीपीसी ने वहीं से कोयला आयात किया था। स्पष्ट है कि युद्धों के कारण पैदा हुआ यह ऊर्जा संकट न केवल अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहा है, बल्कि धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के वैश्विक प्रयासों को भी भारी पीछे धकेल रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

अंतस

सूर्य अष्टम पाठ जीवन की बाधाओं को हरने वाला

शत्रु पर विजय प्राप्ति

जो व्यक्ति सूर्य देव जी के भक्त हैं, जो नियमित रूप से उनका पूजा करते हैं, श्री सूर्य अष्टकम का पाठ करते हैं, कोई भी शत्रु उनका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता है। शत्रु चाहे जितना भी बलवान क्यों नहीं रहे बाल भी बांका नहीं कर सकता। श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से शत्रु पर विजय प्राप्त होता है।

मानसिक विकास

श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से सभी प्रकार के मानसिक विकार दूर होता है। अच्छे बुरे को सोचने समझने की ताकत आती है। वह व्यक्ति कुसंगति का त्याग कर सत्संगति को अपनाता है। व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत बनता है। वह व्यक्ति अच्छे बुरे का अच्छे से पहचान कर पाता है। इसके पाठ से दुराचारी व्यक्ति भी सदाचारी बनने लगता है। व्यक्ति सात्विक बनता है सकारात्मक सोच रखता है। व्यक्ति के मन से तामसिक भावना नष्ट होती है। वह साधुवाद को प्राप्त होता है। ऐसे व्यक्ति से सभी लोग प्रेम करते हैं।

कार्यों में सफलता प्राप्त होना

श्री सूर्य अष्टकम पाठ से मानसिक विकास होता है। व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत बनता है। लोगों को रोगों से छुटकारा मिलता है। जब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत एवं स्वस्थ रहता है, तो उन्हें सभी कार्यों में निश्चय ही सफलता प्राप्त होता है। ऐसे व्यक्ति सफलता हासिल होने तक मेहनत से पीछे नहीं हटते हैं और जो व्यक्ति पूरी लगन पूरी मेहनत के साथ किसी कार्य को करते हैं, तो उन्हें निश्चय ही सफलता प्राप्त होती है।

सूर्य अष्टकम का पाठ करने से व्यक्ति के जीवन में नवजीवन का संचार होता है। इस धरा धाम में श्री सूर्य देव जी ही एक ऐसे देव हैं, जिनका दर्शन हम सभी को प्रतिदिन होता है। ज्योतिष के नवग्रह मंडल में सूर्य देव का स्थान सर्वोपरि है, सूर्य देव की नियमित साधना जीवन में चमत्कारिक रूप से लाभ पहुंचती है, जिन युवाओं को सरकारी नौकरी चाहिए या सरकार से संबंधित कार्य करने पड़ते हैं, ऐसे लोगों को नियमित रूप से सूर्य अष्टम का पाठ करना चाहिए।

अनिल सुधांशु
ज्योतिषाचार्य

सूर्य अष्टकम पढ़ने के लाभ

श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से व्यक्ति के जीवन में चमत्कारिक परिवर्तन देखने को मिलता है, लेकिन हम यहां पर आप सभी को बता दें कि किसी भी देवी-देवता की पूजा आराधना करने से व्यक्ति के जीवन में बदलाव या मनोवांछित लाभ तभी मिल पाता है, जब पूजा आराधना पूर्ण श्रद्धा व सच्चे मन से की जाती है।

ग्रह बाधा से मुक्ति

ज्योतिष विद्या में श्री सूर्य देव जी को नवग्रह मंडल का प्रमुख माना गया है। श्री सूर्य अष्टकम का पाठ करने से सभी प्रकार की नौ ग्रह शांत होते हैं। शनि दोष राहु-केतु सभी का दोष दूर होते हैं। जिस साधक की कुंडली में या उनकी राशि में किसी भी प्रकार का ग्रह दोष उत्पन्न होता है, तो उन्हें श्री सूर्य अष्टकम का पाठ निश्चय ही करनी चाहिए।

रोगों से मुक्ति

श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से असाध्य रोगों में भी आशातीत लाभ मिलता है। जब कोई व्यक्ति किसी गंभीर बीमारी या दुर्घटना का शिकार हो गया हो, तो, उन्हें या उनके परिजन को उनके लिए सूर्य अष्टकम का पाठ अवश्य ही करनी चाहिए। इससे उस तकलीफ में उसे शीघ्र लाभ मिलता है और शीघ्र ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करता है।

सुख समृद्धि की प्राप्ति

श्री सूर्य अष्टकम के नियमित पाठ से घर परिवार एवं जीवन में सुख समृद्धि आती है। जीवन खुशियों से भर जाती है। इसके पाठ से व्यक्ति को उनके जीवन में सफलता मिलती है। उनका हर कार्य सफल होता है। जहां सफलता है, वहां खुशियां आती है।

दूर होती है बेरोजगारी

ऐसे व्यक्ति जो बेरोजगार हैं या जिनके पास आय का कोई साधन नहीं हैं, उन्हें श्री सूर्य अष्टकम का पाठ अवश्य ही करनी चाहिए। इसके नियमित पाठ से शीघ्र ही नौकरी या व्यवसाय का मार्ग प्रशस्त होता है। व्यक्ति को योग्यता अनुसार मनचाही नौकरी की प्राप्ति होती है। अगर कोई व्यापार या किसी व्यवसाय के क्षेत्र में है, तो उन्हें अपने कार्य में सफलता मिलती है।

प्रतिद्वंद्वियों से आगे होना

आज का युग कंपटीशन एवं चुनौतियों से भरा पड़ा है। आप किसी भी कार्य क्षेत्र में रहे सभी कार्यों में चुनौतियां और कंपटीशन बहुत ज्यादा है। श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से व्यक्ति मानसिक रूप से प्रबल रहता है। उनका हौसला बढ़ा हुआ रहता है। वह किसी भी कार्य को पूरे जोश उत्साह के साथ करता है। उनमें इतना जोश उत्साह रहता है कि वह चुनौतियों का सामना करने से कभी घबराता नहीं है। कभी हारता नहीं है, कभी थकता नहीं है, फल स्वरूप वह अपने प्रतिद्वंद्वियों से सदा आगे रहता है।

मानसिक शांति

श्री सूर्य अष्टकम के पाठ से व्यक्ति के सभी कार्य सफल होते हैं। जीवन में खुशियां आती हैं। ग्रह बाधा से मुक्ति मिलती है। बीमारियों से छुटकारा मिलता है। बेरोजगारी दूर होती है। इन सब कारणों से व्यक्ति का जीवन खुशियों से भरा रहता है, फलस्वरूप मानसिक शांति की प्राप्ति होती है।

पूर्ण होती हैं मनोकामनाएं

श्री सूर्य अष्टकम का पाठ मनुष्य जिस उद्देश्य से या जिस कामना की पूर्ति के लिए करता है वह निश्चय ही पूरा होता है। इसका पाठ पूर्ण विश्वास व श्रद्धा भक्ति के साथ करने से सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सारी मनोकामनाएं से तात्पर्य यह है कि वह मनोकामनाएं, जो आपके अनुकूल है या उस कामना के लिए आप योग्य हैं। अगर आप में लगन है उस काम के प्रति आप में समर्पण का भाव है, तो सूर्य अष्टकम का पाठ करने से आपके मार्ग में आ रही परेशानियां और अड़चनें दूर होंगी और आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

सूर्य अष्टक पढ़ने की विधि

प्रात: काल सूर्य उदय होते समय लकड़ी की चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाकर उसके ऊपर सिर्फ सूर्य यंत्र रखें, यंत्र पर लाल चंदन, कुमकुम, केसर का तिलक लगाए, यदि संभव हो सके तो, रविवार का व्रत रखें, यदि व्रत नहीं रह सकते तो, रविवार के दिन नमक न खाएं। सूर्यदेव कैरियर और व्यापार से संबंधित रुकावटों को दूर करते हैं। रोजी, रोजगार व्यापार की चाह रखने वाले अगर प्रति रविवार उनका दूध-भात-मिश्री का भोग लगा कर पूजन करें, तो 7 रविवार के बीच में ही सरकारी नौकरी लगने की संभावना होती है, सूर्य देव की कृपा से बहुत अच्छा चलता है। सूर्य देव मनुष्य की सभी कामनाओं को पूर्ण करने वाले देवताओं हैं, लेकिन पूरे मन चित्त से पूजन करना अनिवार्य है।

उस महान यात्रा की तैयारी अभी से की जाए

हमें एक दिन मृत्यु की गोद में जाना ही है। जीवन का उद्देश्य है कि हम ईश्वर का साक्षात्कार करें, परमपद को पाएं। किंतु कितने लोग हैं, जो इस ओर ध्यान देते हैं? किसी को तृष्णा से छुटकारा नहीं। कोई इन्द्रिय भोगों में मस्त है। कोई अहंकार में ऐंठा जा रहा है, तो कोई भ्रम जंजाल में ही मस्त है। इन विडंबनाओं को उलझाते-सुलझाते यह सुनहरा अवसर निकलता जा रहा है। मृत्यु सिर के ऊपर नाच रही है। पल का भरोसा नहीं। न जाने किस घड़ी मौत गला दबा दे। आज आप जाने क्या-क्या योजनाएं बना रहे हो, हो सकता है कल यह सब धरे के धरे रह जाएं और हमारा डेरा किसी दूसरे देश ही जा गड़े। ऐसी विषम बेला में अचेत रहना बड़े दुर्भाग्य की बात है। अभी भी समय है।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

आंखें खोलिए। सचेत हो जाइए। जीवन क्या है, हम क्या हैं, संसार क्या है, हमारा उद्देश्य क्या है? इन प्रश्नों को उतना ही महत्वपूर्ण समझिए, जितना कि रोटी को समझते हैं। निरंतर इन प्रश्नों पर विचार करने से आप उस मार्ग पर चल पड़ेगें, जिसे मृत्यु की तैयारी कहते हैं, जो काम कल करना है, उसका बंधन आज से सोचना होगा। आपकी मृत्यु का समय आपको नहीं पता, इसलिए उसकी तैयारी आज से, इसी क्षण से आरंभ करनी चाहिए।

अनासक्ति कर्मयोग के तत्वज्ञान को समझकर जीना उत्तम है। माया के बंधन हमें इसलिए बांध दते हैं कि हम उनमें लिपट जाते हैं। तन्मय हो जाते हैं। स्त्री, पुत्र, कुटुंब, परिवार का बड़े प्रेमपूर्वक पालन कीजिए, उन्हें अपनी संपत्ति नहीं, पूजा का आधार बनाइए। उन्हें अपनी जायदाद न मानना। नहीं तो बुरी तरह मारे जाओगे। बड़ा भारी धोखा खाओगे। संपत्ति उपार्जन अवश्य कीजिए, पर किसी सही उद्देश्य से। न कि शहद की मक्खियों की तरह कष्ट सहने के लिए। सब काम उसी प्रकार कीजिए जैसा संसारी लोग करते हैं, पर अपना दृष्टिकोण दूसरा रखिए। स्मरण रखिए संसार की वस्तुएं आपकी वस्तु नहीं है। दूसरी आत्माएं आपकी गुलाम नहीं हैं।

मेरा-तेरा दोनों एक साथ नहीं रह सकते। बस, माया की सारी गांठ इतनी ही है। योग का सारा ज्ञान इसी गांठ को सुलझाने के लिए है। पाप कर्म हम इसलिए करते हैं कि हमारा अहंभाव बहुत ही संकुचित होता है। जब आप कहते हैं कि मेरी जायदाद इतनी है, तो प्रकृति गाल पर

तमाचा मारती है कि मूर्ख! तू कुछ ही समय से आकर इस पर अधिकार जमाता है, यह प्रवाह अनादिकाल से चला आ रहा है। सोना-चांदी तेरा नहीं है प्रकृति का है, जिसे तू स्त्री समझता है, यह पूर्व जन्मों में तुम्हारी मां हो चुकी होगी। आत्माएं स्वतंत्र हैं, कोई किसी का गुलाम नहीं है। विश्व का कण-कण बड़ी ही द्रुतगति से नाच रहा है। कोई वस्तु स्थिर नहीं है। बहती हुई नदी का आनंद देखना है, तो देख, रोकने खड़ा होगा, तो एक ओर हटा दिया जाएगा।

दुख, विपत्ति, व्यथा और पीड़ा का कारण अज्ञान है। मृत्यु के समय दुख प्राप्त करने का, नरक की ज्वाला में जलने का, भूत-प्रेतों में भटकने का, जन्म-मरण की फांसी में लटकने का एक ही कारण है- अज्ञान, केवल अज्ञान। अंधकार से प्रकाश की ओर चलिए। मृत्यु से अमृत की ओर चलिए। मजहबी कर्मकांड आत्मा का हित नहीं कर सकते। दूसरों की ओर मत ताकिए कि कोई हमें पार कर देगा। केवल पूर्णगुरु की आपको पार कर सकता है। उनके मार्गदर्शन में अपने ह्रदय को विशाल, उदार, उच्च और महान बनाइए। अहंभाव को हटाकर सबको आत्मदृष्टि से देखिए। अपनी अंतरात्मा को प्रेम में सराबोर कर लीजिए और प्रेम का अमृत समस्त संसार पर बिना भेदभाव के छिड़किए। अपना कर्तव्य धर्मनिष्ठापूर्वक पालन कीजिए। व्यवहार कर्मों में रत्ती भर भी शिथिलता मत आने दीजिए, पर रहिए कमलपत्र की तरह। राजा जनक की तरह कर्मयोगी बनिए। अनासक्त रहिए। सर्वत्र आत्मीयता की दृष्टि से देखिए। अपनी महानता का अनुभव कीजिए और गर्व के साथ सिर ऊंचा उठाकर कहिए- सोहम, अर्थात वह मैं हूं।

आत्मज्ञान द्वारा आप इहलोक व परलोक को परिपूर्ण आनंदमय बना सकते हैं। मृत्यु फिर आपको दुख नहीं देगी। वरन एक खेल प्रतीत होगी। आप ऊंचे उठेंगे और महान उद्देश्य को प्राप्त कर पाएंगे। मृत्यु की तैयारी के लिए आज से ही आत्मा के विशुद्ध स्वरूप का चिंतन आरंभ कर देना चाहिए। अपनी महानता का ज्ञान होते ही माया-मोह के सारे बंधन टूटकर गिर पड़ेंगे।

बोध कथा

मानसिक संतोष में खुशी

एक बार की बात है, एक बहुत ही अमीर व्यापारी अपने विशाल महल की खिड़की पर खड़ा था। वह बहुत चिंतित और उदास था, क्योंकि उसका व्यापार ठीक नहीं चल रहा था। तभी उसकी नजर खिड़की के ठीक नीचे सड़क के किनारे रहने वाले एक गरीब मोची पर पड़ी। वह मोची फटे-पुराने कपड़े पहने हुए था, लेकिन वह बहुत जोर-जोर से गाना गा रहा था और जूते सिलते समय उसके चेहरे पर गजब की मुस्कान थी। व्यापारी को बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने सोचा, "मेरे पास इतना धन, महल और नौकर-चाकर हैं, फिर भी मैं परेशान हूं। इस आदमी के पास कुछ नहीं है, फिर भी यह इतना खुश कैसे है?"

व्यापारी ने मोची की खुशी का रहस्य जानने के लिए एक योजना बनाई। उसने चुपके से एक थैली में 100 सोने की मोहरें डालीं और रात के अंधेरे में मोची की झोपड़ी के बाहर रख दीं। अगली सुबह जब मोची को वह थैली मिली, तो उसकी खुशी का ठिकाना न रहा। उसने कभी इतनी दौलत नहीं देखी थी। उसने मोहरें गिनीं कुल 99 थीं (व्यापारी ने जानबूझकर एक कम रखी थी)। मोची ने सोचा, "सिर्फ एक मोहर और मिल जाए, तो पूरे 100 हो जाएंगे।" अब मोची का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। वह उस एक मोहर को कमाने के लालच में दिन-रात काम करने लगा। वह अब गाना नहीं गाता था,

न ही किसी से हंसकर बात करता था। उसे डर सताने लगा कि कहीं कोई उसकी मोहरें चुरा न ले। वह देर रात तक जागता और हर समय तनाव में रहता।

कुछ दिनों बाद व्यापारी ने फिर खिड़की से देखा। मोची अब दुबला हो गया था, उसके चेहरे की मुस्कान गायब थी और वह हर पल चिड़चिड़ा रहता था। व्यापारी समझ गया कि मोची '99 के फेर' में फंस गया है। इस कथा से सार निकलता है कि हम अक्सर उन चीजों के पीछे भागते हैं, जो हमारे पास नहीं हैं (वह 100 वीं मोहर) और इस चक्कर में हम उन चीजों का आनंद लेना भूल जाते हैं, जो हमारे पास पहले से मौजूद हैं। खुशी बाहरी संपत्ति में नहीं, बल्कि मन के संतोष में होती है।

-प्रमोद श्रीवास्तव

शनिदेव का रहस्य

हिंदू मान्यताओं के अनुसार शनिदेव को कर्मफलदाता और न्याय के देवता माना जाता है। वे सूर्यदेव और संज्ञा देवी के पुत्र हैं। उनकी चाल मंद मानी जाती है और इसी कारण उनका प्रभाव भी लंबे समय तक रहता है। शनि की साढ़ेसाती और ढैया को लेकर लोगों में भय अवश्य रहता है, लेकिन उनके स्वरूप को समझें तो वे अनुशासन और न्याय के प्रतीक हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, सूर्यदेव के तेज को सहन न कर पाने के कारण संज्ञा देवी ने अपनी प्रतिमूर्ति स्वर्णा को उनके स्थान पर छोड़ दिया। स्वर्णा ने संज्ञा की संतानों के प्रति भेदभाव किया। एक दिन क्रोध में आकर शनिदेव ने उन्हें मारने के लिए पैर उठाया, जिस पर स्वर्णा ने उन्हें श्राप दे दिया। बाद में सूर्यदेव ने उस श्राप को कम करते हुए कहा कि शनि अपंग तो नहीं होंगे, परंतु जीवनभर लंगड़ाकर चलेंगे। यही कारण है कि उनकी गति धीमी मानी जाती है।

एक अन्य कथा हनुमान जी से जुड़ी है। जब हनुमान जी प्रभु राम के ध्यान में लीन थे, तब शनिदेव ने उन्हें युद्ध के लिए ललकारा। हनुमान जी ने अपनी पूंछ से उन्हें बांध लिया और कष्ट दिया। अंतत: शनिदेव ने अपनी भूल स्वीकार की और वचन दिया कि वे राम और हनुमान भक्तों को कष्ट नहीं देंगे। हनुमान जी द्वारा दिए गए तेल से उनके घाव शांत हुए, तभी से शनिदेव को तेल चढ़ाने की परंपरा प्रचलित हो गई। इन कथाओं का सार यही है कि शनिदेव दंड के साथ-साथ सुधार के भी प्रतीक हैं। वे हमें सिखाते हैं कि क्रोध और अहंकार से बचकर, संयम और अच्छे कर्मों का पालन करें। सच्ची भक्ति और विनम्रता ही उनके प्रकोप से बचाकर जीवन में सुख और संतुलन प्रदान करती है।

मांगलिक योग या दोष

डॉ .विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

समाज ने 'मांगलिक' शब्द को डर से जोड़ दिया है। कहा जाता है कि मांगलिक व्यक्ति से शादी करने पर जीवनसाथी को खतरा होता है, पर ज्योतिष का गहरा सच इससे अलग है। मांगलिक होना कोई बीमारी नहीं, बल्कि मंगल ग्रह की तीव्र ऊर्जा का शरीर और मन में उतर आना है। मंगल अग्नि है। वही अग्नि जो लोहे को पिघलाती भी है और तलवार भी बनाती है। मांगलिक व्यक्ति के भीतर यही अग्नि ज्यादा होती है। इसलिए वे सामान्य लोगों से ज्यादा तेज, साहसी, भावुक और क्रियाशील होते हैं। वे जल्दी प्रतिक्रिया करते हैं, जल्दी गुस्सा भी होते हैं और जल्दी प्रेम भी करते हैं। यही कारण है कि उनके रिश्तों में तीव्रता अधिक होती है- चाहे वह लड़ाई हो या आकर्षण। यह समझना बहुत जरूरी है कि 'मांगलिक से मांगलिक की शादी' कोई अंधविश्वास नहीं, बल्कि ऊर्जा-संतुलन का सिद्धांत है। अगर एक व्यक्ति में मंगल की ऊर्जा बहुत ज्यादा है और दूसरा बहुत शांत, तो टकराव तय है। मानसिक, शारीरिक और यहां तक कि दांपत्य जीवन में भी असंतुलन बनता है। पर जब दो लोगों की मंगल-ऊर्जा बराबर होती है, तो वही तीव्रता आपसी समझ, आकर्षण और मजबूत रिश्ते में बदल जाती है।

रिश्तों पर अशुभ मंगल के मुख्य प्रभाव

- **क्रोध और अहंकार** : व्यक्ति गुस्सैल, अहंकारी और आक्रामक हो सकता है, जिससे रिश्तों में अनावश्यक बहस और टकराव होता है।
- **वैवाहिक जीवन में तनाव** : सप्तम भाव (विवाह भाव) में मंगल होने से वैवाहिक जीवन में मारपीट, झगड़े और अविश्वास की भावना पैदा होती है, जिससे तलाक का खतरा भी बढ़ सकता है।
- **ससुराल पक्ष से मतभेद** : ससुराल वालों के साथ संबंध खराब होते हैं और उनसे अनबन बनी रह सकती है।
- **भाई-बहनों से अनबन** : छोटे भाई-बहनों और अन्य रिश्तेदारों (चाचा, ताऊ) से रिश्ते बिगड़ते हैं, भाई के साथ धोखा मंगल को और खराब करता है।
- **अविश्वास और संदेह** : रिश्तों में एक-दूसरे पर शक करने की प्रवृत्ति बढ़ती है, जिससे दूरियां आती हैं।
- **शारीरिक समस्याएं** : रिश्तों में तनाव के कारण शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है।
- **अलगाव और तलाक** : गंभीर मामलों में, मंगल दोष रिश्ते टूटने का कारण बन सकता है, खासकर जब मुद्दों को सुलझाया न जाए।
- **कर्ज और मुकदमेबाजी** : अशुभ मंगल कर्ज और कानूनी मामलों में उलझा सकता है, जो रिश्तों को भी प्रभावित करता है।

मंगल शांति के लिए उपाय और आराधना

- मंगलवार को हनुमान जी की पूजा, हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें।
- भगवान नरसिंह और कार्तिकेय की आराधना करें।

दान

लाल मसूर दाल, गुड़, सौंफ, गेहूं, तांबे के बर्तन, लाल वस्त्र, लाल कनेर के फूल दान करें। लाल कपड़े में मिश्री और सौफ दान करना भी लाभकारी है।

अनिष्ठ मंगल का रिश्तों पर प्रभाव

अशुभ मंगल रिश्तों में क्रोध, आक्रामकता, अहंकार और असहमति बढ़ाता है, जिससे वैवाहिक जीवन में झगड़े, अविश्वास और अलगाव तक हो सकता है, खासकर ससुराल पक्ष से संबंध खराब होते हैं और भाई-बहनों से मनमुटाव रहता है, क्योंकि यह उग्रता और टकराव पैदा करता है, लेकिन उपाय से इसे शांत किया जा सकता है।

नकारात्मक प्रभाव को कम करने वाली स्थितियां

कुछ संयोजन मंगल दोष के नकारात्मक प्रभावों को खत्म करते हैं। ये संयोजन न केवल प्रभावों को बेअसर करेंगे, बल्कि आपको एक खुशहाल वैवाहिक जीवन भी देंगे।

- मुख्य रूप से यदि मंगल मेष, सिंह या कुंभ राशि में लग्न में स्थित हो, तो मंगल दोष के बुरे प्रभाव समाप्त हो जाते हैं। अत: इस स्थिति से मांगलिक दोष स्वत: ही समाप्त हो जाता है।
- जब मंगल अपनी राशि में या अपने मित्रों के घर में हो, तो मांगलिक दोष समाप्त हो जाता है।
- यदि मंगल दूसरे भाव में हो, लेकिन कन्या या मिथुन राशि में हो, तो मांगलिक दोष नहीं बनता।
- यदि मंगल 8 वें घर में धनु या मीन राशि में हो, तो मांगलिक दोष आंशिक होता है।
- यदि मंगल अपनी ही राशि अर्थात मेष या वृश्चिक में हो, तो प्रभाव कमजोर हो जाता है और मांगलिक दोष आंशिक ही होता है।
- यदि मंगल दूसरे भाव में मिथुन या कन्या राशि में हो, तो मांगलिक दोष नहीं होता।
- यदि मंगल 12 वें भाव में वृषभ या तुला राशि में हो, तो मांगलिक दोष कमजोर हो जाता है।
- यदि मंगल पर किसी शुभ ग्रह की दृष्टि हो, जिसके नैसर्गिक लाभकारी और सकारात्मक प्रभाव हों तथा जो पाप ग्रह जैसे बृहस्पति के विपरीत हो, तो मांगलिक दोष नहीं होता।
- यदि शुक्र लग्न में हो, तो मांगलिक दोष नहीं होता।
- यदि मंगल उच्च का हो, तो यह मंगल दोष को रद्द नहीं करता।
- यदि किसी जातक की जन्म कुंडली में शुक्र उच्च राशि अर्थात मीन राशि में, प्रथम, चतुर्थ, सप्तम भाव में हो, तो मांगलिक दोष नहीं होता।
- यदि लड़का और लड़की दोनों मांगलिक हों,तो मांगलिक दोष समाप्त हो जाता है।
- यदि शुभ बृहस्पति सप्तम भाव या सप्तम भाव के स्वामी को देख रहा हो, तो जातक का वैवाहिक जीवन काफी अच्छा रहता है।
- यदि शनि मंगल पर दृष्टि डाले या उसके साथ स्थित हो, तो मंगल दोष समाप्त हो जाता है, लेकिन इस स्थिति में मंगल सातवें घर में नहीं होना चाहिए।
- यदि नवमांश कुंडली में मंगल कमजोर हो, तो मंगल दोष कम हो जाता है।

बिजनेस ब्रीफ

रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाएं कंपनियों के स्वतंत्र निदेशक: सेबी

मुंबई। बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को किसी कंपनी के कामकाज में स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका को बेहद अहम बताते हुए कहा कि उन्हें अपने दायित्व निभाते समय 'रचनात्मक दृष्टिकोण' अपनाने की जरूरत है। पांडेय की यह टिप्पणी अतनु चक्रवर्ती के एचडीएफसी बैंक से हालिया इस्तीफे के कुछ सप्ताह बाद आई है। वह एचडीएफसी बैंक के स्वतंत्र निदेशक और अंशकालिक चेयरमैन थे। मूल्यों और नैतिकता में असंगति का हवाला देते हुए दिए गए चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद बैंक के शेयर में खासी गिरावट आई है। सेबी के चेयरमैन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि स्वतंत्र निदेशकों की भूमिका केवल अनुपालन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें प्रबंधन से मिलने वाली जानकारी और विश्लेषण का आकलन, कंपनी संचालन, जोखिम प्रबंधन और वित्तीय मामलों की निगरानी भी शामिल है।

रिकॉर्ड 141 अरब यूनिट रहा बिजली कारोबार

नई दिल्ली। बिजली खरीद-बिक्री मंच इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) पर वित्त वर्ष 2025-26 में बिजली कारोबार सालाना आधार पर 17% बढ़कर रिकॉर्ड 141 अरब यूनिट दर्ज किया गया। इसकी मुख्य वजह 'रियल-टाइम' बिजली बाजार का मजबूत प्रदर्शन रही। बयान के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में आईईएक्स पर कुल 187.20 लाख नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) का कारोबार हुआ जो सालाना आधार पर 5% अधिक है।

यूको बैंक का ऋण 2.62 लाख करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का ऋण वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 19 प्रतिशत बढ़कर 2.62 लाख करोड़ रुपये हो गया। यूको बैंक ने सोमवार शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि मार्च, 2025 में समाप्त हुई पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसका कुल अग्रिम 2.20 लाख करोड़ रुपये था। तिमाही में बैंक की कुल जमा राशि में 11 % की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 3.27 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के अंत में 2.94 लाख करोड़ रुपये थी।

विनय टोंसे बने यस बैंक के नए सीईओ

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के यस बैंक ने सोमवार को कहा कि विनय मुरलीधर टोंसे ने तीन साल के लिए बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार संभाल लिया है। टोंसे ने प्रशांत कुमार की जगह ली है, जिनका विस्तारित कार्यकाल पांच अप्रैल को पूरा हो गया।

4.88 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंच रही एलपीजी : संजय

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के कार्यकारी निदेशक ने कृषि विभाग के साथ की प्रेसवार्ता

- बोले, 12,330 सिलेंडर जब्त 245 एफआईआर के साथ 22 गिरफ्तारी की गईं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ के विभूति खंड स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यालय में प्रेसवार्ता करते कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख संजय भंडारी।

अमृत विचारः इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख संजय भंडारी ने कहा कि प्रदेश में लगभग 4.88 करोड़ उपभोक्ताओं तक एलपीजी गैस पहुंच रही है।

पेट्रोलियम उत्पाद एवं गैस की जमाखोरी और अवैध डायवर्जन पर नियंत्रण रखने के लिए 21,939 निरीक्षण करके 12,330 सिलेंडर जब्त किए हैं। 245 एफआईआर दर्ज कराते हुए 22 गिरफ्तारियां हुई हैं। वर्तमान में आपूर्ति पूरी तरह स्थिर है। सोमवार को आईओसीएल ने विभूति खंड स्थित अपने उप्र राज्य कार्यालय-1 में कृषि विभाग के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता की।

पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रमों के संदर्भ में पेट्रोलियम उत्पाद और गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र एवं राज्य के प्रयासों की जानकारी दी। संजय भंडारी ने कहा कि राज्य में 13,168 रिटेल आउटलेट तथा 28 सप्लाई लोकेशन/डिपो के माध्यम से नियमित आपूर्ति हो रही है। एलपीजी आपूर्ति 4,143 वितरकों एवं 36 बॉटलिंग प्लांट के माध्यम से लगभग 4.88 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंच रही है। पत्र सूचना कार्यालय के निदेशक दिलीप कुमार शुक्ल ने कहा कि सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों पर प्रसारित भ्रामक सूचनाओं पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सही जानकारी आम जनता तक पहुंचा रहे हैं। नागरिक केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें।

पीएनजी के बढ़े 28,210 उपभोक्ता

कार्यकारी निदेशक संजय भंडारी ने पीएनजी क्षेत्र का उल्लेख करके प्रगति बताई। कहा कि जहां राज्य में लगभग 20 लाख कनेक्शन उपलब्ध हैं तो वहीं पिछले एक माह में 28,210 नए उपभोक्ता जुड़े हैं। 44 जनपद सीजीडी नेटवर्क के अंतर्गत आ चुके हैं। नेटवर्क विस्तार को और गति दे रहे हैं। प्रवासी मजदूरों एवं छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पांच किलो का एलपीजी सिलेंडर लांच किया है। जो सभी गैस वितरकों के पास आसानी से उपलब्ध है। इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया सरल है। उपभोक्ता केवल एक पहचान पत्र देकर प्रदेश के किसी भी हिस्से में गैस वितरक से कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रदेश में पर्याप्त उर्वरक : अपर निदेशक

प्रेसवार्ता में अपर निदेशक (कृषि) आशुतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में राज्य में उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त है। सभी किसानों को आवश्यकता अनुसार उर्वरक उपलब्ध करा रहे हैं। खरीफ 2026 के लिए निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। यूरिया, डीएपी एवं एनपीके समेत सभी प्रमुख उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। किसानों से अपील है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता अनुसार ही उर्वरक खरीदें।

आबकारी विभाग ने बनाया 57,722 करोड़ का रिकॉर्ड

पिछले वर्ष की तुलना में 9.79% बढ़ोतरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अवैध शराब पर सख्ती और तकनीकी सुधार से बढ़ा राजस्व

अमृत विचार : प्रदेश में आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 57,722.26 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.79 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने दी।

गौतमपल्ली स्थित सरकारी आवास पर आबकारी मंत्री ने बताया कि एथनॉल उत्पादन में वृद्धि, शीरा उत्पादन और तकनीकी सुधारों के चलते राजस्व में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। विभाग ने 2026-27 के लिए 71,278 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया है।

उन्होंने बताया कि शराब दुकानों का आवंटन ई-लॉटरी के माध्यम से किया गया है। 25,613 दुकानों का नवीनीकरण किया गया, जबकि 811 दुकानों का आवंटन लॉटरी से हुआ है।

अवैध शराब पर कड़ा एक्शन नितिन अग्रवाल ने बताया कि विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 1.09 लाख से अधिक केस दर्ज किए।

इस दौरान 28.08 लाख लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई और करीब 20 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आईईएससीएमएस सिस्टम, जीपीएस ट्रैकिंग, क्यूआर कोड और पीओएस मशीनों के जरिए शराब की बिक्री और परिवहन पर निगरानी रखी जा रही है, जिससे राजस्व में बढ़ोतरी हुई है।

संकट से प्रभावितों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश: वित्तमंत्री

स्थिति से निपटने के लिए ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है भारतीय रिजर्व बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि राजकोषीय सूझबूझ ने सरकार को पूंजीगत व्यय बढ़ाने और पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए पर्याप्त वित्तीय गुंजाइश दी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक उभरती स्थिति से निपटने के लिए ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है।

सीतारमण ने चुनौतीपूर्ण समय में अच्छी सार्वजनिक वित्त नीति के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि इससे आर्थिक नरमी के दौर में उससे निपटने, विशेष रूप से विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहने की क्षमता में सुधार होता है।

उन्होंने यहां राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के कार्यक्रम में कहा कि आज भारी कर्ज और बड़े घाटे वाले कई देशों के पास कोई विकल्प नहीं बचा है और उन्हें मितव्ययिता और अस्थिरता के बीच एक कठिन विकल्प का सामना करना पड़ रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि इसके उलट, भारत के पास राजकोषीय संसाधन हैं। पूंजीगत व्यय कार्यक्रम को जारी रखने की गुंजाइश है। आरबीआई के पास ब्याज दरें कम करने की गुंजाइश है और प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित सहायता प्रदान करने की क्षमता है। यह एक दशक की राजकोषीय सूझबूझ और अनुशासन का परिणाम है। कहा कि राजकोषीय गुंजाइश को देखते हुए ही हाल ही में पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किए गए और प्रमुख पेट्रोरसायन उत्पादों पर सीमा शुल्क से छूट दी गयी। एसईजेड (विशेष आर्थिक क्षेत्र) को घरेलू शुल्क क्षेत्र में परिचालन की अनुमति दी गयी।

सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की ताकि युद्ध के बीच बढ़ती वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से उपभोक्ताओं को बचाया जा सके। अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले के बाद से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप ईरान ने व्यापक जवाबी कार्रवाई की।

सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और विमान ईंधन (एटीएफ) पर 29.50 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क भी लगाया। पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर यह वर्तमान में शून्य है। भारत ने दो अप्रैल को पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण पोत परिवहन मार्गों में समस्याओं के बीच आपूर्ति स्थिरता सुनिश्चित करने और अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने को पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात को सीमा शुल्क से छूट दी। यह साल पिछले वर्ष की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण है। पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करने वाला बड़ा झटका बन गया है और नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत दे रहा है।

आपूर्ति श्रृंखलाओं में अनिश्चितता

निर्मला सीतारमन ने कहा कि शुल्क और अन्य बाधाओं के कारण व्यापार के प्रभावित होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में गंभीर अनिश्चितता पैदा कर दी है। इसके चलते वैश्विक वृद्धि अनुमान में भारी गिरावट आई...। भारत के ऋण-जीडीपी अनुपात का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सामान्य सरकारी ऋण-जीडीपी अनुपात (राज्यों के कर्ज के साथ) 81 प्रतिशत के साथ भारत, जर्मनी के बाद प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है। कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत एकमात्र ऐसी प्रमुख अर्थव्यवस्था है जहां अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष का अनुमान है कि यह अनुपात 2030 तक घटकर 75.8 प्रतिशत हो जाएगा। जबकि अमेरिका, चीन, जर्मनी और अन्य जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऋण की स्थिति और खराब होने का अनुमान है।

कच्चे तेल के दाम में नरमी से सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा, निफ्टी 23,000 के करीब

बैंक और आईटी शेयरों में अच्छी लिवाली से निवेशकों को समर्थन

मुंबई, एजेंसी

सोमवार को शुरुआती गिरावट से उबरते हुए स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त में रहे। बीएसई सेंसेक्स 787 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 23,000 अंक के करीब पहुंच गया। पश्चिम एशिया में युद्धविराम के प्रयासों की रिपोर्ट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से बाजार बढ़त में रहा। कारोबारियों के अनुसार, बैंक और आईटी शेयरों में अच्छी लिवाली और रुपये में मजबूती से भी निवेशकों को समर्थन मिला।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 787.30 अंक यानी 1.07 प्रतिशत बढ़कर 74,106.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 887.91 अंक चढ़कर 74,207.46 अंक पर पहुंच गया था। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में से 3,207 लाभ में रहे, जबकि 1,147 में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं 190 के भाव अपरिवर्तित रहें। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 255.15 अंक यानी 1.12 प्रतिशत बढ़कर 22,968.25 पर बंद हुआ।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में संभावित युद्धविराम की खबरों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में सुधार के साथ वैश्विक जोखिम धारणा में भी सुधार हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट में सबसे अधिक 7.89 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा एक्सिस बैंक, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस भी प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक और सन फार्मा के शेयर नुकसान में रहे।

जीएसटी 2.0 इफेक्टः एक साल में बिके 2.96 करोड़ वाहन

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में सभी श्रेणियों में वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,96,71,064 इकाई पर पहुंच गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाहन उद्योग के निकाय के अनुसार इससे गत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल खुदरा बिक्री 2,61,87,255 इकाई थी। वर्ष की शुरुआत सुस्त रहने के बावजूद माल एवं सेवा कर में बदलाव (जीएसटी 2.0) के लागू होने से बाजार में तेजी आई। फाडा के बयान के अनुसार, यात्री वाहन की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13% बढ़कर 47,05,056 इकाई हो गई, जो 2024-25 में 41,63,927 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री भी पिछले साल 13.4 प्रतिशत बढ़कर 2,14,20,386 इकाई हो गई जबकि 2024-25 में यह 1,88,89,595 इकाई थी। वित्त वर्ष 2025-26 में तिपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 13,63,412 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2024-25 की 12,20,834 इकाई के मुकाबले 11.68% अधिक है। फाडा के अनुसार वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री भी 11.74 प्रतिशत बढ़कर 10,60,906 इकाई हो गई।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

कांग्रेस पाकिस्तान के 'सुर में सुर' मिलाती है, यह की देश सुरक्षा से समझौता : मोदी

कहा- कांग्रेस ने हमेशा भ्रष्टाचार के लिए अपनाए अल्पकालिक उपाय

भाबनीपुर-सोरभोग (असम), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी शिविरों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर चलाया, लेकिन कांग्रेस पड़ोसी देश के 'सुर में सुर' मिलाती रहती है। विकास के मोर्चे पर उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा इस मामले में संकीर्ण सोच अपनाई है, जबकि भाजपा देश का दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के लिए काम करती है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अल्पकालिक उपाय अपनाए ताकि वे भ्रष्टाचार में लिप्त रह सकें। लेकिन भाजपा समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए निर्णय लेते समय दूरदर्शी सोच रखती है। असम के बरपेटा जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाती रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से यह संबंध देश की सुरक्षा से समझौता है, लेकिन हम कभी इसकी अनुमति नहीं दे सकते।

उन्होंने कांग्रेस पर 'वन रैंक, वन पेंशन' योजना लागू न करके सेना की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया। मोदी ने कहा कि भाजपा ने यह सुनिश्चित किया कि देश की रक्षा करने वालों को न्याय मिले। उन्होंने कहा कि असम में अनेक बलिदानों और पिछले दस वर्षों में हस्ताक्षरित विभिन्न शांति समझौतों को लागू करने की दिशा में भाजपा के ईमानदार प्रयासों के कारण शांति स्थापित हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में शांति और स्थिरता ने भाजपा शासन में विकास को गति दी है... इसे जारी रखने के लिए कांग्रेस को सत्ता से बाहर रखना आवश्यक है।

महिला मतदाताओं को लुभाते हुए मोदी ने कहा कि संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण 2029 के आम चुनावों से लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम की महिलाओं को सभी दलों से इस उद्देश्य से तैयार किए गए विधेयक को पारित कराने का आग्रह करना चाहिए।

हिमंत भगवद्गीता की कसम खाकर कहें कि उनकी पत्नी पर लगे आरोप गलत हैं : गोगोई

नगांव (असम), एजेंसी। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य गौरव गोगोई ने सोमवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भगवद् गीता की कसम खाकर पत्नी पर लगे आरोपों का खंडन करने की चुनौती दी। गोगोई का यह बयान शर्मा द्वारा अपनी पत्नी के कथित तौर पर कई पासपोर्ट और विदेशों में संपत्ति रखने के कांग्रेस के आरोपों का खंडन करने के कुछ घंटों बाद आया।

कांग्रेस नेता ने राहा में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान शर्मा से सवाल किया कि क्या वह राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बारे में 'झूठ' फैलाते हुए विदेशों में अपनी संपत्ति और व्यावसायिक हितों को छिपा रहे हैं। कांग्रेस नेताओं पवन खेड़ा और गौरव गोगोई ने रविवार को शर्मा से सवाल किया था कि क्या उनकी पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट हैं, दुबई में संपत्ति है, अमेरिका में कंपनियां हैं, या उन्होंने मुखौटा कंपनियों में संपत्ति रखी है?

मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह दावा किया कि विपक्षी पार्टी ने एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया समूह से मिली झूठी जानकारी के आधार पर ये आरोप गढ़े हैं। गोगोई ने कहा, 'मैंने यह बात कल भी कही थी और अब फिर दोहरा रहा हूं - मैं भगवद् गीता की शपथ लेकर कह सकता हूं कि लंदन में मेरी कोई संपत्ति नहीं है, जैसा कि शर्मा ने आरोप लगाया है। क्या वह ऐसा कर सकते हैं? मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वह अपनी सुविधा के स्थान पर आएं और भगवद् गीता की शपथ लेकर यही बात साबित करें।'

तमिलनाडु के खिलाफ हैं मोदी और ईपीएसः कनिमोझी

चेन्नई, एजेंसी

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की संसदीय दल की नेता कनिमोझी ने सोमवार को अन्नाद्रमुक और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि श्री ईके पलानीस्वामी दिल्ली के आका से डरते हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका के प्रभाव में हैं, लेकिन तमिलनाडु के मामले में दोनों एक साथ खड़े हैं। सुश्री कनिमोझी ने कोयंबटूर जिले के सुलूर और कवुंडमपलायम विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव द्रमुक गठबंधन और अन्नाद्रमुक नीत राजग के बीच नहीं, बल्कि तमिलनाडु और राजग के बीच की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि द्रमुक गठबंधन समावेशिता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि विरोधी दल देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में लोगों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं और वहां अशांति का माहौल पैदा किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य के लिए शिक्षा मद में देय धन रोकने का आरोप लगाया और कहा कि कोयंबटूर जैसे औद्योगिक केंद्र को मेट्रो रेल परियोजना से वंचित रखा गया है। उन्होंने छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का वादा भी किया।

सुवेंदु अधिकारी ने लगाया प्रचार के दौरान निगरानी का आरोप

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर भबानीपुर चुनाव प्रचार के दौरान राज्य पुलिस पर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की 'निगरानी शाखा' के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। श्री अधिकारी ने अपनी शिकायत में दावा किया कि भबानीपुर में घर-घर जाकर प्रचार करने के दौरान सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी लगातार उनका पीछा करते हैं। उनके अनुसार ये अधिकारी न केवल उनकी गतिविधियों पर नजर रखने का काम कर रहे हैं बल्कि उन मतदाताओं की पहचान करके उनका विवरण भी नोट कर रहे हैं जो उनसे बातचीत करते हैं।

पाकिस्तान की 'कोलकाता धमकी' पर चुप क्यों हैं प्रधानमंत्री : ममता

कोलकाता,एजेंसी

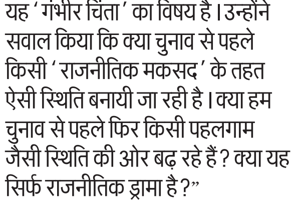

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला और पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के कथित 'कोलकाता को निशाना बनाने' वाले बयान पर प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर सवाल उठाये। नदिया जिले के बेथुआदहारी में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सुश्री बनर्जी ने कहा कि जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री कोलकाता को लेकर धमकी भरी बात करते हैं, तो प्रधानमंत्री इस पर कुछ क्यों नहीं बोलते? उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और बंगाल की जनता की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला करार दिया। यह विवाद इस्लामाबाद में दिये गये श्री ख्वाजा आसिफ के उस बयान के बाद बढ़ा, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भारत भविष्य में पाकिस्तान में कोई कार्रवाई करता है, तो उसका जवाब कोलकाता तक पहुंच सकता है।सुश्री बनर्जी ने केंद्र सरकार पर इस मुद्दे पर चुप रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह 'गंभीर चिंता' का विषय है। उन्होंने सवाल किया कि क्या चुनाव से पहले किसी 'राजनीतिक मकसद' के तहत ऐसी स्थिति बनायी जा रही है। क्या हम चुनाव से पहले फिर किसी पहलगाम जैसी स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं? क्या यह सिर्फ राजनीतिक ड्रामा है?"

भाजपा कार्यकर्ता के घर फेंका विस्फोटक

कन्नूर (केरल), एजेंसी। कन्नूर के काथिरूर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता के आवास पर विस्फोटक फेंके जाने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार रात काथिरूर के पास कोंकाची इलाके में मजीशा पथायाकुन्नु के आवास पर हुई।

अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी और अन्य नेताओं ने अंतिम दिन भरे पर्चे

चेन्नई, एजेंसी

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एल. मुरुगन, तमिलिसई सौंदरराजन, वी. श्रीनिवासन और डीएमडीके नेता प्रेमलता विजयकांत तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन पत्र दाखिल करने वाले प्रमुख नेताओं में शामिल थे। सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने भी विरुधुनगर जिले के सत्तूर विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। राज्यसभा सदस्य एवं केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन ने अवनासी (सुरक्षित) सीट से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया, जबकि भाजपा की एक अन्य नेता एवं पूर्व राज्यपाल तमिलिसई सौंदरराजन ने चेन्नई के मायलापुर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अन्नाद्रमुक महासचिव एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पलानीस्वामी ने अपने गृह जिले सलेम के एडप्पाडी विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किया, जहां से वे पहले पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। भाजपा महिला मोर्चा की प्रमुख वी. श्रीनिवासन, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई के साथ, कोयंबटूर उत्तर से नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचीं। वे निवर्तमान विधानसभा में कोयंबटूर दक्षिण का प्रतिनिधित्व करती हैं। आज अपने नामांकन पत्र दाखिल करने वाले अन्य प्रमुख व्यक्तियों में वेल्लोर जिले के कटपडी से राज्य के जल संसाधन मंत्री एवं द्रमुक के वरिष्ठ महासचिव दुरईमुरुग शामिल रहे।

न्यायमूर्ति शर्मा को सुनवाई से अलग करने का अनुरोध

● आबकारी नीति मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में पेश हुए केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए और न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को आबकारी नीति मामले में उन्हें तथा अन्य सभी आरोपियों को आरोप मुक्त किए जाने के फैसले के खिलाफ सीबीआई की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई से अलग किए जाने का अनुरोध किया।

न्यायमूर्ति शर्मा ने उन्हें मामले की सुनवाई से अलग किए जाने की केजरीवाल की अर्जी को रिकॉर्ड में ले लिया और इसकी सुनवाई 13 अप्रैल को तय की। न्यायमूर्ति शर्मा को बताया गया कि मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय की अन्य पीठ को सौंपने के अनुरोध को लेकर शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका वापस ले ली गई है। सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि अदालत नौटंकी का मंच नहीं है और अगर केजरीवाल मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश होना चाहते हैं, तो उन्हें अपने वकील को हटा देना चाहिए। मेहता ने केजरीवाल की अर्जी पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से संस्था पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं।

कहीं आपके घर में तो नहीं हो रही जासूसी

अक्सर ऐसा होता है कि आप किसी दोस्त से किसी खास जूते, वेकेशन या गैजेट के बारे में बात करते हैं और कुछ ही देर बाद आपके फेसबुक, इंस्टाग्राम या गूगल पर उसी चीज के विज्ञापन आने लगते हैं। दुनिया भर में लाखों यूजर्स का मानना है कि कंपनियां उनके फोन के माइक्रोफोन का इस्तेमाल करके उनकी निजी बातें सुन रही हैं। डिजिटल युग में प्राइवेसी एक भ्रम मात्र है। हम जो भी 'फ्री' इस्तेमाल कर रहे हैं, उसकी कीमत हम अपनी जानकारी देकर चुका रहे हैं।

असली खेल क्या है

● एआई लग्गोरिदम : तकनीकी दिग्गज हमेशा इस बात से इनकार करते हैं कि वे आपकी बातें रिकॉर्ड कर रहे हैं। लेकिन असलियत में खेल एआई एल्गोरिदम का है।

● कीवर्ड्स का जाल : जब आप किसी ऐप को माइक्रोफोन की परमिशन देते हैं, तो बैकग्राउंड में एक्टिव एआई सिस्टम पूरी बातचीत नहीं, बल्कि कुछ खास कीवर्ड्स को पकड़ लेता है।

● प्रेडिक्टिव मॉडलिंग : एआई सिर्फ आपकी बात नहीं सुनता, बल्कि वह आपके लोकेशन डेटा, सर्च हिस्ट्री और आपके दोस्तों की पसंद को भी ट्रैक करता है। वह अनुमान लगा लेता है कि आप आगे क्या खरीदने वाले हैं।

● लिसनिंग टूल्स : हाल ही में कॉक्स मीडिया ग्रुप जैसी कंपनियों की कुछ रिपोर्ट्स लीक हुई थीं, जिनमें एक्टिव लिसनिंग सॉफ्टवेयर की बात कही गई थी जो विज्ञापनों के लिए डेटा जुटाते हैं।

आपके लिए जरूरी बातें

● एम्बिएंट लिसनिंग : एआई केवल शब्दों को नहीं, बल्कि आपके बैकग्राउंड की आवाजों को भी डिकोड करता है। अगर पीछे प्रेशर कुकर की सीटी या बच्चे के रोने की आवाज है, तो एआई समझ जाता है कि आप घर पर हैं और आपको किचन के सामान या बेबी प्रोडक्ट्स के विज्ञापन दिखाने लगता है।

● साउंड वेव फिंगरप्रिंटिंग : हर ब्रांड के टीवी विज्ञापनों की एक साउंड वेव होती है। घर में टीवी पर कोई विज्ञापन चल रहा है, तो आपका फोन उसे पहचान लेता है और वही प्रोडक्ट आपके मोबाइल स्क्रीन पर आ जाता है।

● मशीन लर्निंग का प्रेडिक्शन मॉडल : एआई इतना स्मार्ट हो चुका है कि वह आपकी डिजिटल परछाई बना लेता है। आपकी उम्र, जेंडर, लोकेशन और पिछले 5 साल के डेटा के आधार पर वह पहले ही जान जाता है कि आज शाम आप क्या खरीदने की सोच रहे होंगे। इसे हाइपर-पर्सनलाइजेशन कहा जाता है।

● बैटरी और डेटा का हिडन इस्तेमाल : आपके फोन का डेटा यूसेज ग्राफ बिना किसी डाउनलोडिंग के बढ़ रहा है, तो मुमकिन है कि कुछ ऐप्स आपकी वॉइस फाइल्स को 'कंप्रेस' करके छोटे-छोटे पैकेट्स में सर्वर पर भेज रहे हों।

एक्सपर्ट टिप्स

● सेंसर्स पर नजर : एंड्रॉइड 12 और आईफोन के लेटेस्ट वर्जन में ऊपर की तरफ एक ग्रीन डॉट दिखता है। अगर आप फोन इस्तेमाल नहीं कर रहे और फिर भी वह ग्रीन डॉट दिख रहा है, तो समझ लीजिए कि कैमरा या माइक चोरी-छिपे ऑन है।

● वर्चुअल असिस्टेंट ऑफ करें : गूगल असिस्टेंट में जाकर वायस मैच और हे गूगल को पूरी तरह बंद करना ही सबसे सुरक्षित रास्ता है।

● परमिशन ऑडिट : अपने फोन की सेटिंग में जाएं। देखें कि किन ऐप्स को माइक का एक्सेस है। कैलकुलेटर, टॉर्च या गेमिंग ऐप्स को इसकी जरूरत नहीं है, इनका एक्सेस तुरंत बंद करें।

● ट्रैकिंग बंद करें : अपने गूगल अकाउंट में जाकर वेब और ऐप एक्टिविटी को ऑफ करें।

फैक्ट

● एक औसत स्मार्टफोन में करीब 10 से 15 ऐसे ऐप्स होते हैं जो आपकी मर्जी के बिना माइक्रोफोन इस्तेमाल कर सकते हैं। हार्वर्ड की एक स्टडी के अनुसार, एआई आपकी पिछली सर्च हिस्ट्री और लोकेशन के आधार पर 90% सटीकता से बता सकता है कि आप अगले एक घंटे में कहां होंगे और क्या खरीदेंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

इटली में ऊर्जा संकट की आशंका : मेलोनी

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने स्वीकार किया है कि यदि पश्चिम एशिया में स्थिति और बिगड़ती है तो देश को ऊर्जा की कमी का सामना करना पड़ सकता है। कोरिरे डेला सेरा अखबार ने शनिवार को इटली के चार हवाई अड्डों-मिलान, वेनिस, ट्रेविसो और बोलोग्ना में जेट ईंधन पर लागू किए गए पहले प्रतिबंध की जानकारी दी। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि जब खाड़ी देशों में अस्थिरता बढ़ती है, तो इसका सीधा असर ऊर्जा की लागत, व्यवसायों, नौकरियों और अंततः परिवारों की क्रय शक्ति पर पड़ता है। प्रधानमंत्री का मानना है कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में फारस की खाड़ी के देश प्रमुख भूमिका निभाते हैं। अगर वहां उत्पादन कम या बंद होता है, तो ऊर्जा की कीमतें हर किसी के लिए बढ़ जायेंगी। मेलोनी ने आगाह किया, अगर स्थिति और खराब होती है तो हम ऐसी स्थिति में पहुंच सकते हैं, जहां हमारे पास जरूरत भर ऊर्जा उपलब्ध न हो, यहां तक कि इटली में भी।

नेपाल के विदेश मंत्री ने मिले भारतीय राजदूत

काठमांडू। भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोमवार को यहां नेपाल के नवनियुक्त विदेश मंत्री शिशिर खनाल से शिष्टाचार भेंट की और उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। खनाल ने 27 मार्च को विदेश मंत्रालय के प्रमुख का कार्यभार संभाला था। विदेश मंत्रालय के अनुसार भेंट के दौरान श्रीवास्तव ने खनाल को नेपाल का विदेश मंत्री नियुक्त किये जाने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर की ओर से बधाई दी। इस अवसर पर नेपाल-भारत संबंधों और सहयोग से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा हुई। जयशंकर ने खनाल के पदभार ग्रहण करने के दिन ही एक्स पर उन्हें बधाई दी थी। जयशंकर ने कहा था कि वह भारत एवं नेपाल के बीच पारंपरिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपने नेपाली समकक्ष के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

शरीफ विवि पर हमला ट्रंप की अज्ञानता

नई दिल्ली। ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने तेहरान के शरीफ प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को निशाना बनाकर किए गए बंकर-बस्टर बम हमले की निंदा करते हुए इसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बर्बरता करार दिया है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त आरिफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शरीफ विश्वविद्यालय पर बंकर-बस्टर बम हमला ट्रंप के पागलपन और अज्ञानता का प्रतीक है। ईरानी उपराष्ट्रपति ने कहा, वह (ट्रंप) यह समझने में विफल रहे हैं कि ईरान का ज्ञान कंक्रीट में नहीं दबा है जिसे बमों से नष्ट किया जा सके, असली किला तो हमारे प्रोफेसरों और लोगों की इच्छाशक्ति है।

राजमार्गों पर मवेशियों को रोकने की मांग, केंद्र व राज्यों से जवाब-तलब

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्य गो-उपकर वसूल रहे लेकिन कर कुछ नहीं रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब मांगा, जिसमें देशभर में राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों से आवारा मवेशियों को दूर रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र और राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड सहित अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है।

पीठ ने पाया कि कई राज्य 10 प्रतिशत गौ-उपकर तो वसूल रहे हैं लेकिन इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश वकील ने पीठ को बताया कि उच्चतम न्यायालय पहले ही आवारा कुत्तों के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख चुका है, जिसमें राजमार्गों पर आवारा पशुओं के प्रवेश का मुद्दा भी शामिल है। याचिकाकर्ता 'लॉयर्स फॉर ह्यूमैन राइट्स इंटरनेशनल' की ओर से पेश वकील ने कहा कि अधिकतर मुद्दे आवारा कुत्तों से जुड़े मामले के फैसले में शामिल हो जाएंगे, लेकिन इस याचिका में कुछ अन्य पहलू भी उठाए गए हैं। पीठ ने याचिका पर नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की है। याचिका में अधिकारियों को राजमार्गों पर मवेशियों के प्रवेश को रोकने के लिए एक समान राष्ट्रीय दिशा-निर्देश बनाने और उन्हें लागू करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। इस याचिका में विशेष रूप से दुर्घटना के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर अनिवार्य रूप से बाड़ लगाने का अनुरोध किया गया है। इसके अलावा, वैज्ञानिक तरीके से संचालित गोशालाओं/पशु आश्रयों की स्थापना के लिए निर्धारित वित्त पोषण सुनिश्चित करने का और मवेशियों को अवैध रूप से छोड़ने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया गया है।

मुआवजा ढांचा भी तैयार करने की अपील

याचिका में आवारा मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए दोष रहित मुआवजा (ऐसा मुआवजा जिसमें यह साबित करने की जरूरत नहीं होती कि गलती किसकी थी) ढांचा तैयार करने की भी अपील की गई है। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के स्थानांतरण और नसबंदी से जुड़े पिछले वर्ष सात नवंबर के उसके आदेश में संशोधन का अनुरोध करने वाली याचिकाओं के एक समूह पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। न्यायालय ने शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों जैसे संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों के काटने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि का संज्ञान लेते हुए सात नवंबर 2025 को निर्देश दिया था कि आवारा कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद तुरंत निर्धारित आश्रयों में स्थानांतरित किया जाए।

सेंगर की सजा के निलंबन के खिलाफ याचिका की सुनवाई टली

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई मई के पहले सप्ताह तक के लिए टाल दी, जिसमें 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा के निलंबन को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि शबरिमला मामले में पुनर्विचार याचिका पर नौ-सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा सुनवाई पूरी कर लिये जाने के बाद इस मामले की सुनवाई की जाएगी। सेंगर की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने पीड़िता के पिता की कथित हिरासत में मौत से संबंधित एक अन्य मामले में याचिकाओं की सुनवाई दिल्ली उच्च न्यायालय में नहीं होने का मुद्दा उठाया और कहा कि उस मामले में सेंगर को 10 साल की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने कहा कि दस साल संभवतः जल्द ही पूरे होने वाले हैं और अभी तक उच्च न्यायालय में कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है। सेंगर को इस मामले में जमानत मिलनी चाहिए।

फ्रांस ने बेचा अमेरिका में रखा अपना सोना

पेरिस। बैंक ऑफ फ्रांस ने कहा है कि उसने न्यूयॉर्क में रखे अपने शेष स्वर्ण भंडार को वापस ले लिया है और उसके स्थान पर पेरिस स्थित अपने भंडार में समान मात्रा का सोना रख लिया है। बैंक के अनुसार यह मात्रा 129 टन है, जो उसके कुल स्वर्ण भंडार का लगभग पांच प्रतिशत है। फ्रांस लंबे समय से अपने कुछ स्वर्ण भंडार को फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क में रखता आया था। फ्रांस ने 1960 के दशक में ही अपने स्वर्ण भंडार को वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

इसके बावजूद न्यूयॉर्क में थोड़ी मात्रा में सोना अब तक रखा हुआ था। पिछले दो दशकों में बैंक पुराने या गैर-मानक स्वर्ण भंडार को आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बार से बदल रहा है। फ्रांस ने 2024 की आंतरिक समीक्षा के बाद जुलाई 2025 से जनवरी 2026 के बीच अमेरिका में रखे सोने को बदलने की प्रक्रिया पूरी की। इस प्रक्रिया में सोने को सीधे लाने के बजाय उसे बेचकर यूरोप में नए मानक के स्वर्ण बार खरीदे गए। सोने की बढ़ती कीमतों के कारण इस कदम से बैंक को लगभग 13 अरब यूरो (15 अरब डॉलर) का पूंजीगत लाभ हुआ। इससे बैंक ने 2025 में 8.1 अरब यूरो का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि 2024 में 7.7 अरब यूरो का घाटा हुआ था।

बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को फिर मजबूत करेगा भारत

ढाका, एजेंसी

भारत बांग्लादेश के साथ भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए संबंधों को फिर से मजबूत करने के लिए तैयार है। भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने सोमवार को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को यह जानकारी दी।

यह मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब भारत और बांग्लादेश फरवरी में हुए संसदीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत के परिणामस्वरूप तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से मजबूत करने के प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था।

भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि बैठक के दौरान वर्मा और रहमान ने दोनों देशों की राष्ट्रीय विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में जन-केंद्रित सहयोग पर ध्यान देते हुए द्विपक्षीय सहभागिता पर चर्चा की। भारतीय उच्चायुक्त ने यह भी कहा कि भारत सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए तथा परस्पर हित और परस्पर लाभ के आधार पर बांग्लादेश की सरकार और जनता के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया कि वर्मा ने यहां बांग्लादेश सचिवालय स्थित कैबिनेट डिवीजन कार्यालय में रहमान से शिष्टाचार भेंट की। हालांकि इस बारे में तत्काल कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। हालांकि, बैठक के बारे में जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि राजदूत ने रहमान से कहा कि भारत और बांग्लादेश को अपनी भौगोलिक निकटता को मजबूत अर्थव्यवस्था, कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक एवं लोगों के आदान-प्रदान को बढ़ाकर नए अवसरों में बदलना चाहिए।

● भारतीय राजदूत ने बताया पीएम रहमान को नई दिल्ली का इरादा

नाइजीरिया में तीन हमलों में 26 लोगों की गई जान

अबुजा, एजेंसी। उत्तरी नाइजीरिया में बीते सप्ताहांत नागरिकों और पुलिसर्मियों को निशाना बनाकर किए गए तीन अलग-अलग हमलों में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई। नाइजीरियाई सेना और स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना ने बताया कि शनिवार को उत्तर-मध्य बेनू प्रांत के ग्वेर वेस्ट क्षेत्र में म्बालोम समुदाय पर हथियारबंद समूह के हमले में कम से कम 17 लोग मारे गए। बेनू की गवर्नर हायसिंथ आलिया ने इस हमले की रविवार को पुष्टि की। बोर्नो पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) केनेथ डासो ने बताया कि देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित बोर्नो प्रांत में शनिवार तड़के एक पुलिस मुख्यालय पर हुए हमले में इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े एक समूह के साथ लंबी मुठभेड़ के दौरान चार पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। सेना के मुताबिक, रविवार को कडुना प्रांत के अरिको गांव में ईस्टर के मौके पर आयोजित एक प्रार्थना सभा में बंदूकधारियों ने पांच लोगों की हत्या कर दी। सेना ने बताया कि हमलावर की पहचान फिलहाल नहीं की जा सकी है, हालांकि, सैनिक 31 बंधकों को उनके चंगुल से आजाद कराने में सफल रहे।

● पुलिस कर्मियों और नागरिकों को बनाया गया हमलों में निशाना

भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन से हथियार तस्करी की एनआईए जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

● एनआई को संदेह, यह तस्करी भारत में आतंकी हमले की साजिश का हो सकती है व्यापक हिस्सा

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनआईए को संदेह है कि यह तस्करी भारत में आतंकी हमले करने के लिए रची गई व्यापक साजिश का हिस्सा हो सकती है।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए आतंकवाद रोधी एजेंसी ने पाकिस्तान स्थित आतंकी जसवीर चौधरी, उसके भारतीय सहयोगी शुभम कुमार और अन्य अज्ञात व्यक्तियों की कथित भूमिका की जांच के लिए मामला दर्ज किया है। यह मामला मूल रूप से इस वर्ष फरवरी में पंजाब पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि अमृतसर स्थित राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि चौधरी के निर्देश पर उसके भारतीय सहयोगियों ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए हथियारों, गोला-बारूद और परिष्कृत विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) की एक बड़ी खेप प्राप्त की थी, जिसका उद्देश्य पंजाब, दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में विस्फोट करना था।

इस संबंध में राज्य पुलिस ने 10 फरवरी को प्राथमिकी दर्ज की थी। गृह मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि यह मामला एक 'विदेशी तत्व' द्वारा भारत में हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों का उपयोग करके आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए रची गई आपराधिक साजिश से संबंधित है। आदेश में कहा गया है कि अपराध की गंभीरता, इसके गंभीर सुरक्षा परिणामों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संबंधों और व्यापक साजिश का पर्दाफाश करने की आवश्यकता को देखते हुए, इसकी जांच एनआईए द्वारा की जानी आवश्यक है।

तटरक्षक बल के लिए चौथे तीव्र गश्ती पोत का निर्माण शुरू

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल के लिए एक तीव्र गश्ती पोत (एफपीवी) के निर्माण की सोमवार को शुरूआत की गई। यह तटीय सुरक्षा, खोज और बचाव तथा कानून प्रवर्तन के लिए बनाए जा रहे 14 जहाज़ों की श्रृंखला में चौथा जहाज़ है। अधिकारियों ने कहा कि ये जहाज़ देश के 'आत्मनिर्भर भारत' विज़न के अनुरूप बनाए जा रहे हैं और इनसे हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय तटरक्षक बल की मौजूदगी मजबूत होगी। भारतीय तटरक्षक बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 14 एफपीवी परियोजना के तहत एफपीवी-4 के साथ ही एफपीवी-7 के निर्माण की शुरूआत के लिए आज एमडीएल, मुंबई में समारोह आयोजित किया गया। एफपीवी को अत्याधुनिक मशीनों से लैस किया जा रहा है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित रखरखाव प्रणाली और बहुउद्देशीय ड्रोन शामिल हैं। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में तटरक्षक बल के एक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष: आज नए प्रयास शुभ रहेंगे। यात्रा या बातचीत से लाभ मिलेगा। परियोजनाओं में गति आएगी। जीवनसाथी के साथ उत्तम समय का आनंद उठाएंगे।

वृष: आज परिवार में शांति रहेगी। व्यावसायिक निर्णय सकारात्मक दिशा में बढ़ेंगे। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा।

मिथुन: आज संचार, बुद्धि और योजनाओं में दृढ़ता रहेगी। नए संपर्क लाभदायक रहेंगे। पति-पत्नी के आपसी संबंधों में मधुरता आएगी।

कर्क: आज भावनात्मक संतुलन आवश्यक है। घर और रिश्तों में सामंजस्य बनाए रखें। किसी भी निवेश पर पुनर्विचार करें।

सिंह: आज मंगल के प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खर्च पर नियंत्रण जरूरी है।

कन्या: आज व्यापार में अवसर, कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य संतुलित रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे।

तुला: आज चंद्रमा की स्थिति अनुकूल रहेगी, समझदारी से निर्णय लें। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। छात्र करियर को लेकर योजना बना सकते हैं।

वृश्चिक: आज रचनात्मक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। व्यापार में आप बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। प्रेम संबंधों को परिवार में स्वीकृति मिल सकती है।

धनु: आज यात्रा और शिक्षा कर्म में लाभ मिलेगा। भाग्य आपका साथ देगा। समूह कार्यों में सफलता मिलेगी। मन में उमंग-उत्साह बढ़ेगा।

मकर: आज करियर में स्थिरता रहेगी। वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़। वैवाहिक जीवन सुखद रहने वाला है।

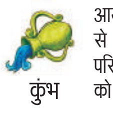
कुंभ: आज रणनीति और बुद्धिमत्ता से कार्य सिद्ध होंगे। सामाजिक परिचय बढ़ेगा। आप अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं।

मीन: आज नया कार्य शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है। धन लाभ के मजबूत संकेत हैं। सरकारी कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं।

किम जोंग की बेटी हो सकती है उनकी उत्तराधिकारी

सियोल। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी का कहना है कि अब उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की किशोरवय बेटी को उनकी उत्तराधिकारी के रूप में देखना उचित होगा। यह किम जोंग उन की बेटी की बढ़ती राजनीतिक स्थिति पर अब तक का सबसे जोरदार आकलन है, जिसके बारे में एजेंसी का मानना है कि वह अपने परिवार के शासन को चौथी पीढ़ी तक बढ़ा सकती है। सरकारी मीडिया द्वारा किम की सबसे प्रिय या सम्मानित संतान के बतायी जा रही यह लड़की, 2022 के अंत से अपने पिता के साथ कई हाई-प्रोफाइल कार्यक्रमों में शामिल हुई है, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि उसे उत्तर कोरिया की भावी नेता के रूप में तैयार किया जा रहा है। नेशनल असेंबली में हुई एक गुप्त बैठक के दौरान, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा के निदेशक ली जोंग-सीओक ने कहा कि लड़की को किम का उत्तराधिकारी माना जा सकता है।

छानबीन | बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो का सुप्रीम कोर्ट में दावा

अनिल अंबानी समूह ने बैंकों के हड़पे 73 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) रिलायंस अनिल अंबानी समूह के खिलाफ दर्ज सात मामलों में कुल 73,000 करोड़ रुपये की बैंक ऋण धोखाधड़ी की जांच कर रहा है। यह जानकारी उच्चतम न्यायालय में फरवरी में दायर स्थिति रिपोर्ट में दी गई है।

जांच एजेंसी ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि वह इन सात मामलों की जांच कर रही है और कुछ सरकारी कर्मचारियों की भूमिकाओं की भी छानबीन कर रही है। सीबीआई और वित्तीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा के बाद, उच्चतम न्यायालय ने 23 मार्च को एक आदेश जारी किया। शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच का संदर्भ देते हुए अपने आदेश में कहा, ...अन्य मामलों में होने वाले नुकसान भी कई हजार करोड़ रुपये के हैं, जो लगभग 73,006 करोड़ रुपये के कुल दावे बनाते हैं। ईडी ने अदालत को बताया कि उसने कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं, जो कथित प्रोजेक्ट हेल्प के बारे में जानकारी देते हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि दिवाला कार्रवाई जानबूझकर असंबंधित ऋणदाताओं के माध्यम से शुरू की गई थी।

न्यायालय ने ईडी की रिपोर्ट पढ़ने के बाद कहा कि रिपोर्ट के अनुसार, आईबीसी (दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता) कार्रवाई के तहत अधिग्रहण संबंधी सभी फंडिंग आठ एनबीएफसी (नॉन-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों) के समूह के माध्यम से की गई थी... इस बात का संज्ञान लिया गया कि लगभग 2,983 करोड़ के दावे का निपटारा 26 करोड़ रुपये में किया गया।

मामले की जांच को ईडी ने किया विशेष दल का गठन

ईडी ने अदालत को यह भी सूचित किया कि उसने इन मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है और वर्तमान में रिलायंस अनिल अंबानी समूह से जुड़े आठ मामलों की पड़ताल कर रहा है। न्यायालय ने कहा कि जहां तक आरोपों की सच्चाई की बात है, उस पर हम कोई राय नहीं व्यक्त कर रहे, केवल यह कहना चाहते हैं कि सीबीआई और ईडी के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपनी जांच को निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र तरीके से पूरा करें और इसे समयबद्ध तरीके से तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाएं। ईडी ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन-सदस्यीय पीठ को यह भी सूचित किया कि उसे इस जांच के संबंध में अन्य जांच एजेंसियों से मांगी गई कुछ जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय

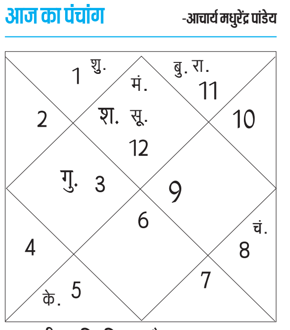

आज की ग्रह स्थिति : 7 अप्रैल, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 16.34 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा पूर्ण रात्रि तक।

सुडोकू - 111 का हल

8	3	9	1	7	6	4	2	5
7	5	4	9	2	8	1	3	6
2	1	6	4	5	3	7	9	8
6	2	1	3	4	7	5	8	9
4	8	5	6	9	1	3	7	2
3	9	7	2	8	5	6	4	1
9	7	2	5	6	4	8	1	3
5	4	3	8	1	2	9	6	7
1	6	8	7	3	9	2	5	4

सुडोकू -112

	7	8						9
	1			6				4
9				8				
	4						6	
		1				4		
	9			5			1	
1				9		3		7
7				4	8		2	
						5		

> रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के देवदत्त पडिक्कल घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद जिस तरह आईपीएल में बल्लेबाजी कर रहे हैं उसे देखते हुए उन्हें लंबे समय तक भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा।
>
> – दिनेश कार्तिक

स्टेडियम

कानपुर नगर, मंगलवार, 7 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स

बनाम

मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

लीड्स 1987 के बाद पहली बार एफए कप के सेमीफाइनल में

लंदन। लीड्स ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में दो गोल की बढ़त गंवा दी लेकिन आखिर में वह वेस्ट हैम को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर 1987 के बाद पहली बार एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहा। माटेउस फर्नांडेस और एक्सल दिसासी ने 93वें और 96वें मिनट में गोल दागकर वेस्ट हैम को लंदन स्टेडियम में खेले गए मैच में 2-2 से बराबरी पर ला दिया। इससे मैच अतिरिक्त समय तक खिंच गया। क्वार्टर फाइनल के इस मैच में अतिरिक्त समय में वेस्ट हैम के दो गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिए गए, जिसके बाद लीड्स ने शूटआउट में जीत हासिल की।

अदिति संयुक्त 27वें स्थान पर रहीं

लास वेगास। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 75 के स्कोर से यहां अरामको चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 27वें स्थान पर रहीं। अदिति ने अंतिम दौर में चौथे, छठे और 17वें होल में तीन बोगी की जबकि वह एक भी बर्डी नहीं कर पाईं जिससे उनका स्कोर तीन ओवर रहा। अदिति का कुल स्कोर आठ ओवर रहा। प्रणवी उर्स ने अंतिम चार में चार ओवर 76 के स्कोर से कुल 17 ओवर के स्कोर से 66वां स्थान हासिल किया।

कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स का मैच बारिश की भेंट चढ़ा

सिर्फ 3.4 ओवर का हो सका खेल, दोनों टीमों को मिला एक-एक अंक

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच सोमवार को यहां खेला गया इंडियन प्रीमियर लीग मैच बारिश के कारण 3.4 ओवर के खेल के बाद रद्द करना पड़ा जिससे दोनों टीम को एक-एक अंक मिला।

मैच रद्द होने के साथ मौजूदा सत्र में नाइट राइडर्स के अंकों का खाता भी खुल गया। टीम को अपने शुरुआती दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था जबकि तीसरे मैच में भी टीम दो विकेट पर 25 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी और अगर मैच शुरू होता तो यह पांच ओवर का ही हो पाता और टीम को सिर्फ आठ गेंद और खेलने को मिलती जिससे संभवतः उसकी स्थिति काफी कमजोर होती। दूसरी तरफ अपने शुरुआती दो मैच जीतने वाली पंजाब की टीम तीन मैच में पांच अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। मैच को नाइट राइडर्स की पारी में 3.4 ओवर के खेल के बाद हल्की बूंदाबांदी के कारण रोका गया जो बाद में बारिश तेज होने के कारण दोबारा शुरू नहीं हो पाया। मौजूदा सत्र में पहली जीत की तलाश में जुटे नाइट राइडर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन उन्हें शुरुआत में ही बड़ा झटका लगा जब जेवियर बार्टलेट ने दूसरे ओवर में दो विकेट झटक लिए। बार्टलेट ने सलामी बल्लेबाज फिन एलेन (06) और कैमरन ग्रीन (04) को तीन गेंद के भीतर आउट करके नाइट राइडर्स को दोहरा झटका दिया। दोनों ही बल्लेबाजों ने विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह को कैच थमाए। ग्रीन 25.20 करोड़ रुपये की कीमत के साथ सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी हैं लेकिन उनका खराब प्रदर्शन जारी रहा। इससे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 18 और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दो रन बनाए थे। नाइट राइडर्स की टीम अपने शुरुआती दो मैच गंवा चुकी है।

बारिश के कारण जब खेल रोका गया तब कप्तान अजिंक्य रहाणे आठ जबकि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी सात रन बनाकर खेल रहे थे। मैच के लिए बॉलीवुड सुपरस्टार और नाइट राइडर्स के सह मालिक शाहरुख खान भी दर्शकों के बीच मौजूद हैं। वह इस सत्र में पहली बार मैच देखने आए थे। संयोग से पिछले सत्र में भी ईडन गार्डन्स में नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच हुआ मैच (26 अप्रैल को) बारिश की वजह से प्रभावित हुआ था और दोनों टीम को एक-एक अंक बांटना पड़ा था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाले पंजाब किंग्स ने चार विकेट पर 201 रन बनाए थे जिसके बाद नाइट राइडर्स ने जब बिना कोई विकेट खोए सात रन बनाए थे तो बारिश आ गई और मैच रद्द हो गया।

ईडन गार्डन्स में बारिश की रुकावट के दौरान मैदान से बाहर आते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर (बाएं)।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	3	2	0	1	5	0.637
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	4	2.501
3.	राजस्थान रॉयल्स	2	2	0	0	4	2.233
4.	दिल्ली कैपिटल्स	2	2	0	0	4	1.170
5.	सनराइज़र्स हैदराबाद	3	1	2	0	2	0.275
6.	मुंबई इंडियंस	2	1	1	0	2	-0.206
7.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	2	1	1	0	2	-0.542
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	3	0	2	1	1	-1.964
9.	गुजरात टाइटंस	2	0	2	0	0	-0.424
10.	चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	0	-2.467

ऑरेंज कैप

समीर रिजवी
दिल्ली – 160 रन
हेनरिच क्लासेन
हैदराबाद – 145 रन
रोहित शर्मा
मुंबई – 113 रन

पर्पल कैप

रवि बिश्नोई
राजस्थान– 5 विकेट
विजयकुमार वैशक
पंजाब– 5 विकेट
जेकब डफी
आरसीबी– 5 विकेट

मेरे लिए बल्लेबाजी में बुनियादी बदलाव करना आसान नहीं था : पडिक्कल

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने सफेद गेंद के प्रारूपों में अपने अच्छे प्रदर्शन का श्रेय अपने 'कंफर्ट जोन' (आरामदायक दायरे) से बाहर निकलने और अपनी बल्लेबाजी में बुनियादी बदलाव करने को दिया। देवदत्त ने आईपीएल के पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 61 रन बनाने के बाद रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 50 रन बनाए। आरसीबी ने यह मैच 43 रन से जीता। उन्होंने मैच के बाद पत्रकारों से कहा कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर मुझे इस मुकाम तक पहुंचने में मदद मिली। बल्लेबाजी में बदलाव करना आसान नहीं था क्योंकि क्रिकेट के इस प्रारूप के लिए मुझे अपनी बुनियाद को पूरी तरह से बदलना पड़ा। उन्होंने कहा यह बदलाव मुझे जानबूझकर करना पड़ा और आरसीबी और सहयोगी स्टाफ ने मेरा मार्गदर्शन करके बहुत मदद की। लेकिन क्या टी20 के एक आयामी होने का खतरा है क्योंकि सभी बल्लेबाज अपने पावर हिटिंग कौशल को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं? इस सवाल पर देवदत्त ने कहा मुझे ऐसा नहीं लगता, क्योंकि इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजी का स्तर काफी बढ़ गया है। मुझे लगता है कि हर कोई बड़े छक्के और चौके लगाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है और अब गेंदबाजों की जिम्मेदारी है कि वे भी उसी राह पर चलते हुए अपने खेल का स्तर ऊपर ले जाएं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का मानना है कि गेंदबाज जल्द ही वापसी करेंगे।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम खेल से कौशल को काफी हद तक कर रहा खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने भी की आलोचना

दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने भी कई अन्य खिलाड़ियों की तरह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादास्पद इम्पैक्ट प्लेयर नियम की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि इससे खेल का कौशल काफी हद तक खत्म हो रहा है। कई मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने इस नियम पर चिंता व्यक्त की है, जिससे टीम मैच के दौरान किसी भी समय पांच खिलाड़ियों की सूची में से एक खिलाड़ी को अंतिम एकादश में शामिल किसी अन्य खिलाड़ी की जगह मैदान पर उतार सकते हैं। कुछ खिलाड़ी इस नियम को ऑलराउंडर के विकास में बाधा मानते हैं जबकि कुछ का मानना है कि इससे खेल का पलड़ा बल्लेबाजों के पक्ष में झुक जाता है क्योंकि टीमें अब आठवें नंबर पर एक अतिरिक्त बल्लेबाज होने के कारण शुरू से लेकर आखिर तक आक्रामक अंदाज में खेल सकती हैं।

जैमीसन ने गुजरात टाइटन्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच से पहले यहां पत्रकारों से कहा निजी तौर पर मैं इस नियम का समर्थक नहीं हूं। मुझे लगता है कि इससे खेल में कौशल का महत्व काफी हद तक कम हो जाता है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि अगर आप नौवें या दसवें नंबर तक बल्लेबाज रख सकते हैं तो फिर आपको उस तरह के बल्लेबाजी कौशल की जरूरत नहीं पड़ेगी जो शायद आपको पहले की तरह चाहिए होती थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2023 में यह नियम लागू किया था और यह 2027 तक बना रहेगा। इसके बाद इस नियम की समीक्षा की जाएगी। जैमीसन ने कहा मुझे लगता है कि इसका असर ऑलराउंडर पर पड़ रहा है। इससे ऐसे खिलाड़ी प्रभावित हो रहे हैं जो गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों कर सकते हैं और टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं। इस नियम से खेल से इस कौशल का महत्व थोड़ा कम हो जाता है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि आईपीएल के अलावा दुनिया की किसी भी बड़ी लीग में इम्पैक्ट प्लेयर नियम का उपयोग नहीं किया जाता। उन्होंने कहा दुनिया भर में या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आपको बहुत कम ही ऐसी जगहें देखने को मिलेंगी जहां इम्पैक्ट प्लेयर का नियम लागू होता है। इसके पीछे कोई अच्छा कारण ही होगा। जैमीसन को दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से वर्तमान सत्र में अभी तक खेलने का मौका नहीं मिला है क्योंकि टीम केवल चार विदेशी खिलाड़ियों को मैदान में उतार सकती हैं।

राजस्थान की आक्रामकता से मुंबई को रहना होगा सतर्क

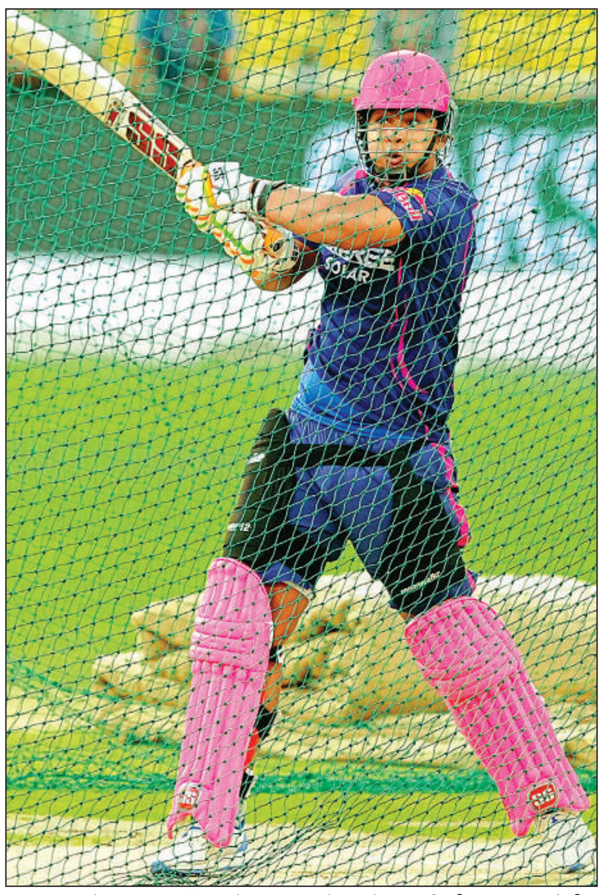

अभ्यास करते राजस्थान रॉयल्स के धाकड़ बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

पिछले मैच में हार के बाद वापसी के लिए प्रतिबद्ध मुंबई इंडियंस को उम्मीद होगी कि कप्तान हार्दिक पंड्या पूरी तरह से फिट होकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में खेलेंगे।

हार्दिक अस्वस्थ होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे जिसमें उनकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। हार्दिक की अनुपस्थिति में भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अगुवाई की थी, लेकिन टीम को हार्दिक के ऑलराउंड खेल की कमी महसूस हुई। हार्दिक की अनुपस्थिति के कारण टीम संयोजन में भी फेरबदल करना पड़ा। उनकी जगह टीम में शामिल किए गए दीपक चाहर ने सधी हुई गेंदबाजी की, लेकिन अनुभवी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की जगह कॉर्बिन बॉश को लाने का फैसला उल्टा पड़ गया, क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज ने जमकर रन लुटाए। इसके बाद हार्दिक ने अभ्यास शुरू कर दिया है जिससे कि उनकी वापसी की संभावना मजबूत बन गई है। पहले मैच में गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले शार्दुल ठाकुर पिछले मैच में महंगे साबित हुए, वहीं हमेशा भरोसेमंद रहने वाले जसप्रीत बुमराह किफायती तो रहे हैं लेकिन इस सत्र में अभी तक विकेट नहीं ले पाए हैं। स्पिन विभाग में मिचेल सैंटनर ने अफगानिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह ग़ज़नफ़र की जगह टीम में अपने चयन को सही साबित किया और संभावना है कि वह अपना स्थान बरकरार रखेंगे।

टीम

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जड़ेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, क्विंटन डीकॉक, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज, रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स।

राजस्थान का शीर्ष क्रम कर रहा अच्छा प्रदर्शन

राजस्थान के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। राजस्थान की टीम ने अभी तक आक्रामक रवैया अपनाया है और मुंबई को उस सतर्क रहने की जरूरत होगी। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने टीम को विस्फोटक शुरुआत दी है, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने लय कायम रखी है। कप्तान रियान पराग ने अभी तक बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दिया है, लेकिन उन्हें अपने नेतृत्वकौशल से आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने अब तक कप्तानी से प्रभावित किया है। डेथ ओवरों में लिए गए उनके रणनीतिक फैसलों से जिसके कारण रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस पर रोमांचक जीत दर्ज की थी।

जताई चिंता | पूर्व दिग्गज अश्विन सीएसके की लगातार तीसरी हार पर बोले-कार्यशैली बदलने की जरूरत

चेन्नई को युवा खिलाड़ियों में आत्मविश्वास जगाने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्पिन के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि आईपीएल के वर्तमान सत्र में लगातार तीसरी हार झेलने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम को अपने युवा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और अच्छी कार्यशैली अपनाने की जरूरत है।

सीएसके को रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों 43 रन से हार का सामना करना पड़ा। उसे अभी तक अपने तीनों मैच में हार मिली है और वह अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर है। अश्विन ने कहा मुझे यकीन है कि ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी तनावपूर्ण होगा। मुझे ठीक से नहीं पता कि शब्द कितने कठोर हो सकते हैं, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो इतनी युवा टीम के साथ आगे बढ़ने का सिर्फ एक ही रास्ता है और वह है अतीत को पीछे छोड़कर अपने खेल का स्तर ऊंचा करना। इसके लिए उसे मजबूत कार्यशैली और टीम के अंदर अच्छा माहौल तैयार करना होगा। मुझे यकीन है कि आरसीबी से मिली इस करारी हार के बाद चेन्नई के ड्रेसिंग रूम में बेहद निराशा का माहौल होगा। भारत के पूर्व स्पिनर ने कहा कि युवा खिलाड़ियों से जवाबदेही की उम्मीद करना उचित नहीं है। अश्विन ने कहा आरसीबी के हाथों सीएसके की हार को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। आरसीबी और सीएसके का मुकाबला आईपीएल के सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा सीएसके की टीम में कुछ कमियां हैं। उसकी टीम में कई अनुभवहीन खिलाड़ी हैं। हम उनसे जवाबदेही की उम्मीद नहीं कर सकते। वे उस उम्र में हैं जहां उन्हें मैदान पर उतरकर क्रिकेट का आनंद लेना चाहिए। आप उन पर सीएसके जैसी फ्रेंचाइजी की विरासत को आगे बढ़ाने का दबाव नहीं डाल सकते। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी ने भारत के टी20 विश्व कप हीरो संजू सैमसन का समर्थन करते हुए कहा कि शुरुआती तीन मैचों में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के बावजूद वह वापसी करने में सफल रहेंगे। डुप्लेसी ने कहा अगर आप सीएसके की बल्लेबाजी पर गौर करें तो वह काफी अच्छी है।

कप्तान रुतुराज गायकवाड ने हमेशा खुद को साबित किया है। संजू सैमसन एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा इसके अलावा उनके शीर्ष क्रम में आयुष म्हात्रे जैसा एक बेहद प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी है, जिसने अपने छोटे से आईपीएल करियर में अब तक असाधारण प्रदर्शन किया है।

थोड़ा और खेलने की थी इच्छा

चेन्नई। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया है कि अगर वह चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए मानसिक रूप से परेशान करने वाले और 'पीड़ादायक' दौर से नहीं गुजरे होते तो वह इंडियन प्रीमियर लीग में थोड़ा और समय तक खेल सकते थे। अश्विन ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उन्होंने पिछले साल आईपीएल को भी अलविदा कह दिया था। इस स्टार स्पिनर ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' में कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने की दुविधा से बचाने के लिए आईपीएल से संन्यास लेने का फैसला किया।

भारत बिली जीन किंग कप के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत 2026 के प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ मंगलवार से यहां डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में होने वाले बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशिनिया ग्रुप एक के मुकाबलों में परिचित परिस्थितियों और घरेलू समर्थन का भरपूर लाभ उठाने की कोशिश करेगा।भारत को हालांकि प्रतिभाशाली श्रीवल्ली भामिदिपति के हटने से झटका लगा है।

इंडोनेशिया, कोरिया, मंगोलिया, न्यूजीलैंड और थाईलैंड की मौजूदगी में भारतीय टीम को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें ही आगे बढ़ेंगी, जबकि सबसे नीचे की दो टीमें 2027 के लिए ग्रुप दो में खिसक जाएंगी। भारत का बेंगलुरु में 2025 प्लेऑफ में निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। वह तब तीन टीमों के ग्रुप जी में तीसरे स्थान पर रहा था। मेजबान टीम को स्लोवेनिया से 1-2 और नीदरलैंड से 0-3 की हार का सामना करना पड़ा, हालांकि नवोदित खिलाड़ी श्रीवल्ली और सहजा यमलापल्ली ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। भारत की तरफ से अब एकल में पूरी जिम्मेदारी सहजा और वैष्णवी अडकर पर आ गई है। अनुभवी खिलाड़ी अंकिता रैना से युगल मुकाबलों में अच्छी प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है जहां वह रुतुजा भोसले के साथ मिलकर चुनौती पेश करेगी। अगर कप्तान विशाल उप्पल टूर्नामेंट के दौरान अंकिता को एकल खेलने के लिए भी कहें तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी।

टेनिस खिलाड़ी सहजा यमलापल्ली, अंकिता रैना, कैप्टन विशाल उप्पल, जील देसाई, रुतुजा भोसले और वैष्णवी अडकर (बाएं से) एजेंसी